जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 9 मई, 2026

आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™
Pavitra

FIXED PRICE

250 g
MRP ₹ 250

विश्व की सर्वोत्तम हल्दी
7–12% CURCUMIN वाली
CRYOGENIC GRINDING से बनी
भारत की एकमात्र लाकाडोंग हल्दी पाउडर
(साधारण हल्दी से 4 गुना ज्यादा करक्यूमिन)

क्रायोजेनिक ग्राइंडिंग से बने प्रोडक्ट्स
लाकाडोंग हल्दी पाउडर, मिर्ची पाउडर, धनिया पाउडर

लाकाडोंग हल्दी पाउडर
मेघालय के लाकाडोंग की पहाड़ियों में उगाई गई प्रीमियम GI TAGGED हल्दी से बना

ब्लेंडेड मसाले
किचन किंग मसाला • गरम मसाला • सब्ज़ी मसाला • शाही पनीर मसाला
दाल मखनी मसाला • राजमा मसाला • चना मसाला • पाव भाजी मसाला • सांभर मसाला
चाट मसाला • छाछ मसाला • रायता मसाला • जलजीरा मसाला • पोहा मसाला
चाय मसाला • अमचूर पाउडर • हिमालयन पिंक रॉक सॉल्ट • तूफानी हींग

कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800-120-2727

For joining us as Distributor or Business Development Officer
Email ID : bdm@kediapavitra.com | Call : +91 76888-66333

ORDER ON WEBSITE
ORDER ON WHATSAPP
ORDER ON APP
ORDER ON ZEPTO

T&C Apply
MRP ₹ Incl. of all taxes

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

FIXED PRICE

₹4000/- Sq Ft में फ्लैट!

NO MIDDLE MEN

वैशाली की रेट
12000/- Sq. Ft.

8 मिनट की दुरी की रेट
4000/- Sq. Ft.

8 मिनट में
8000/- Sq. Ft. की बचत

अब हर महीने रेट बढ़ेगी

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	PRESENT RATE	31 MAY 2026	30 JUNE 2026	31 JULY 2026	31 AUG. 2026	30 SEPT. 2026	31 OCT. 2026	30 NOV. 2026	30 DEC. 2026
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 Lacs	66 Lacs	68 Lacs	70 Lacs	72 Lacs	74 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs	82 Lacs	84 Lacs	86 Lacs	88 Lacs	90 Lacs
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 Lacs	82.5 Lacs	85 Lacs	87.5 Lacs	90 Lacs	92.5 Lacs	95 Lacs	97.5 Lacs	1 Cr
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 Cr	1.075 Cr	1.10 Cr	1.125 Cr	1.15 Cr	1.175 Cr	1.20 Cr	1.225 Cr	1.25 Cr
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.26 Cr	1.29 Cr	1.32 Cr	1.35 Cr	1.38 Cr	1.41 Cr	1.44 Cr	1.47 Cr	1.50 Cr
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.60 Cr	1.65 Cr	1.70 Cr	1.75 Cr	1.80 Cr	1.85 Cr	1.90 Cr	1.95 Cr	2 Cr

KEDIA®
1800-120-2323
info@kedia.com
www.kedia.com
78770-72737

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

सत्ग्रंथ इस लोक की चिंतामणि नहीं उनके अध्ययन से सारी कुचिंताएं मिट जाती है। संशय पिशाच भाग जाते हैं और मन में सद्भाव जागृत होकर परम शांति प्राप्त होती है। –अज्ञात

पेंशन के लिए पैसा नहीं, मुफ्त की रेवड़ियों के लिए खजाना खुला है - राजस्थान के विश्वविद्यालय पेंशनरों के साथ अन्याय कब तक?

बॉम्बे हाईकोर्ट ने 10 अप्रैल 2026 को महाराष्ट्र सरकार को फटकार लगाते हुए कहा– पेंशन के लिए कुर्सी–टेबल बेचो, 'लाड़की बहन' जैसी योजनाएं बंद करो। अदालत का यह आदेश केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं है। फंड की कमी का बहाना नहीं चलेगा। पेंशन के लिए कुर्सी–टेबल बेचें, 43000 करोड़ रु. की लाड़की बहन जैसी योजना बंद करें–बॉम्बे हाईकोर्ट, मुंबई ने स्पष्ट और सख्त शब्दों में कहा है कि फंड की कमी का बहाना बनाकर सरकार या नगर निगम प्रशासन पेंशन और बकाया लाभों का भुगतान टाल नहीं सकता। अदालत ने यहां तक कह दिया कि अगर पैसे नहीं हैं तो गैर–जरूरी योजनाएं बंद करें या दफ्तरों की संपत्ति बेचें, लेकिन कर्मचारियों को उनका हक जरूर दें।

यह टिप्पणी सातवें वेतन आयोग लागू होने से परेशान एक सेवानिवृत्त महिला कर्मचारी की याचिका पर सुनवाई के दौरान आई। मुंबई नगर निगम के शिक्षा विभाग में कार्यरत रही एक महिला कर्मचारी ने उच्च न्यायालय का दरवाजा तब खटखटाया, जब सेवानिवृत्ति के बाद भी उन्हें सातवें वेतन आयोग के अनुसार पेंशन और अन्य वैधानिक लाभ नहीं मिले। बार–बार आग्रह के बावजूद नगर निगम और सरकार की ओर से केवल फंड की कमी का हवाला दिया जा रहा था, जिससे उनका जीवनयापन कठिन हो गया।

सुनवाई के दौरान अदालत ने प्रशासन की दोहरी नीति पर तीखी टिप्पणी की। कोर्ट ने सवाल उठाया कि जब अतिरिक्त आयुक्तों को सातवें वेतन आयोग के अनुसार पूरा वेतन मिल सकता है, तब शिक्षकों और कर्मचारियों के मामले में अचानक फंड की कमी क्यों सामने आ जाती है। कोर्ट ने कहा कि जब आठवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू होने का समय आ चुका है, तब भी सातवां वेतन आयोग लंबित रखना गंभीर लापरवाही है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि यदि सरकार के पास सेवानिवृत्त शिक्षकों और कर्मचारियों की पेंशन देने के लिए धन नहीं है, तो उसे 'लाड़की बहन' जैसी योजनाएं बंद करने पर विचार करना चाहिए। कर्मचारियों का वेतन और पेंशन कोई अनुग्रह नहीं, बल्कि उनका कानूनी अधिकार है।

यह टिप्पणी राजस्थान सरकार और यहां के सभी विश्वविद्यालयों के लिए आईना है। यह खबर राजस्थान के विश्वविद्यालय पेंशनरों का दर्द बयान करती है। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के पेंशनर 12 दिन से धरने पर हैं। 42.6 डिग्री तापमान में न छाया, न पानी की व्यवस्था। नतीजा–चार बुजुर्ग बेहोश होकर गिर पड़े। ओआरएस और दवाइयों से प्राथमिक उपचार करना पड़ा। पेंशनर्स सोसाइटी के अध्यक्ष प्रो. रामनिवास शर्मा ने चेतावनी दी है कि यदि किसी पेंशनर को नुकसान हुआ तो जिम्मेदार विश्वविद्यालय प्रशासन और सरकार होगी।

सवाल यह है–नौबत यहां तक क्यों आई? विश्वविद्यालय की सालाना आय 76 करोड़ है, जबकि खर्च 121 करोड़। यानी हर साल 45 करोड़ का घाटा। 1,475 पेंशनरों को सालाना 105 करोड़, यानी हर महीने 8.75 करोड़ रुपये पेंशन देनी पड़ रही है। पिछले 8 वर्षों में 16 बार आंदोलन हो चुके हैं, पिछले वर्ष जुलाई में 92 दिन लगातार आंदोलन हुआ। फिर भी हर दूसरे महीने धरना देना पड़ रहा है।

अच्छी बात है कि गरीबों को राहत मिले, लेकिन क्या यह राहत उन लोगों का हक मारकर दी जा रही है जिन्होंने जीवन भर सेवा की? कृषि विश्वविद्यालयों में स्थिति और भी गंभीर है। स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर में 22 महीनों की पेंशन बकाया है। महंगाई भत्ता 58 प्रतिशत के स्थान पर केवल 12 प्रतिशत दिया जा रहा है, वह भी अदालत के हस्तक्षेप के बाद। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को समय पर पेंशन नहीं मिल रही, सातवें वेतन आयोग का एरियर लंबित है, 70 और 75 वर्ष की आयु पर अतिरिक्त पेंशन नहीं मिल रही, कम्यूटेड पेंशन पर रोक है।

राजस्थान में आज स्थिति यह है कि लोक–लुभावन योजनाओं के लिए खजाना हमेशा खुला रहता है, लेकिन जिन शिक्षकों ने 35–40 साल तक राष्ट्र निर्माण किया, उनकी पेंशन के लिए फंड की कमी का रोना रोया जाता है। राज्य में अनेक योजनाएं चल रही हैं–लाडो प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, मुख्यमंत्री राजश्री योजना, युवा स्वरोजगार योजना, इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना, महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना, मुफ्त अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना, मुफ्त बिजली योजना–इन पर हर साल 40–50 हजार करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। लेकिन विश्वविद्यालय पेंशनरों के लिए 550 करोड़ रुपये नहीं हैं।

अच्छी बात है कि गरीबों को राहत मिले, लेकिन क्या यह राहत उन लोगों का हक मारकर दी जा रही है जिन्होंने जीवन भर सेवा की? कृषि विश्वविद्यालयों में स्थिति और भी गंभीर है। स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर में 22 महीनों की पेंशन बकाया है। महंगाई भत्ता 58 प्रतिशत के स्थान पर केवल 12 प्रतिशत दिया जा रहा है, वह भी अदालत के हस्तक्षेप के बाद। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को समय पर पेंशन नहीं मिल रही, सातवें वेतन आयोग का एरियर लंबित है, 70 और 75 वर्ष की आयु पर अतिरिक्त पेंशन नहीं मिल रही, कम्यूटेड पेंशन पर रोक है।

विडंबना यह है कि वर्तमान कर्मचारियों को 60 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिल रहा है, जबकि सेवानिवृत्त प्राध्यापकों को 12–42 प्रतिशत तक सीमित कर दिया गया है। यह केवल वित्तीय संकट नहीं, बल्कि प्रशासनिक संवेदनहीनता का प्रमाण है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यह पैसा आता कहां से है? यह पैसा ईमानदार टैक्सपेयर की जेब से आता है–वह मध्यम वर्ग जो सुबह 9 से शाम 6 तक मेहनत करता है, इनकम टैक्स देता है, जीएसटी देता है। जब सरकार उसी पैसे से मुफ्त बिजली, मुफ्त राशन, नकद सहायता बांटती है, तो विकास के कार्यों में कटौती होती है। सड़कें टूटती हैं, स्कूलों में शिक्षक नहीं, अस्पतालों में डॉक्टर नहीं, नहरों में पानी नहीं–क्योंकि पैसा रेवड़ियां बांटने में खर्च हो रहा है।

क्या यह टैक्सपेयर के साथ धोखा नहीं है? उसने टैक्स इसलिए दिया था कि देश का इंफ्रास्ट्रक्चर बने, शिक्षा और स्वास्थ्य सुधरे–न कि वोट बैंक बनाने के लिए पैसा बांटा जाए। मुफ्तखोरी समाज को आलसी बना रही है। युवा वर्ग में यह मानसिकता बन रही है कि सरकार देगी तो काम क्यों करें? यह राष्ट्र की उत्पादकता पर सीधा प्रहार है। स्वाभिमान से काम करके खाने की संस्कृति खत्म हो रही है और सरकार पर निर्भरता बढ़ रही है।

समाधान भी स्पष्ट है। सबसे पहले, पेंशन और वेतन को प्राथमिकता दी जाए–यह कोई दया नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकार है। दूसरे, फिजूलखर्ची पर रोक लगे–यदि पेंशन के लिए पैसा नहीं है तो गैर–जरूरी योजनाएं बंद हों। तीसरे, जवाबदेही तय हो–विश्वविद्यालयों के कुलपति और प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया जाए। उनके खर्चों में कटौती कर पेंशन दी जा सकती है।

अब सरकार को तय करना है–लोकप्रियता या न्याय? वोट बैंक या राष्ट्र निर्माण? मुफ्तखोरी या स्वाभिमान? बॉम्बे हाईकोर्ट ने रास्ता दिखा दिया है। अब राजस्थान सरकार और विश्वविद्यालयों को निर्णय लेना है कि वे कुर्सी–टेबल बेचेंगे या पेंशनरों के आंसू पोंछेंगे। क्योंकि जिस देश में गुरु भूख के कगार पर हो और मुफ्त की रेवड़ियां बांटी जाएं, उस देश का भविष्य अंधकारमय होता है।

अंततः यह केवल आर्थिक या प्रशासनिक मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, नैतिकता और संवैधानिक मूल्यों का प्रश्न है। जिस समाज में अपने शिक्षकों और वरिष्ठ नागरिकों को अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़े, वहां विकास अधूरा रह जाता है। समय आ गया है कि सरकार यह तय करे–क्या वह रेवड़ी संस्कृति को बढ़ावा देगी या उन लोगों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा करेगी, जिन्होंने जीवन भर राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया है।

–अतिथि सम्पादक,
प्रो. पी. सी. कंठालिया,
पूर्व विभागाध्यक्ष एवं मुख्य मृदा वैज्ञानिक,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौ. विश्वविद्यालय, उदयपुर

लोकसभा, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या बढ़ाना और को परिसीमन - राज्यों के शक्ति संतुलन को बचाकर न्यायसंगत प्रतिनिधित्व कैसे हो

महावीर सिंह

16,17 अप्रैल 26 को लोकसभा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर बहस हुई। अवसर था नारी शक्ति को लोकसभा, विधान सभाओं में प्रतिनिधित्व देना। वैसे तो महिलाओं के लिए ऐसा संविधान संशोधन पहले किया जा चुका था किंतु राम, जाने उसे तत्काल लागू क्यों नहीं किया गया था? क्या उसी संशोधन के अनुसार महिलाओं के लिए सीटों का आरक्षण नहीं किया जा सकता था?? लेखक के अनुसार किया जा सकता था, कोई बाधा नहीं थी। इसे अनावश्यक रूप से जनगणना और डिलिमिटेशन से जोड़ा गया।

ऐसा क्यों किया गया? इस पर संसद में व्यापक चर्चा हो चुकी है। उसे दोहराने का कोई अर्थ नहीं होगा। सत्ता पक्ष महिलाओं का बड़े पैमाने पर समर्थन चाहता है और इस की आड़ में कानून बनाने वाली सर्वोच्च संस्थाओं के निर्वाचन क्षेत्रों को मनमर्जी से पुनर्गठित करना चाहता था, ऐसा लगभग सम्पूर्ण विपक्ष का कहना था। निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्गठन में, यदि आयोग निष्पक्षता से काम नहीं करे तो सत्ता पक्ष की इच्छाओं के अनुसार पटवार मंडलों, गिरदावर हलकों को इस ढंग से निर्वाचन क्षेत्र में जोड़ और हटा सकता है जो एक बार तो सत्तापक्ष का पलड़ा भारी कर ही सकता है।

परिसीमन यानी लोकसभा और विधानसभा सीटों का फिर से बंटवारा 2026 के बाद का सबसे बड़ा संवैधानिक मुद्दा होगा। अभी 1971 की जनगणना के आधार पर सीटें फ्रीज हैं। तब से दक्षिण–पश्चिम के राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण में कामयाबी पाई, जबकि उत्तर–मध्य के राज्यों की आबादी तेजी से बढ़ी। सिर्फ जनसंख्या को आधार बनाएंगे तो संसद में शक्ति संतुलन बिगड़ेगा। इसका हल क्या हो?

लोक सभा में 16–17 अप्रैल 2026 को 131वें संविधान संशोधन बिल और संबंधित Delimitation Bill पर बहस हुई। सरकार ने प्रस्ताव दिया कि लोकसभा की कुल सदस्य संख्या 543 से बढ़ाकर 850 कर दी जाए।सरकार का मानना था कि इस से महिला आरक्षण (33 %) को बिना किसी श्रेणी की कोई मौजूदा सीट घटाए लागू किया जा सकता है। वर्तमान 543 में ही सीधे 33 % आरक्षण लागू करें तो पुरुषों के लिए सीटें कम हो जाएंगी। इसलिए कुल सीटों को लगभग 50 ℨ बढ़ाकर (543+ 50% करीब 815–850) करने की बात बिल में रखी थी। अधिकतम 850 ऊपरी सीमा बताई गई थी। सीटों का पुनर्निर्धारण 2011 णहेले के आधार पर होना प्रस्तावित था।

आगे बढ़ें, इस से पहले कुछ दूसरे देशों में जनता से सीधे चुन कर आने वाले सदस्यों की सदनों में संख्याओं पर नजर डालना ठीक रहेगा :–फ्रांस में 577 सदस्य, जर्मनी में 630 सदस्य, रूस में450 सदस्य, चीन में 2,878 सदस्य इन सदनों में होते है। तुलना करते वक्त भारत और इन देशों की जनसंख्या को ध्यान में रखना चाहिएं।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 81 के तहत लोकसभा की सदस्य संख्या तय की गई है। प्रथम लोकसभा के लिए, 1950 की अनुमानित जनसंख्या के आधार पर औसतन एक सीट प्रति 7,20,000 जनसंख्या का आधार लिया गया था। पूरे देश के लिए कुल 401 निर्वाचन क्षेत्र बने और इस आधार पर पहला सार्वभौम वयस्क मताधिकार वाला चुनाव हुआ। 1951 जनगणना के आधार पर हुए परिसीमन आयोग की रिपोर्ट के आधार पर सीटें बढ़कर 494 हो गईं। 1963 में परिसीमन आयोग ने 1961 जनगणना के आधार पर और 1956 में राज्यों के पुनर्गठन सीटें बढ़कर 522 हुईं ।1971 जनगणना के बाद सीटें बढ़कर 543 हुई और यही संख्या है।

1976 के 42वें संशोधन ने 1971 जनगणना के आधार पर सीटों का राज्य–वार आवंटन फ्रीज कर दिया इसे 2001 में 84वें संशोधन द्वारा 2026 तक बढ़ाया गया। 2002 Delimitation ने सीटों की कुल संख्या नहीं बदली, सिर्फ सीमाएं समायोजित कीं।

यह भी याद रखना होगा कि भारतीय संविधान में दूसरे संशोधन, 1952 की के द्वारा "not less than one member for every 750,000 of the population and" हटा दिया गए और इस प्रकार 7,50,000 की अधिकतम सीमा पूरी तरह हटा दी गई। केवल 5,00,000 की कम से कम जनसंख्या सीमा बनी रही जिसे भी बाद के संशोधनों में हटा दिया।

वर्तमान में कुछ प्रांतों की सीटों की स्थिति पर विचार करें। लोकसभा में 543 में से उत्तर प्रदेश के 80, बिहार 40, महाराष्ट्र 48 सीट, तमिलनाडु 39, केरल 20 सीट और राज्यसभा में उत्तर प्रदेश के 31, महाराष्ट्र 19, तमिलनाडु 18, केरल 9 सदस्य है। आशंका है कि 2026 के बाद अगर केवल जनसंख्या आधार माना तो ळइ–बिहार की लोकसभा सीटें 200 पार कर सकती हैं। तमिलनाडु–केरल की सीटें आनुपातिक रूप से घटेंगी। इससे जिन राज्यों ने परिवार नियोजन लागू किया, उन्हें 'सजा' मिलेगी और राज्यों और केंद्र के तथा आपस में राज्यों के बीच अविश्वास बढ़ेगा।देश के संविधान में उल्लेखित संघवाद की भावना क्षीण होगी।

संविधान क्या कहता है

अनुच्छेद 81: लोकसभा में राज्यों का प्रतिनिधित्व जनसंख्या के अनुपात में होगा।

अनुच्छेद 82: हर जनगणना के बाद परिसीमन होना है, पर 42वां और 84वां संशोधन कर 2026 तक इसे टाल दिया गया। अनुच्छेद 80: राज्यसभा राज्यों का सदन है, पर सदस्य संख्या जनसंख्या पर आधारित है।संविधान 'जनसंख्या' और 'संघीय संतुलन' दोनों की बात करता है। इसलिए इस गंभीर प्रश्न पर अत्यंत गंभीरता पूर्व मनन किया जाकर देश हित में निर्णय आवश्यक है। जनसंख्या के अनुसार प्रतिनिधित्व के सिद्धांत को मान्यता भी मिले और राज्यों के बीच संघीय संतुलन भी कायम रहे। किसी राज्य को यह नहीं लगना चाहिए कि उसे प्रगतिशील नीतियों के सफल क्रियान्वयन करने की सजा मिल रही है। इसके साथ ही संघीय आय व राजस्व में पिछड़े, विशेष समस्याओं वाले राज्यों का उचित ख्याल रखा जाए।

इस संबंध में कई प्रस्ताव विभिन्न राजनीतिक दलों व नेताओं, स्वतंत्र विचारकों, संविधान के ज्ञाताओं के विचार संसद में, समाचार पत्रों में, टीवी चैनल्स पर सामने आए है।

एक प्रस्ताव है ––––राज्यसभा में हर राज्य से 5,7 सांसद हों अर्थात राज्य सभा में प्रतिनिधित्व जनसंख्या के अनुसार न हो। राज्य सभा 'राज्यों का सदन' है। उदाहरणार्थ अमेरिका की सीनेट में हर राज्य से 2 सदस्य होते हैं, चाहे कैलिफोर्निया हो या अलास्का। इससे छोटे राज्यों को संघ में बराबरी मिलती है।

क्या भारत में इस पर, किसी अन्य प्रकार से विचार किया जा सकता है? एक आधार हो सकता है, 250 सीटों में से हर राज्य/ को 1 या 2 या 3 सीट कुल 36/72/108 सीट मिलें। वर्तमान संख्या 350 में से बाकी 214 /178/142 सीटें क्षेत्रफल 25%, राजस्व योगदान 25%, मानव विकास सूचकांक 25%, अनुसूचित क्षेत्र/सीमावर्ती 25% के आधार पर बांटी जा सकती है। किसी राज्य विशेष के लिए अधिकतम सीमा 5 सदस्य प्रति राज्य रखी जा सकती । इस से सिक्किम, गोवा, नॉर्थ–ईस्ट की आवाज मजबूत होगी। तमिलनाडु, महाराष्ट्र को भी जनसंख्या घटने की 'सजा' नहीं मिलेगी। हां, यह अवश्य है कि UP, बिहार जैसे राज्यों को लगेगा कि उनके प्रदेश का प्रतिनिधित्व घटा।

एक अन्य विकल्प यह हो सकता है कि संविधान संशोधन कर राज्यसभा को योजनाओं पर पूर्ण बहस व संशोधनों का अधिकार दिया जाए। वर्तमान संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार वित्त विधेयक लोकसभा में ही पास होता है। राज्यसभा सिर्फ सुझाव दे सकती है।

संविधान का अनुच्छेद 110 बदले बिना भी राज्य सभा में संसदीय समिति बनाकर की सभी 500 करोड़ से ऊपर की योजनाएं पहले राज्यसभा में विस्तृत बहस के लिए भेजी जा सकती है। इस से जिन योजनाओ का असर राज्यों पर पड़ता है, उन पर राज्यों के सदन को पूर्व–समीक्षा का अधिकार मिले। इससे संघीय भावना बढ़ेगी। संसाधन बंटवारे में वित्त आयोग की सिफारिश पर राज्यसभा में बहस व समर्थन अनिवार्य हो।

लोकसभा सीटों का राज्यों में वितरण के लिए भी

सिर्फ जनसंख्या से हटकर 'बहु–सूचकांक फॉर्मूला' अपनाया जा सकता।यदि केवल जनसंख्या को आधार मानें तो 10,15,20 लाख को जनसंख्या पर एक लोक सभा सीट निर्धारित हो तो संख्या इस प्रकार हो सकती है:–1420, 940, 720 ।

एक प्रस्ताव के अनुसार, 2026 की जनसंख्या के आधार पर संविधान में उल्लेखित कुल 543 की सदस्य संख्या का 50% अथवा अन्य कोई प्रतिशत जो संसद तय करे, उसके अनुसार, एक व्यक्ति एक वोट के अनुसार रखी जा सकती है। लोकसभा में 10% प्रतिनिधित्व क्षेत्रफल के आधार पर विभाजित किया जा सकता है जिस से राजस्थान जैसे बड़े पर कम घनत्व वाले राज्यों का महत्व मिलेगा।

अन्य बिंदु जिन का लोकसभा सीटों के पुनर्वितरण पर ध्यान रखा जा सकता है, वे यह हो सकते हैं :– राजस्व एकत्रीकरण:: –––महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु जो जीएसटी–आयकर में 15ℨ ज्यादा देते हैं, उन्हें महत्व मिलेगा। विकास व्यय गती::–– पिछले 10 साल में पूंजीगत व्यय के आधार पर अर्थात राज्य में पैसा जमीन पर लगाया उसके आधार पर। मानव विकास सूचकांक अर्थात HDI + पिछड़ापना भी पैमाने में हो । केरल का प् ऊंचा है तो उसे इनाम मिलना चाहिए। बिहार, झारखंड का कम है तो उनको 'हैंड–होल्डिंग' के लिए सीट बढ़ा कर दी जा सकती है। किस बिंदु को कितना भार देना है, यह संसद तय करे।

सीट कैसे तय हो:–––– एक उदाहरण के जरिए हम यों समझे सकते है::–कुल 543 सीट स्थिर रखें। हर राज्य का स्कोर् 0.5x जनसंख्या अंश + 0.1x क्षेत्रफल अंश +0.15 HDI के इंडेक्स के अनुसार +0.15 पिछड़ापन इंडेक्स के अनुसार...अथवा संसद द्वारा तय अन्य किसी अनुपात /वेटेज(महत्व, भार) में इन बिंदुओं को ध्यान में रख कर बनाया जाए और संसद से स्वीकृत हो। इस स्कोर पर सीट बांटी जा सकती है।

संतुलन के लिए 3 संवैधानिक सुरक्षा–कवच रखे जा सकते है। किसी भी राज्य की 1971 की सीटो से 10/20% से ज्यादा न घटे। इससे दक्षिण को भरोसा मिलेगा। राज्यों के अधिकार क्षेत्र की सूची वाले विधेयक राज्यसभा में 2/3 बहुमत से ही पास हों अर्थात कुछ मामलों में राज्यसभा को एक प्रकार का वीटों मिले।

दक्षिण–नॉर्थ–ईस्ट समूह का गठन किया जाए। लोकसभा–राज्यसभा में 10 से कम सीट वाले राज्यों का एक वैधानिक 'संसदीय समूह' बने और उसे लोकसभा में एक स्वतंत्र ग्रुप की हैसियत मिले । उसे प्रश्नकाल और अन्य महत्वपूर्ण सवालों पर होने वाली बहसों में उस समूह को समूह की सदस्यों की संख्या के अनुसार अतिरिक्त समय मिले। इसके लिए दक्षिण–नॉर्थ–ईस्ट ग्रुप को विशेष प्रकार की संसदीय अनुमति मिले।

आगे का रास्ता

1. परिसीमन आयोग 2026: इसमें सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज, लोक सभा और राज्य सभा में पक्ष व प्रति पक्ष अथवा सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता द्वारा नामित एक एक सदस्य, केंद्रीय चुनाव आयोग के एक आयुक्त, नीति आयोग से एक सदस्य, राज्य के मुख्य सचिव आदि इसके सदस्य हों।

2. राष्ट्रीय बहस: 'जनसंख्या बनाम योगदान' पर सभी विधानसभाओं में प्रस्ताव पास कराएं।

3. संविधान संशोधन:अनुच्छेद 81,82,80 में 'बहु–सूचकांक' शब्द जोड़ें। इसके लिए 2/3 बहुमत ऱ आधे राज्यों की सहमति चाहिए।

निष्कर्ष यह माना जा सकता है कि निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या बढ़ाना और परिसीमन को अनिश्चित काल तक टाला नहीं जा सकता, पर 'सिर्फ हेड–काउंट' भारत जैसे संघीय देश में खतरनाक होगा। लोकसभा में 50ℨ भार जनसंख्या को देकर बाकी 50अ भार क्षेत्रफल, राजस्व, प्, पिछड़ेपन को दें। राज्यसभा को '1–5 फॉर्मूला' पर लाकर असली 'काउंसिल ऑफ स्टेट्स' बनाएं और उसे योजनाओ पर बहस, संशोधनों का अधिकार दें।

इससे UP-बिहार को बढ़ा प्रतिनिधित्व भी मिलेगा और तमिलनाडु–केरल को लगेगा कि उनके परिवार नियोजन की मेहनत बेकार नहीं गई। शक्ति संतुलन बचेगा, और संघीय ढांचा मजबूत होगा।

कुछ विद्वानों का यह भी सुझाव है कि संसद को जनहित के मुद्दों पर बहस ध्यानाकर्षण, स्वतंत्र विधेयक प्रस्तुतीकरण आदि के लिए ओर अधिक उपयोगी बनाया जा सकता है। इसके लिए संसद की न्यूनतम अनिवार्य बैठको के दिन, संख्या संविधान संशोधन कर लाज़मी की जाएं। ब्रिटेन की संसद व्यवहारिक रूप से हर साल 100 से 150 दिन बैठकें करती है। फ्रांस में जनता का चुना हुआ सदन कमसे कम 120 दिन बैठकें करता है। जर्मनी का जनता से चुना सदन छुट्टियों को छोड़कर सदैव बैठता है। चीन की नेशनल पीपुल कांग्रेस साल में 1 बार 10 से 14 दिन बैठक करती है। रूस में दो सत्र होते है, ज़नवरी से जुलाई और सितम्बर से दिसंबर की अवधि में।

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए भारत की संसद की बैठकों पर विचार करें तो देखते है कि 2019 ए 2024 के बीच 17 वीं लोकसभा 5 साल में 274 दिन बैठी अर्थात 52 दिन सालाना औसत। 1952 से 1970 की अवधि में औसतन 120 से 140 दिन सालाना बैठकें हुई और यह लोकसभा बैठकों का सर्वोत्तम औसत स्कोर है।

543 की सदस्य संख्या पर ही सांसदों को अपनी बात रखने का बहुत कम समय मिलता है तो यदि विशुद्ध जनसंख्या के आधार पर निर्वाचन क्षेत्र बनाकर सदस्य संख्या बढ़ाने जाएंगे तो लोकसभा व विधानसभाओं में सारे जनप्रतिनिधियों का क्या योग दान होगा, जब उन्हें पर्याप्त समय ही नहीं मिलेगा??? इस पर भी ध्यान देना जरूरी है। संसद में ज्यादा अच्छे सुझाव, प्रस्ताव, विधेयक आएं, अच्छी गुणवत्ता वाली बहस हो तो यह लाज़मी होगा कि सालाना बैठकों की संख्या बढ़े, शून्य काल का समय बढ़े, प्राइवेट मेंबर्स बिल पेश करने के लिए दिन तय हो।

पार्टीयों को समय देने के बजाए समय सदस्यों को आवंटित किया जाए।पार्टियां तो व्हिप जारी करती है और कुछ चुने हुए सांसदों को ही बोलने का मौका देती है। व्हिप के कारण अधिकांश सांसदों के स्वतंत्र विचार, सुझावों से देश और सदन महरूम रह जाता है।

एक अन्य सुझाव कई लोग देते है कि विधेयकों पर बहस के समय, बजट बहस के समय, सरकार द्वारा प्रस्तुत किसी भी प्रस्ताव पर सदस्य अपने भाषण के दो भाग करें। सदन में मौखिक रूप से, वे अपने निर्धारित समय में केवल अपने भाषण, सुझावों के मुख्य बिंदु बोले तथा उनके संबंध में विस्तृत उदाहरण, फैक्ट्स आदि लिखित भाषण में संसद के पटल पर प्रस्तुत करदे जो सदन कार्यवाही विवरण में उनके भाषण का अंश हो जाए।इस से ज्यादा सांसदों को ज्यादा समय अच्छे सुझाव, अपने क्षेत्र की आवश्यकताओं को सदन में रखने का अवसर मिलेगा। एक चौंकाने वाला आंकड़ा देखिए, 17 वीं लोकसभा में लगभग 50 बहस का समय केवल 15% सांसदों ने लिया, करीब 20% संसद 5 साल में एक बार भी नहीं बोले। ओर भी चौंकाने वाला आंकड़ा देख लें, 16 वीं, 17 वीं लोकसभा में क्रमशः 16, 22 समय हंगामों में गया। कई लोगों का यह भी विचार है कि चुने हुए जन प्रतिनिधि अपने निर्वाचकों से ज्यादा से ज्यादा संपर्क में रह सकें इसके लिए उन्हें साल में 1,2 बार 10,20 मिनट के लिए टीवी पर जनता से मुखातिब होने का समय दिया जा सकता है जिसका भुगतान सरकारें करें। इसको अधिक से अधिक सुनाने दिखाने की सुविधा के लिए सार्वजनिक स्थलों पर स्क्रीन्स के जरिए की जा सकती है। इस से कुछ हद तक इस आपत्ति का हल हो सकता है कि 15,20 लाख की जनसंख्या के लगातार संपर्क में रहना किसी भी जनप्रतिनिधि के लिए बहुत मुश्किल कार्य है और इसलिए निर्वाचन क्षेत्र बढ़ाए जाने चाहिए।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

डूंगरपुर जिले के बोखला पाल स्थित विद्यालय में शिक्षकों की कमी, छात्र परेशान

करीब 600 से ज्यादा विद्यार्थियों वाले इस स्कूल में वर्तमान में 16 शिक्षक कार्यरत हैं

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के बोखला पाल स्थित चंदूलाल गुप्ता राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिक्षकों की भारी कमी सामने आई है। यहां पिछले डेढ़ साल से 33 स्वीकृत पदों में से 17 पद खाली पड़े हैं। इस गंभीर स्थिति के कारण छोटी कक्षाओं के छात्रों को पढ़ाने के लिए अब बड़ी कक्षाओं के विद्यार्थियों को गुरुजी की भूमिका निभानी पड़ रही है।

करीब 600 से ज्यादा विद्यार्थियों वाले इस स्कूल में वर्तमान में 16 शिक्षक कार्यरत हैं। शिक्षकों की कमी के चलते विद्यालय में विषयवार पढ़ाई पूरी तरह से प्रभावित हो रही है, जिससे छात्रों का भविष्य अधर में है। विद्यालय में हिंदी विषय के 3 पद, राजनीतिक विज्ञान के 2 पद, जबकि भौतिकी, अंग्रेजी, गणित, सामाजिक विज्ञान और संस्कृत के 1–1 पद लंबे समय से रिक्त हैं। इन महत्वपूर्ण विषयों के शिक्षकों की अनुपस्थिति से छात्रों की शिक्षा पर सीधा असर पड़ रहा है। शिक्षकों के अलावा विद्यालय में लाइब्रेरियकन, उप प्रधानाचार्य, अतिरिक्त एवं सहायक प्रशासनिक अधिकारी, जमादार और चतुर्थ श्रेणी कर्मियों के पद भी खाली पड़े हैं। स्टाफ की कमी से11 वीं और 12 वीं कक्षा के छात्र–छात्राएं छोटी कक्षाओं में अध्यापन कार्य करा रहे हैं।

राशिफल

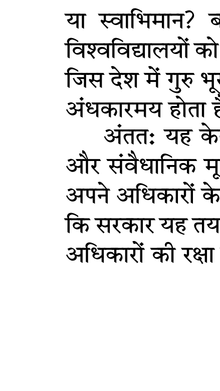

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 9 मई, 2026

प्रथम ज्येष्ठ मास (शुद्ध), कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2083, श्रवण नक्षत्र रात्रि 11:25 तक, शुक्ल योग रात्रि 2:36 तक, बव करण दिन 2:03 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मेष, चन्द्रमा–मकर, मंगल–मीन, बुध–मेष, गुरू–मिथुन, शुक्र–वृष, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज सवार्थ सिद्धि योग रात्रि 11:23 तक है। आज कालाष्टमी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:26 से 9:05 तक, चर 12:23 से 2:02 तक, लाभ–अमृत 2:02 से 5:20 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:47, सूर्यास्त 7:00

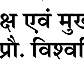

मेष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेंगी और व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

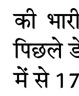

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

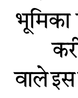

मिथुन
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों में व्यवधान हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

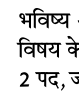

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

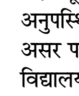

सिंह
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

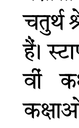

कन्या
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

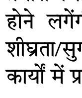

तुला
घर–परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

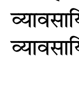

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

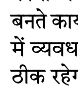

धनु
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

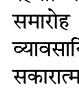

मकर
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में महत्वपूर्ण परामर्श मिल सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

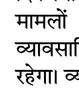

कुंभ
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

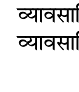

मीन
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 275 प्रभात जयपुर, शनिवार 9 मई, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The Mystery of the Frozen Wolf Pup...

The permafrost preserves ancient DNA particularly well, and scientists have recovered DNA molecules dating back 2 million years from the planet's northernmost reaches

"No pleasure without sorrow"

Art, Community, and a Sense of Gratitude

अजीबो-गरीब तर्क दिए जा रहे हैं, वेणुगोपाल को मु.मंत्री बनाने के लिए

एक तर्क है कि आगामी यूपी चुनाव व 2029 के आम चुनाव की दृष्टि से पार्टी को हिन्दी भाषी संगठन महासचिव चाहिए, अतः वेणुगोपाल को संगठन महासचिव से हटाकर मु.मंत्री बनाकर, केरल भेज देना चाहिए

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। केरल में भारी मतों से जीत के बाद कांग्रेस पार्टी मुख्यमंत्री का चयन करने को लेकर भारी उलझन में है। हर नजरिए से के.सी. वेणुगोपाल इस रेस में आगे हैं, क्योंकि उन्होंने टिकटों का वितरण किया है और इस कारण कई विधायकों की कथित वफादारी उनके पक्ष में है।

लेकिन ज़मीन पर हकीकत कुछ और ही है।

केरल भर में कांग्रेस के लोग और यहां तक कि कांग्रेस के समर्थक और मतदाता के.सी. वेणुगोपाल के खिलाफ जुलूस निकाल रहे है और प्रदर्शन कर रहे हैं और उनके पोस्टर और पुतले जला रहे हैं, उन्हें मुख्यमंत्री बनाने के खिलाफ खुला विरोध जता रहे हैं।

- अब, पुराना तर्क है कि विधायकों का बहुमत वेणुगोपाल के पक्ष में है, नहीं दोहराया जा रहा, क्योंकि सभी जानते हैं कि वेणुगोपाल ने केरल में टिकट बाँटे हैं। अतः विधायकों की सतही वफादारी वेणुगोपाल के पक्ष में तो होगी ही।
- विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन की टिकट वितरण में कोई भूमिका नहीं थी। अतः सतही तौर पर, सतीशन के पक्ष में बोलने वाले बहुत कम विधायक हैं। पर, सतीशन के सीपीएम सरकार के खिलाफ विधानसभा में पाँच साल तक चलाए गए संघर्षपूर्ण अभियान के लिए विधायकों में बहुत आदर है। अतः अगर सतीशन को मु.मंत्री नहीं बनाया गया तो कांग्रेस विधायक दल बिखर सकता है।
- क्या इस बिखराव का जोखिम उठाकर भी कांग्रेस वेणुगोपाल पर दांव लगाएगी?
- सतीशन, रमेश चैन्निथाला, वेणुगोपाल आदि को रविवार को दिल्ली बुलाया गया है तथा पार्टी के समक्ष दुविधा पर मंथन कर, समाधान निकालने की एक बार फिर चेष्टा होगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री ने छात्राओं की माँग तुरंत पूरी की

जयपुर/सीकर, 8 मई। 'बेटी पढ़े, बेटी बढ़े' की भावना को साकार करते हुए, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील कार्यशैली का एक अनूठा उदाहरण सामने आया है। जिला सीकर के ब्लॉक खंडेला स्थित जाजोद गांव की बालिकाओं ने रात्रि चौपाल में मुख्यमंत्री से जो मांग रखी, वह आज सुबह होते-होते पूरी हो चुकी थी। गुरुवार को रात्रि चौपाल के दौरान जाजोद गांव की कई छात्राएं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मिलीं और अपनी पीड़ा साझा की। उन्होंने बताया कि उनके राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जाजोद में विज्ञान

- रात्रि चौपाल में छात्राओं ने विज्ञान संकाय की माँग की, मुख्यमंत्री ने सुबह संकाय खोलने की घोषणा कर दी।

संकाय की सुविधा नहीं है, जिसके कारण उन्हें या तो मजबूरी में अन्य विषयों से पढ़ाई करनी पड़ती है या फिर विज्ञान पढ़ने के लिए घर से काफी दूर जाना पड़ता है। बालिकाओं की बात सुनकर मुख्यमंत्री ने तत्काल उन्हें आश्वासन दिया कि उनके स्कूल में विज्ञान संकाय अवश्य खोला जाएगा। रात को ही उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को इस संबंध में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दे दिए।

शुक्रवार सुबह जब बालिकाएं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हमारे 300 से अधिक कार्यकर्ता को पीछा करके मारा गया था'

"उस समय शुभेन्दु अधिकारी ने पार्टी को बाँधे रखा था और तुरंत भाग कर वहाँ पहुँचते थे, जहाँ जब भी पार्टी संकट में होती थी"

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। सभी अनिश्चितताओं को दरकिनार करते हुए शुभेन्दु अधिकारी को नव निर्वाचित भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में घोषित किया गया।

इसी बीच, कोलकाता में एक क्रांति चल रही है। न्यू टाउन क्षेत्र में कन्वेंशन सैंटर से दूर, नए मुख्यमंत्री की घोषणा की गई, कोलकाता की ऐतिहासिक राइटर्स बिल्डिंग, जो कभी भारत में ब्रिटिश साम्राज्य का इंपीरियल सेक्रेटेरियट हुआ करती थी, आज अपने मूल लाल रंग के ऊपर चमक रही केसरिया रोशनी में सजी हुई है।

वर्षों की उपेक्षा और खस्ता हालत के बाद, जब राइटर्स बिल्डिंग वीरान हो गई थी और राज्य का प्रशासनिक मुख्यालय यहाँ से शिफ्ट हो गया था, डलहौजी स्क्वायर आज रात एक रहस्यमय आभा बिख़ेर रहा है, जिसका प्रतिबिंब "लाल दीघी" (मानव निर्मित विशाल तालाब) में नज़र आ रहा है।

- इस माहौल में शुभेन्दु के अलावा किसी और को मु.मंत्री पद का उम्मीदवार बनाना, पार्टी में भारी निराशा व विरोध पैदा करता।
- इस अवसर पर बड़े सोच समझकर, कई पुरानी परम्पराएं पुनः जीवित की गई। शुभेन्दु अधिकारी के मु.मंत्री बनने की घोषणा ऐतिहासिक राइटर्स बिल्डिंग से की, जो कभी ब्रिटिश शासन में ब्रिटेन के साम्राज्य का शाही सचिवालय था। बीच में शासन न्यू टाउन एरिया के कन्वेंशन सैंटर से चलाया जाने लगा था, तथा राइटर्स बिल्डिंग वीरान सी पड़ी रहती थी।
- आज इस अवसर पर, पुराने स्मरणीय स्थल, जैसे, डलहौजी स्क्वायर, पश्चिम बंगाल के विधानसभा भवन को भगवा रोशनी कर जगमगाया गया था, जो कल तक लाल रंग में डूबा रहता था।

मानो राइटर्स बिल्डिंग से प्रतिस्पर्धा करते हुए, पश्चिम बंगाल विधानसभा भवन, जो कभी इंपीरियल लेजिस्लेचर हुआ करता था, भी केसरिया रंग में नहा रहा है।

और नई सरकार द्वारा सत्ता संभालने से पहले ही, राज्य-स्वामित्व वाले आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज में हुई महिला डॉक्टर की मौत की जाँच के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

टीवीके के सभी 107 विधायकों ने इस्तीफा देने की धमकी दी थी

क्योंकि डीएमके और अन्नाद्रमुक के गठबंधन कर सरकार बनाने की कोशिश करने की संभावना उभरी थी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। विजय की तमिलगा वेत्री कज़गम (टीवीके) ने चेतावनी दी है कि अगर दो द्रविड़ीय पार्टियों में से कोई भी, एम.के. स्टालिन की द्रमुक (टीएमके) या ई. पलानीस्वामी की अन्नाद्रमुक तमिलनाडु में सरकार बनाने का दावा पेश करने की कोशिश करता है, तो पार्टी के सभी विधायक इस्तीफा दे देंगे।

यह निर्णय द्रमुक और अन्नाद्रमुक शिविरों में हुई दो महत्वपूर्ण बैठकों के तुरंत बाद आया। टीवीके को संदेह है कि दोनों पार्टियाँ राज्य में सरकार बनाने के लिए मिलकर काम कर रही हैं, जिससे वह पार्टी बाहर हो जाए, जिसने जनमत में सबसे अधिक वोट पाए।

टीवीके, जिसने 107 सीटें जीतीं, का कहना है कि अकेली सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते, राज्यपाल को उन्हें सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करना चाहिए।

- दोनों द्रविड़ दलों के साथ आने की संभावना इसलिए उभरी थी, क्योंकि डीएमके के युवा नेताओ को भय है कि अगर विजय मुख्यमंत्री बन गए तो वे दूसरे एमजी रामचंद्रन (एमजीआर) साबित होंगे, जिन्होंने एक बार मुख्यमंत्री बनने के बाद अपने जीते जी डीएमके को सत्ता के पास भी नहीं फटकने दिया।

लेकिन आज सुबह, राज्यपाल आर.वी. अरलेकर ने विजय को सरकार बनाने का दावा पेश करने की अनुमति नहीं दी, यह कहते हुए कि उनके पास आवश्यक संख्या नहीं है। उन्होंने वह योजना भी स्वीकार नहीं की, जो विजय ने बहुमत का आंकड़ा पाने के लिए प्रस्तुत की थी। सूत्रों के अनुसार, यह बैठक - दो दिनों में दूसरी, राज्यपाल ने इस शर्त पर समाप्त की कि अभिनेता-राजनेता को 118 विधायकों से समर्थन पत्र प्रस्तुत करने होंगे।

राज भवन की एक सूचना में कहा गया कि राज्यपाल ने "तमिलनाडु विधान सभा में सरकार बनाने के लिए आवश्यक बहुमत समर्थन स्थापित नहीं होने" की बात समझाई।

टीवीके को बहुमत का आंकड़ा हासिल करने के लिए 10 और सीटों की जरूरत है और उसके पास पहले से ही कांग्रेस का समर्थन है, जिसके पांच विधायक हैं। शेष सीटों के लिए लेफ्ट और कुछ छोटी पार्टियों के साथ बातचीत जारी है। सूत्रों ने बताया कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आज 2026 की दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत

जयपुर, 8 मई। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से शनिवार को साल 2026 की दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत का शुभारंभ जयपुर पीठ में एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा सुबह 8.30 बजे करेंगे। प्राधिकरण के

- मुख्य न्यायाधीश एसपी शर्मा शुभारंभ करेंगे।

सदस्य सचिव हरिओम शर्मा अत्रि ने बताया कि हाईकोर्ट सहित, सभी अधीनस्थ अदालतों में लोक अदालत के तहत कुल 479 बैंचों का गठन किया गया है, जिनमें कुल 7.77 लाख से अधिक मुकदमों को सूचीबद्ध किया गया है। लोक अदालत में ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों तरह से प्रकरणों का निस्तारण किया जाएगा।

विजय आज शपथ लेंगे तमिलनाडु के मु.मंत्री पद की

अन्ततोगत्वा तमिलनाडु के राज्यपाल को स्वीकार करना पड़ा कि उनकी ज़िद बेबुनियाद थी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। कांग्रेस, वीसीके, सीपीआई के समर्थन के साथ बहुमत का आंकड़ा पार करते हुए, टीवीके प्रमुख विजय ने आज शाम तमिलनाडु में सरकार बनाने का दावा पेश किया। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ अरलेकर ने लंबे समय तक चली अटकलों, अफवाहों और अनिश्चितता को समाप्त करते हुए उन्हें कल सुबह 11 बजे शपथ लेने के लिए आमंत्रित किया है।

इस घटना कुछ ही घंटे पहले जब लेफ्ट पार्टियों ने टीवीके को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की। विजय की पार्टी, जिसने 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में 108 सीटें जीतीं, पहले सीपीआई, सीपीएम और वीसीके, जो सभी द्रमुक की सहयोगी हैं, से सरकार बनाने के लिए समर्थन मांग चुकी थी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, टीवीके को आईयूएमएल को का समर्थन भी प्राप्त हुआ है, जिससे गठबंधन का बहुमत 120 सीटों तक पहुँच गया।

- शुक्रवार को राज्यपाल के साथ तीसरी मुलाकात में विजय ने कांग्रेस के अलावा वीसीके, दोनों वामपंथी दलों (सीपीआई और सीपीआईएम) और आईयूएमएल के समर्थन का प्रमाण पेश किया, जिसके बाद राज्यपाल को उन्हें सरकार बनाने का आमंत्रण देना ही पड़ा।
- तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा में टीवीके के 107 विधायक हैं, उसे कांग्रेस के 5, वीसीके के दो, सीपीआई के दो, सीपीआईएम के दो व आईयूएमएल के दो विधायकों का भी समर्थन मिल गया है, इस प्रकार विजय के पास 120 विधायकों का समर्थन है।
- विजय को सबसे बड़ी सफलता तब मिली, जब वीसीके ने उन्हें समर्थन देने की घोषणा की और इसके लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने वीसीके प्रमुख को मनाया था।

सप्ताह में राज्यपाल के साथ विजय की यह तीसरी मुलाकात थी, जिसमें उन्होंने सरकार बनाने का दावा पेश किया। राज्यपाल के पास अब विजय के दावे को खारिज करने का कोई बहाना नहीं बचा।

टीवीके के एक सूत्र ने बताया कि बैठक के दौरान विजय ने सरकार बनाने के संबंध में अपना पक्ष प्रस्तुत किया।

संख्या बल अब विजय के पक्ष में है। टीवीके के पास 234-सदस्यीय विधानसभा में 107 विधायक हैं, जबकि कांग्रेस ने अपने पांच विधायकों के साथ समर्थन दिया है। सीपीआई और सीपीएम, जिनके दो-दो विधायक हैं, ने भी आंतरिक बैठकों के बाद टीवीके का समर्थन किया। विदुथलई चिरुथाइगल काच्ची (वीसीके), जिसके पास दो विधायक हैं, ने भी विजय का समर्थन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

टीवीके को कांग्रेस का समर्थन अवसरवादी राजनीति - मणिशंकर अय्यर

नई दिल्ली, 08 मई। पूर्व केन्द्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने तमिलनाडु में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के साथ गठबंधन करने के कांग्रेस के फैसले को शुक्रवार को अवसरवादी करार दिया। उन्होंने कहा कि यह सुविधा की राजनीति तथा महात्मा गांधी की 1925 के उस कथन का अक्षम्य उल्लंघन है कि स्वराज का मतलब नैतिकता पर आधारित सरकार होना चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कहा कि कांग्रेस ने टीवीके के विजय को अपने साथ जोड़कर अनैतिक कृत्य किया है।

- पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने इसे अनैतिक कृत्य बताया।

मणिशंकर ने कहा, द्रमुक के साथ चुनाव लड़ने के तुरंत बाद उस टीवीके के साथ गठजोड़ करने का फैसला बहुत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कनिमोई ने संसद में डीएमके सांसदों के लिए अलग स्थान मांगा

यह अनायास लिया गया निर्णय नहीं है, इसका सबसे मुख्य कारण है, द्रमुक यह नहीं दिखाना चाहती कि उसने कांग्रेस के सामने घुटने टेक दिए हैं, इसलिए कांग्रेस के टीवीके को समर्थन देने पर वह इस प्रकार विरोध जता रही है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। द्रमुक नेता कनिमोई ने शुक्रवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को पत्र लिखकर, द्रमुक सांसदों के लिए अलग बैठने की व्यवस्था करने की मांग की। उनकी पार्टी अब कांग्रेस से अलग हो चुकी राजनीतिक गलियारों में इसे केवल संसदीय व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि कहीं अधिक गंभीर राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

इसका अर्थ 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी खेमे में गहरी राजनीतिक और वैचारिक दूरी के सार्वजनिक संकेत के रूप में लगाया जा रहा है।

यह घटना तमिलनाडु में राजनीतिक समीकरणों में तेजी हुए से बदलाव के बीच आई है, जहां अभिनेता-राजनेता विजय के उभरने के साथ ही, राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष की एकता के भविष्य को लेकर बढ़ती अनिश्चितता देखी जा रही है।

कई वर्षों तक द्रमुक और कांग्रेस मिलकर तमिलनाडु में प्रमुख एंटी भाजपा धुरी का प्रतिनिधित्व करती रही हैं। उनका गठजोड़ अक्सर धर्मनिरपेक्ष विपक्षी राजनीति के सबसे मजबूत स्तंभों में से एक के रूप में प्रस्तुत किया जाता था। हालांकि, संसद में अलग बैठने की मांग अब प्रतीकात्मक रूप से उस सहजता में कमी को दर्शाती है।

- कनिमोई ने जिस तरह से यह फैसला लिया है, वह पार्टी में उनके बढ़ते प्रभाव का संकेत है। डीएमके में यही व्यवस्था रही है कि स्टालिन राज्य संभालेंगे और कनिमोई दिल्ली में पार्टी को नेतृत्व देंगी।
- अब चूंकि स्टालिन विधानसभा चुनाव हारने के बाद मुख्यमंत्री नहीं रहे हैं, इसलिए कनिमोई का प्रभाव बढ़ रहा है।

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि यह कदम द्रमुक की बढ़ती चिंता को दर्शाता है, क्योंकि कांग्रेस विधानसभा चुनाव के परिणामों के बाद तमिलनाडु में नए राजनीतिक समीकरण तलाश रही है। माना जा रहा है कि कांग्रेस नेता राज्य में नए क्षेत्रीय दलों के उभरने और मतदाताओं की बदलती आकांक्षाओं के बीच द्रमुक पर अपनी दीर्घकालिक निर्भरता का पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं।

संसद में अलग बैठने की मांग को इस बात का संकेत भी माना जा रहा है कि द्रमुक संसद में अपनी स्वतंत्र क्षेत्रीय पहचान को मजबूत करना चाहती है, विशेष रूप से संघवाद, भाषा राजनीति और प्रस्तावित सीमा-निर्धारण प्रक्रिया जैसे मुद्दों पर, जहां पार्टी ने दक्षिणी राज्यों पर केन्द्रित आक्रामक रुख अपनाया है।

दिलचस्प बात यह है कि इस कदम से पहले ही आम चुनावों के बाद कई क्षेत्रीय मतभेदों का सामना कर चुके इंडिया ब्लॉक की एकजुटता पर भी सवाल उठता है। कई विपक्षी पार्टियां निजी तौर पर डरती हैं कि राज्यों में राजनीतिक मजबूरियां अंततः राष्ट्रीय विपक्षी एकता को प्रभावित कर सकती हैं। द्रमुक के भीतर भी यह घटना कनिमोई द्वारा पार्टी के राष्ट्रीय राजनीतिक संदेशों को आकार देने में निभाई जा रही बढ़ती संसदीय भूमिका को उजागर करती है। जहाँ मुख्यमंत्री एम के स्टालिन तमिलनाडु में संगठन का नेतृत्व कर रहे हैं, वहीं कनिमोई दिल्ली में पार्टी की प्रमुख राजनीतिक आवाज़ों में से एक के रूप में उभर रही हैं।

सतही स्तर पर यह केवल बैठने की एक साधारण पुनर्व्यवस्था दिखाई दे सकती है, लेकिन यह राष्ट्रीय राजनीति में विपक्ष के बड़े पैमाने पर पुनर्गठन की शुरुआत हो सकती है।

ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्रोफाइल से 'मुख्यमंत्री' नहीं हटाया

कोलकाता, 08 मई। पश्चिम बंगाल की राजनीति में सत्ता परिवर्तन की चर्चाओं के बीच तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी एक बार फिर राजनीतिक बहस के केन्द्र में आ गई हैं। इस समय वे मुख्यमंत्री पद पर नहीं हैं, लेकिन उनके सोशल मीडिया प्रोफाइल पर अब भी उनकी पहचान मुख्यमंत्री के रूप में दर्ज है। इसे लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में नई बहस शुरू हो गई है।

- लोग इसमें ममता का राजनीतिक संदेश देख रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियों में ममता बनर्जी के सोशल मीडिया प्रोफाइल पर मुख्यमंत्री शब्द बने रहना केवल तकनीकी चूक नहीं, बल्कि एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 89/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री दिनेश चंद्र अग्रवाल पुत्र श्री जुगल किशोर अग्रवाल आयु 68 निवासी बी 16 मान नगर, झुंझुनूं राजस्थान 333001 ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत धनराज लक्ष्मी नारायण फागलवाला जन कल्याण प्रतिष्ठान, लक्ष्मी भवन, सीकर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 22.4.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 25.6.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 85/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री विकास गिल पुत्र श्री मदन सिंह गिल निवासी गिल भवन, रोड़ नं0 3 झुंझुनूं जिला झुंझुनूं राजस्थान 333001 ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत महर्षि दयानन्द शिक्षण संस्थान टोडी गुढ़ागौड़जी जिला झुंझुनूं के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 22.4.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 25.6.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 90/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री मनीष अग्रवाल पुत्र श्री स्व. श्री बृज किशोर अग्रवाल निवासी श्री मंगलम, रोड़ नं. 2 झुंझुनूं जिला झुंझुनूं राजस्थान ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत नानू दादी फाउंडेशन जिला झुंझुनू के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 22.4.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 25.6.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 96/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री मनीष अग्रवाल पुत्र श्री स्व. श्री बृज किशोर अग्रवाल निवासी श्री मंगलम, रोड़ नं. 2 झुंझुनूं जिला झुंझुनूं राजस्थान ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत श्री डालमिया शिक्षा समिति चिड़ावा जिला झुंझुनूं के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 22.4.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 29.6.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 98/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री रमन कुमार पुत्र श्री शुभकरण निवासी मुकुन्दगढ़ तहसील नवलगढ़ जिला झुंझुनूं राजस्थान 333705 ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रोफेसर एस. करण शिक्षा समिति मुकुन्दगढ़ मंडी जिला झुंझुनूं के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 22.4.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 29.6.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 99/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री श्रवण कुमार केजड़ीवाल पुत्र श्री वासुदेव प्रसाद केजड़ीवाल निवासी वार्ड नं. 24 केजड़ीवाल भवन, मोदी रोड़ झुंझुनूं जिला झुंझुनूं राजस्थान ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत महाराजा अग्रसेन शिक्षा एवं जन कल्याण ट्रस्ट जिला झुझूनू के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 22.4.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 29.6.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 114/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री अशोक सिंह शेखावत पुत्र श्री रघूवीर सिंह निवासी वार्ड नं. 10 बड़ागांव जिला झुंझुनूं राजस्थान 333021 ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत श्री कृष्णा गोशाला समिति बड़ागाँव जिला झुंझुनूं के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 23.4.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 3.7.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 91/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री वासु देव पुत्र श्री पूरण मल शर्मा निवासी वार्ड नं. 07 मुकुन्दगढ़ तहसील नवलगढ़ जिला झुंझुनूं राजस्थान 333705 ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत कानोरिया चैरिटेबल सोसायटी मुकुन्दगढ़ जिला झुंझुनूं के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 22.4.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 25.6.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 86/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री श्याम सुन्दर पुत्र श्री विश्वनाथ टीबड़ा निवासी तुलस्यानों का मोहल्ला वार्ड सं. 39 झुंझुनूं जिला झुंझुनूं राजस्थान 333001 ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत श्री खेमी जन कल्याण ट्रस्ट झुंझुनूं जिला झुंझुनूं के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 22.4.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 25.6.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 82/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्रवण सिह पुत्र श्री रिसाल सिंह निवासी वार्ड नं. 29 किशोर सिंह जी का पाना, गुढ़ागौड़जी तहसील गुढ़ागौड़जी जिला झुंझुनूं राजस्थान ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत श्री गोपी नाथ गौशाला समिति गुढ़ागौड़जी जिला झुझुनू के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 22.4.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 24.6.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

पोषाहार की समीक्षा

जयपुर । उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को सचिवालय में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर प्रदेश के आंगनवाड़ी केन्द्रों पर बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं को उपलब्ध कराए जा रहे पोषाहार की गुणवत्ता, वितरण व्यवस्था और पोषण संबंधी व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 81/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री नरौत्तम कुमार पुत्र श्री ईश्वरदास निवासी गोशाला रोड़ चिड़ावा तहसील चिड़ावा जिला झुंझुनूं राजस्थान 333026 ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत श्री कृष्ण गोशाला समिति चिड़ावा जिला झुंझुनूं के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 22.4.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 24.6.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 83/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी मुरारी लाल सिंघानिया पुत्र श्री झाबरमल सिंघानिया निवासी ग्राम पोस्ट चुड़ी अजीतगढ़ जिला झुंझुनूं राजस्थान ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत झाबरमल सिंघानिया जन कल्याण कोष पोस्ट चुड़ी अजीतगढ़ जिला झुंझुनूं के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 22.4.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 24.6.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 100/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री राजेश अग्रवाल पुत्र श्री लीलाधर अग्रवाल निवासी वार्ड नं. 12 हॉस्पिटल रोड़, सुरजगढ़ तहसील सूरजगढ़ जिला झुंझुनूं राजस्थान 333029 ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत अग्रवाल जन कल्याण समिति सूरजगढ़ जिला झुंझुनूं के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 22.4.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 29.6.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 95/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री पवन कुमार जखोड़िया पुत्र श्री रामेश्वर दास जखोड़िया निवासी वार्ड सं. 6 डालमियो चौक पिलानी, तहसील पिलानी जिला झुंझुनूं राजस्थान 333031 ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत श्री गौशाला पिलानी जिला झुंझुनूं के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 22.4.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 29.6.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

प्रदेश में पूर्व विधायकों को यथावत मिलती रहेगी पैंशन
राजस्थान हाईकोर्ट ने खारिज की जनहित याचिका

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में पूर्व विधायकों को दी जा रही पेंशन के खिलाफ दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस पीएस भाटी और जस्टिस विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ ने यह आदेश मिलाप चंद डांडिया की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में राजस्थान विधानसभा अधिकारी और सदस्य वेतन, परिलब्धियां और पेंशन अधिनियम,1956 की संवैधानिकता को चुनौती दी गई थी।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि विधायकों और सांसदों को मिलने वाले लाभों की संवैधानिक स्थिति लगभग एक समान है। सुप्रीम कोर्ट सांसदों के मामले में पेंशन का मुद्दा पहले ही तय कर चुका है और यह अब अनसुलझा कानूनी प्रश्न नहीं है। अदालत ने माना की पेंशन केवल पारंपरिक सरकारी सेवा या नियोक्ता व कर्मचारी संबंध तक सीमित नहीं है, बल्कि कानून में कई अन्य श्रेणियों में भी पेंशन को मान्यता दी गई है। अदालत

■ अदालत ने अपने आदेश में कहा कि विधायकों और सांसदों को मिलने वाले लाभों की संवैधानिक स्थिति लगभग एक समान है। सुप्रीम कोर्ट सांसदों के मामले में पेंशन का मुद्दा पहले ही तय कर चुका है और यह अब अनसुलझा कानूनी प्रश्न नहीं है।

ने कहा कि संविधान के तहत विधान मंडल को पेंशन के संबंध में कानून बनाने की पूर्ण विधायी क्षमता है। संविधान के अनुच्छेद 195 में पेंशन शब्द का स्पष्ट उल्लेख नहीं होने से यह नहीं कहा जा सकता की संविधान में इसे देने पर कोई प्रतिबंध है। इसके अलावा कानून बनाना मुख्य रूप से विधानमंडल का काम है और न्यायिक समीक्षा का दायरा विधायी क्षमता की जांच करने तक सीमित है।

जनहित याचिका में अधिवक्ता विमल चौधरी ने साल 1956 के अधिनियम को चुनौती देते हुए कहा कि संविधान के अनुच्छेद 195 केवल वेतन और भत्तों के निर्धारण की शक्ति देता है और इसमें पेंशन का हवाला नहीं है। ऐसे में विधानसभा को ऐसा कानून बनाने का अधिकार नहीं है। इसके अलावा पेंशन केवल सरकारी सेवा से रिटायर होने पर ही दी जाती है, जबकि विधायक का पद राजनीतिक और संवैधानिक पद है। इसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट लोक प्रहरी के मामले में सांसदों को पेंशन देने का मुद्दा पहले ही तय चुका है। सांसदों और विधायकों की स्थिति एक समान है, इसलिए विधानसभा की ओर से बनाया कानून पूरी तरह वैध है। संविधान भी पेंशन के संबंध में विधानसभा को कानून बनाने की अधिकार देता है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद खंडपीठ ने जनहित याचिका को खारिज कर दिया है।

एसी सर्विसिंग के दौरान ब्लास्ट, दो युवक गंभीर घायल

जयपुर। महेश नगर इलाके के स्वेज फार्म स्थित एडवोकेट के घर पर शुक्रवार शाम एसी सर्विसिंग के दौरान हुए तेज धमाके में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। ब्लास्ट इतना जबरदस्त था कि एसी के परखचे दूर-दूर तक बिखर गए और छत पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस के अनुसार घटना शाम करीब साढ़े चार बजे की है। महेश नगर इलाके में एक मकान की छत पर दो युवक एसी की सर्विसिंग कर रहे थे। इसी दौरान अचानक एसी में तेज ब्लास्ट हो गया। धमाके की चपेट में आने से दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में लाल बाबू (40) के चेहरे पर गंभीर चोट आई, जबकि रामेश्वर चौधरी (35) के पैर में गंभीर घाव हुए हैं। धमाका इतना तेज था कि छत पर खून बिखर गया और एसी के टुकड़े दूर तक जा गिरे। सूचना मिलने पर महेश नगर थाना प्रभारी सुरेश यादव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को तत्काल दुर्लभजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।थाना प्रभारी सुरेश यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों युवक गोपाल गुप्ता एडवोकेट के घर पर एसी की सर्विसिंग कर रहे थे। इसी दौरान तकनीकी कारणों से एसी में ब्लास्ट हो गया।

साइबर ठगी नेटवर्क का भंडाफोड़, 48 आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के दक्षिण जिला पुलिस ने साइबर अपराधियों और मोबाइल चोर गिरोहों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन म्यूल हंटर के तहत 48 साइबर अपराधियों और संदिग्धों को दबोचा है। पुलिस ने इस कार्रवाई में करीब 2 करोड़ रुपए की साइबर ठगी के नेटवर्क का खुलासा किया है।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर 1 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न थानों में 15 प्रकरण दर्ज कर 17 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 31 संदिग्धों को धारा 170 बीएनएसएस के तहत पकड़ा गया।जांच में सामने आया कि आरोपी लोगों को लालच देकर उनके बैंक खाते किराए पर लेते थे और उन्हीं खातों के जरिए साइबर ठगी की रकम ट्रांसफर करवाई जाती थी। श्यामनगर थाना के प्रकरण संख्या 174/26 में एनसीआरपी पोर्टल पर देशभर से 53 शिकायतें लिंक मिलीं। मामले में मानसरोवर निवासी अजय कुमार विजय (33) को गिरफ्तार किया गया। वहीं, सोडाला थाना के प्रकरण संख्या 180/26 में 41 शिकायतें सामने आने पर सांगानेर निवासी ललित कुमार सैनी (23) को गिरफ्तार किया गया। जयपुर दक्षिण साइबर सेल ने गुम और चोरी हुए मोबाइलों की बरामदगी के लिए विशेष अभियान चलाते हुए सीईआईआर पोर्टल और तकनीकी विश्लेषण की मदद से राजस्थान के विभिन्न जिलों से 430 मोबाइल बरामद किए।

ज्वैलरी कारोबारी से 5 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी

जयपुर। राजस्थान में गैंगस्टर्स के नाम पर रंगदारी मांगने और धमकी देने के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। ताजा मामला जयपुर के झोटवाड़ा इलाके से सामने आया है, जहां एक ज्वैलरी कारोबारी को गैंगस्टर रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण गैंग के नाम से पांच करोड़ रुपए की रंगदारी मांगते हुए धमकी दी गई है। पीड़ित कारोबारी की शिकायत पर झोटवाड़ा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस साइबर एक्सपर्ट की मदद से धमकी भेजने वाले की पहचान में जुटी है।झोटवाड़ा थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि इलाके में रहने वाले एक ज्वेलरी कारोबारी के मोबाइल पर 6 मई को एक वॉइस मैसेज आया। मैसेज भेजने वाले व्यक्ति ने खुद को रोहित गोदारा-वीरेंद्र चारण गैंग से जुड़ा बताया और कारोबारी से 5 करोड़ रुपए की रंगदारी की मांग की। धमकी भरे वॉइस नोट में रंगदारी नहीं देने पर कारोबारी और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी गई। घटना के बाद कारोबारी का परिवार दहशत में है।

नाम परिवर्तन

मेरी सर्विस बुक नं. 46999 में बच्चे का नाम गलती से Parvez Hussain लिखा गया, जबकि अन्य सभी दस्तावेजों में Parvez Husain है। अतः भविष्य में उसे Parvez Husain के नाम से जाना पहचाना जावें। Parvez Husain S/o Akbar Husain Usamani टुडियाना, दौसा, राज.-321608

मैं, आरूषि महाजन सक्सैना पत्नी शैलेन्द्र सक्सैना निवासी प्लॉट नं.802 ब्लॉक नं.5, रॉयल ग्रीन अपार्टमेन्ट, सिरसी मोड, वैशाली नगर, जयपुर राजस्थान-302021 मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम आरूषि सक्सैना दर्ज है, मैंने अपना नाम आरूषि सक्सैना से बदलकर आरूषि महाजन सक्सैना रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे।

मैने अपना नाम विजय कुमार से बदलकर विजय कुमार शर्मा पुत्र श्री बजरंग लाल शर्मा रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये। निवासी- जगदीश का मन्दिर, मिनर्वा सिनेमा के पास, सांगानेरी गेट, जयपुर, राजस्थान।

I, Chander Prakash S/O Guman Singh R/O Flat No. I/206, Guru Shikhar Apartment, Nanakpura Hema ke Nangal, Sanganer Beelwa Kalan Jaipur Raj-302022 I have Changed my name Chander Prakash Sharma to Chander Prakash For all future will be known as Chander Prakash

खोया पाया

मेरे प्लाट नं. 194-A, विधानसभा सचिवालय योजना, धावास अजमेर रोड के मूल कागजात अजमेर रोड पर कहीं गिर गये है मिलने पर सूचित करें। गीता देवी 8504848052

मेरे भूखंड सं. 1 निजी खातेदारी की योजना- PRIM PROVINCE SECTOR-A जयपुर का पंजीकृत जे.डी.ए. पट्टा, साईट प्लान और पट्टे के साथ संगलन स्टाम्प पेपर कही गुम हो गये है सूचित करे- विवेक जैन मो. 7011177863

मेरा प्लॉट 90/63 प्रताप नगर सांगानेर का मूल अदेय प्रमाण पत्र मुझसे कहीं गुम हो गया है मिलने पर सूचित करे एम.सी. शर्मा 6375877321

आवास संख्या 31/13/01 मानसरोवर जयपुर का आवंटन पत्र कहीं गिर/गुम हो गया , मिलने पर सूचित करें, मनोजदास, मोबाइल 9929356002

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक -785 दिनांक - 08/05/2026
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लैट संख्या 68/259 (MIG-B) का आवंटन श्री आलोक कुमार पुत्र श्री रविन्द्र कुमार माथुर एवं श्रीमती रश्मि कुमार पत्नी श्री आलोक कुमार को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 787 दिनाक 05-11-1993 को जारी किया गया था। जिसका नियमितिकरण पत्र क्रमांक 2249 दिनांक 23-03-2005 के द्वारा श्रीमती सुशीला जैन पत्नी स्व. श्री कँवर लाल जैन के पक्ष में किया गया। इनके पक्ष में पंजीयन पत्रो निष्पादन दिनांक 28.03.2010 को कर दिया गया।
श्रीमती सुशीला जैन की मृत्यु दिनांक 02.04.2026 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री हेम प्रकाश जैन पुत्र स्व. श्री कँवर लाल जैन द्वारा आवासन मण्डल मे पंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/ पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्री हेम प्रकाश जैन पुत्र स्व. श्री कँवर लाल जैन का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत-प्रथम, राज. आवा मण्डल, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर
आवश्यक सूचना
आवास संख्या 2-ज-2, एस.डब्ल्यू. बी. योजना, अलवर जो कि मूलतः श्री मोती लाल जाटव पुत्र श्री लीला राम को आवंटन पत्रांक 20627 दिनांक 02.03.1983 के द्वारा आवंटित किया गया था। मण्डल द्वारा आवास का अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 5949 दिनांक 23.12.2013 को श्री मोती लाल जाटव के नाम जारी कर दिया गया था। श्री मोती लाल जाटव द्वारा आवास की रजिस्ट्री स्वयं के नाम से दिनांक 31.01.2014 को उप पंजीयक कार्यालय अलवर में पंजीकृत करवाई जा चुकी है। श्री मोती लाल जाटव द्वारा उक्त आवास का बेचान जरिये पंजीकृत बयनामा दिनांक 03.03.2014 को श्री दिनेश चन्द गुप्ता पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण गुप्ता को कर दिया गया। श्री दिनेश चन्द गुप्ता द्वारा उक्त आवास का बेचान जरिये पंजीकृत बयनामा दिनांक 21.08.2015 श्री गोविन्द सिंह पुत्र श्री छबील सिंह को कर दिया गया। मण्डल द्वारा आवास का नाम लीज हस्तांतरण कार्यालय आदेश क्रमांक 1631 दिनांक 09.03.2026 को श्री गोविन्द सिंह के नाम जारी कर दिया गया। श्री गोविन्द सिंह द्वारा उक्त आवास का बेचान जरिये पंजीकृत बयनामा दिनांक 13.03.2026 को श्री चन्द्रप्रकाश अरोड़ा पुत्र श्री ओमप्रकाश अरोड़ा एवं श्री राजेश कुमार पुत्र श्री श्याम बाबू शर्मा को संयुक्त रूप से कर दिया गया। श्री चन्द्रप्रकाश अरोड़ा एवं श्री राजेश कुमार द्वारा संयुक्त रूप से उक्त आवास का मण्डल नियमानुसार लीज हस्तांतरण किये जाने हेतु आवश्यक प्रपत्र एवं शुल्क जमा करा कर आवेदन किया गया है। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त आवास संख्या 2-ज-2, एस.डब्ल्यू. बी. योजना, अलवर के सम्बन्ध में पिता, पुत्र, पुत्री, भाई, अन्य किसी रिश्तेदार व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति विशेष को उज्र एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्री चन्द्रप्रकाश अरोड़ा पुत्र श्री ओमप्रकाश अरोड़ा एवं श्री राजेश कुमार पुत्र श्री श्याम बाबू शर्मा के पक्ष में आवास के संयुक्त नाम से लीज हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी।
उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर

MUNICIPAL CORPORATION JAIPUR
(Pandit Deendayal Uppadhyay Bhawan Lalkothi Tonk Jaipur 302015)
No. F-6(DCR-FIRST (J.S)RO.LICN.N.J/2026/1025 Date : 08-05-2026
PUBLIC NOTICE
The licensee M/s/ Indus Tower Limited Jaipur (Particulars of Licensee) has submitted application in this office for granting permission for erection/ installation of telecom tower aboveground telegraph infrastructure on the land or building or location mentioned below :-

Sr. No.	Site ID	Address
1	IN 3515583	On Divider Vijay Path, Achariya Tulsi Circle, Tilak Nagar, Ward No.-149, Jaipur

Therefore, it is hereby informed to all concerned that if, any body has any objection or suggestion on granting permission for installation or establishment of above mentioned telecom infrastructure on the land/location above, he may submit objection or suggestion along with supporting documents before the undersigned during office hours on any working day within 7 days of the publication of this notice.
In absence of any objection/ suggestion within above stipulated time if any be deemed that nobody has objection/suggestion and matter will be disposed off accordingly.
Deputy Commissioner (Revenue-I)
Municipal Corporation, Jaipur

न्यायालय पंच निर्णायक एवं सहायक रजिस्ट्रार (प्रोसेसिंग), सहकारी समितियाँ, जयपुर
रजिस्ट्रार कार्यालय, 22 गोदाम, जयपुर
क्रमांक : सार्वजनिक नोटिस/विज्ञप्ति दिनांक :
[illegible]

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 76/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी जटाशंकर पुनिया पुत्र प्रेमचन्द पुनिया निवासी 26 पटेल नगर वार्ड नं 43 नया हनुमान मंदिर के पास विवेक कॉलोनी नवलगढ़ रोड़ सीकर राजस्थान ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा अ017(1) के अन्तर्गत बी.पी.एस शिक्षण संस्थान चंदपुरा पं स पीपराली सीकर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 9.4.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 19.6.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

कपड़ा फैक्ट्री में करोड़ों रु. का आईपीएल सट्टा पकड़ा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) और मालपुरा गेट थाना पुलिस ने आईपीएल क्रिकेट मैचों पर ऑनलाइन सट्टेबाजी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कपड़ा फैक्ट्री में संचालित अवैध सट्टा नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने फैक्ट्री मालिक समेत छह सटोरियों को गिरफ्तार कर करोड़ों रुपए के हिसाब-किताब से जुड़े रजिस्टर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और वाहन जब्त किए हैं। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) संजीव नैन ने बताया कि पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल और विशेष पुलिस कमिश्नर (ऑपरेशन्स) ओमप्रकाश के निर्देशन में सीएसटी ने यह कार्रवाई की। जहां मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने मालपुरा गेट इलाके में माल की ढाणी (सांगानेर) स्थित नानग विहार कॉलोनी के प्लॉट नंबर-3 में संचालित 'चिरायु गर्वित कम्पनी' नामक कपड़ा फैक्ट्री पर दबिश दी। पुलिस ने फैक्ट्री की तीसरी मंजिल पर बने कमरे में दबिश देकर आईपीएल मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगाते उत्तम सैनी (40) निवासी झालाना ग्राम, रूपल बंसल (34) निवासी मुहाना मंडी रोड, राजेंद्र कुमार (46), निवासी पुरानी टोंक,देवेंद्र कुमार जंगलानी (37) निवासी मालवीय नगर, विकास नागर (40) निवासी नाहरी का नाका और मनोहर स्वामी (38) निवासी बाबाजी की ढाणी, सांगानेर को गिरफ्तार किया। पुलिस जब पहुंची, तब लखनऊ और बेंगलुरु के बीच खेले जा रहे आईपीएल मैच पर आरोपियों द्वारा दांव लगाए जा रहे थे।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपित मालवीय नगर के बड़े बुकी अशोक गुप्ता और बाबू उर्फ नोनी से सट्टे की लाइन लेकर जूम एप के जरिए ऑनलाइन सट्टेबाजी का नेटवर्क संचालित कर रहे थे। आरोपी लंबे समय से कपड़ा फैक्ट्री की आड़ में यह अवैध कारोबार चला रहे थे। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि बुकी उत्तम सैनी और फैक्ट्री मालिक मनोहर इस कारोबार में बराबर के पार्टनर थे। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 21 मोबाइल फोन, 4 लैपटॉप, 1 डोंगल, चार्जर केबल, कैलकुलेटर, सट्टे के हिसाब-किताब से जुड़े 6 रजिस्टर तथा 1540 रुपए नकद बरामद किए।

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 21/2025
उत्तराधिकार
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम श्रीमती नीतू रानी पत्नी राकेश कुमार शर्मा
विवाद स्थान बैंक अकाउंट नं. 60233987 व SBI Bank 51015748393
मृतक राकेश कुमार शर्मा बैंक अकाउंट के संबंध में की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 22.05.2026
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम राकेश कुमार शर्मा पुत्र छोटे लाल शर्मा जाति.. 33 R/o त्रिवेणी विहार रामपुरा रोड सांगानेर जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 22 माह 05 सन् 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 13 माह 04 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
आज्ञा से-शरिस्तेदार
मोहर अदालत
अपर जिला एवं सैंशन न्यायाधीश संख्या-10 जयपुर महानगर सांगानेर जयपुर

NOTICE
It is intimated that the undermentioned cases of village Prempura will be listed in Estate Officer Court. Station Headquarters Cell, Jaipur Military Station. You are hereby directed to appear before the Court in person or through authorized representative alongwith documents/ records on 15 May 2026 at 11:00 hours. In case you failed to appear in the court the case may be decided Ex-parte.
1. Mr Gopal Lal S/o Late Shri Nanak Ram
2. Mr Sahi Ram S/o Shri Ganpat Ram
3. Mr Jagdish Singh S/o Shri Bhom Singh
4. Mr Banye Singh S/o Shri Ladu Singh
5. Mr Hanuman Singh S/o Shri Kishore Singh
6. Mr Dalpat Singh S/o Shri Prem Singh
7. Mr Babu Khan S/o Shri Jiwan Khan
8. Mr Nand Singh S/o Shri Umed Singh
9. Mr Bansi Lal S/o Late Shri Badri Lal
10. Mr Sharoop Singh S/o Shri Ravinder Singh
11. Mr Chater Singh s/o Shri Ishwar Singh
12. Mr Ram Singh S/o Shri Jambhal Singh
13. Mr Jitu Kumar s/o Late Shri Raju Kumar
14. Mr Shabir Khan S/o Shri Shavdin Khan
15. Mr Jagdish Singh S/o Shri Bhawani Singh
16. Ex Nb Sub Hanuman Singh S/o Late Shri Ramlal Singh
17. Mr Ramavtar S/o Shri Goru Ram
18. Smt Vijay Laxmi W/o Late Shri Deepak Singh
19. Mr Dashrath Singh S/o Shri Gambhir Singh
20. Mr Ganpat Singh S/o Shri Prem Singh
21. Mr Prem Singh S/o Late Shri Punraj Singh
22. Mr Ranjeet Singh S/o Shri Hanuman Singh
23. Mr Maharana Saini S/o Shri Sohan Lal Saini
24. Mr Kajod Mal Saini S/o Shri Sohan Lal Saini
25. Mr Sohan Lal Saini S/o Shri Mohru Ram Saini
26. Mr Suraj Mal Saini S/o Shri Mohru Ram Saini
27. Mr Keshav Ram S/o Shri Chotu Ram
28. Mr Om Prakash Davi S/o Shri Bhanwar Lal
29. Mr Ram Prakash Saini S/o Shri Chhoturam Saini
30. Shri Sham Sunder Sharma S/o Late Shri Radhey Lal Sharma
31. Mr Yogendra Saini S/o Shri Suraj Mal Saini
32. Shri Bhairav Singh S/o Shri Ranjeet Singh
33. Mr Shabir Khan S/o Late Shri Sher Din Khan
34. Mr Banye Singh S/o Shri Ladu Singh
35. Mr Bhagwan Singh S/o Shri Ram Chand Singh
36. Mr Daleep Kumar S/o Late Shri Babu Lal
37. Mr Puran Mal S/o Shri Kishan Lal
38. Mr Doulat Singh S/o Late Shri Kishan Singh
39. Mr Suraj Mal Mariya S/o Shri Ganesh Mariya
40. Mr Gopal Lal Choudhary S/o Shri Nanag Ram

Dated: 08 May, 2026
Place: Jaipur
Court Mohar
(By the Order of EO Court)

न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम सं01 सांभरलेक
(नियम -130 व 131)
अपील की सूचना अन्तर्गत धारा 426 (1) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023
फौजदारी अपील 04/2020
दिनांक-05/05/2026
विजय पापटवान बनाम रूपचन्द सोनी
बनामः-
रूपचन्द सोनी पुत्र बाबूलाल सोनी, निवासी पिंक हाउस फतेहपुर रोड, सीकर हाल निवासी डी-17 शिवपार्क, अम्बाबाडी, जयपुर-302039
अपील निगरानी विरूद्ध निर्णय दिनांक 01.11.2019 के अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सांभरलेक मुकदमा नंबर 612/14 अपराध अन्तर्गत धारा 420 भा0दं0सं0 दण्ड प्रक्रिया संहिता अपील इस न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम सं 01 सांभरलेक द्वारा दि. 22/05/26 समय 8.00 ए.एम. को सुनी एंव निर्णित की जायेगी।
अतः आज दिनांक 05/05/26 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
आज्ञा से
मोहर अदालत
वरिष्ठ प्रस्तुतकार
अपर जिला एवं सैशन न्यायालय संख्या-1
सांभर लेक जिला जयपुर

सम्मन बनाम कायम मुकाम
(आर्डर 22 रूल 4 जाब्ता दीवानी)
अज अदालत MM (West) Jaipur Metro 2nd मुकाम
राजेन्द्र पराशर बाबत सुरेन्द्र प्रताप ढीगणा
दावा बाबत स्थाई निषेधाज्ञा
मुकद्दमा नम्बर 140/15 सन्
मुकद्दमा नम्बर 769/2015 सन्
बनाम- (1) मुसम्मी श्रीमती ढीगणा पत्नी स्व. सुरेन्द्र प्रताप ढीगणा कौम... (2) मुसम्मी मिक्की ढीगणा वल्द स्व. सुरेन्द्र प्रताप ढीगणा कौम... (3) मुसम्मी श्रीमती पूनम पुत्री स्व. सुरेन्द्र प्रताप ढीगणा कौम... (4) मुसम्मी रूचिका पुत्री स्व. सुरेन्द्र प्रताप ढीगणा कौम...
साकिन 30/54/1 स्वर्ण पथ, मानसरोवर जयपुर
चूंकि.... ने इस अदालत में तारीख... माह... सन् 199 को 1.... बनाम 2.... दायर की जो कि बाद में फोत हो गया। और चूंकि... मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर करने की आप मुतवफ्फी... मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है बजाय उसके आप 3.... बनायें जावें।
लिहाजा बजरिये हाजा बगर्ज जवाब देही 1.... 11 माह 05 सन् 2026 अदालत हाजा में हाजिर होने के लिये तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर न होने पर मुकद्दमा आपकी गैर हाजरी में सुना व फेसल किया जावेगा।
बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 02 माह 05 सन् 2026 को जारी किया गया।
मोहर अदालत
रीडर-सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट पश्चिम जयपुर महानगर द्वितीय

KOTA BUS SERVICES LIMITED
CIN : U60210RJ2015SGC047372, Nagar Nigam Kota, New Administrative Building, Rajeev Gandhi Bhawan, Dushera Maidan Kishorpura, Kota, 324009, E-mail :kbslcitybus@gmail.com
No. :- KBSL/NNK/2025-26/1315 - 1332 Date :- 05/05/2026
Kota Bus Services Ltd. Invites online tender from eligible placement agency/eligible registered Contractors and Clerical Work for below mentioned work. Detailed tender document can be download from website www.eproc.rajasthan.gov.in www.sppp.rajasthan.gov.in.
UBN : DLB2627WLRC03858
Raj.Samwad/C/26/2403
Chief Executive Officer

उत्तर पश्चिम रेलवे
आवश्यक सूचना
पत्र संख्याः-W/350/1 दिनांक : 08.05.2026
सर्व सम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि खातीपुरा-जगतपुरा स्टेशनों के मध्य फाटक संख्या-212 (खातीपुरा फाटक) KM 225/3-4 को दिनांक 09.05.2026 को सुबह 8.00 से शाम 18.00 बजे तक ट्रैक मरम्मत कार्य हेतु पूर्णरुप से बन्द रहेगा, असुविधा के लिए खेद है।
मण्डल/इन्जी.(मुख्या.) जयपुर
678-CQ/26
हमें /NWRailways /NWRailways_ पर फॉलो करें

COLLEGE OF AGRICULTURE
(S.K.N. Agriculture University-Jobner)
Bhusawar – Bharatpur (Rajasthan)-321406
No. :- F.( ) Store./COA/Bhusawar/2026/98 Date :- 06/05/2026
NOTICE INVITING BID
Bid for open tender regarding Bus for Educational Tour is invited from interested bidders upto 11 AM, 13-05-2026 other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the state; www.sknau.ac.in University website.
NIB code SKN2627A0032 and UBN is SKN2627SSOB00030
Raj.Samwad/C/26/2377
DEAN

प्रो-खालिस्तान और प्रो-पाकिस्तान कंटेंट फैलाने वाला संदिग्ध युवक चिन्हित

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर देशविरोधी और अलगाववादी सामग्री प्रसारित था

■ राजस्थान एटीएस की जांच में आरोपित के फेसबुक मैसेंजर पर संदिग्ध लोगों व प्रतिबंधित आतंकी संगठन टीआरएफ के सदस्यों से बातचीत करना एवं उन लोगों से एके-47 व ग्रनेड मंगवाकर बम ब्लास्ट करने की चैटिंग और वॉइस नोट पाये गये है।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान एटीएस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर देशविरोधी और अलगाववादी सामग्री प्रसारित करने वालों के खिलाफ विशेष कार्रवाई करते हुए पंजाब के एक संदिग्ध युवक की पहचान कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करवाई है। प्रारंभिक जांच में आरोपी के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर प्रो-खालिस्तान और प्रो-पाकिस्तान समर्थक पोस्ट, वीडियो और कमेंट मिला है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एटीएस, एजीटीएफ एवं एएनटीएफ दिनेश एमएन ने बताया महानिरीक्षक पुलिस राजेश सिंह के सुपरविजन में एटीएस की सोशल मीडिया मॉनिटरिंग शाखा ने यह कार्रवाई की। सोशल मीडिया शाखा प्रभारी पुलिस निरीक्षक निशा चॉवरिया के नेतृत्व में संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी के दौरान यह मामला सामने आया।

जांच के बाद एटीएस ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में टीम को पंजाब भेजा। वहां पूछताछ और डिजिटल विश्लेषण में सामने आया कि संदिग्ध गुरुविन्दर सिंह के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर प्रो-खालिस्तान एवं प्रो-पाकिस्तान के समर्थन में ऑडियो, वीडियो, पोस्ट, चैट और कमेंट पाये गये है।

संदिग्ध गुरुविन्दर सिंह

आरोपित के फेसबुक मैसेंजर पर संदिग्ध लोगों व प्रतिबंधित आतंकी संगठन टीआरएफ के सदस्यों से बातचीत करना एवं उन लोगों से एके-47 व ग्रनेड मंगवाकर बम ब्लास्ट करने की चैटिंग और वॉइस नोट पाये गये है। उक्त संदिग्ध द्वारा अपने मोबाइल से प्रतिबंधित क्षेत्र बीएसएफ की चौकी का वीडियो बनाकर पाकिस्तानी में बैठे अपने आकाओं को शेयर करना भी पाया गया। उक्त संदिग्ध द्वारा ही आतंकवादी संगठन एसएफजे प्रमुख गुरूपतवंत सिंह पन्नू के खालिस्तान के समर्थन वाले वीडियो भी लगातार शेयर किये जा रहे थे। इसका अलगाववादी लोगों एवं संगठनों से सम्पर्क तथा देश में आतंकवादी घटना कारित किये जाने संबधित सामग्री होना पाया गया है।

राजस्थान एटीएस की सूचना पर पंजाब के तरनतारण जिले के थाना सदर पटटी में पंजाब निवासी संदिग्ध गुरुविन्दर सिंह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और आईटी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच जारी है और एजेंसियां उसके नेटवर्क तथा संभावित संपर्कों की गहन पड़ताल कर रही हैं।

महात्मा ज्योतिबा फुले का राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान : भजनलाल शर्मा

प्रधानमंत्री की पहल पर देशभर में मनाई जा रही ज्योतिबा फुले की 200वीं जयन्ती

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने समाज सुधार एवं राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने अपनी पत्नी सावित्री बाई फुले के साथ मिलकर महिला शिक्षा की अलख जगाई तथा सामाजिक जागरूकता को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार भी महिला शिक्षा, सशक्तीकरण और समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरन्तर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से महात्मा फुले के जीवन से प्रेरणा लेकर केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने में सक्रिय भागीदारी निभाने का आव्हान किया। मुख्यमंत्री शुक्रवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने फुलेजी की 200वीं जयंती पूरे देश में दो वर्ष तक मनाने का निर्णय लिया है। इसकी शुरुआत 11 अप्रेल से हो चुकी है और यह उत्सव 11 अप्रैल 2028 तक मनाया जाएगा। इसके लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है। उन्होंने भूपेन्द्र सैनी को इस समिति में शामिल किए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने हिंडौली में महात्मा फुले एवं सावित्रीबाई फुले की जीवनी पर आधारित पैनोरमा और पुस्तकालय निर्माण का संकल्प लिया है। प्रदेश के हर ब्लॉक में सावित्री बाई फुले ई-लाइब्रेरी तथा समस्त जिलों में महात्मा ज्योतिबा फुले आदर्श विद्यालय स्थापना का निर्णय लिया गया है। वहीं, 16 सावित्री बाई फुले छात्रावास के नये भवनों का निर्माण करवाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई फुले की प्रतिमाओं को नमन किया।

■ फुले के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज को जागरूक करने में सक्रिय भागीदारी निभाएं : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि माली समाज का इतिहास अत्यंत गौरवशाली है तथा इस समाज का धरती माता के साथ लगाव बहुत गहरा है। इसीलिए इस समाज को धरती पुत्र के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 23 से 25 मई तक जयपुर में ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम)-2026 का आयोजन किया जाएगा। जिससे किसान परम्परागत से स्मार्ट खेती की ओर अग्रसर हो। सम्मेलन में किसान, शिक्षाविद्, कृषि वैज्ञानिक, नीति निर्माता मिलकर खेती को लाभकारी बनाने एवं किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य को लेकर गहन विचार-विमर्श करेंगे।

उन्होंने आमजन को इस मीट से अधिक से अधिक संख्या में जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, सांसद मदन राठौड़, राजेन्द्र गहलोत, विधायक बालमुकुन्दाचार्य, पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री कैलाश चौधरी, पूर्व विधायक प्रभुलाल सैनी सहित बड़ी संख्या में सैनी समाज के लोग उपस्थित रहे।

आमेर-नाहरगढ़-जयगढ़ रोपवे की प्रारंभिक मंजूरी पर अंतरिम रोक

हाईकोर्ट ने 2 फरवरी के आदेश पर रोक लगाते हुए राज्य सरकार और निजी कंपनी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आमेर-नाहरगढ़-जयगढ़ पर रोपवे बनाने के लिए निजी कंपनी को दी प्रारंभिक मंजूरी के गत 2 फरवरी के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार और निजी कंपनी को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश शिवमप्राइम इंफा प्रोजेक्ट्स प्रा. लि. की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता अभि गोयल ने बताया कि राज्य सरकार ने आमेर- नाहरगढ -जयगढ पर रोपवे निर्माण की घोषणा की थी। जिसमें याचिकाकर्ता सहित तीन कंपनियों ने जिला कलेक्टर के समक्ष आवेदन किया था।

याचिका में कहा गया कि गत 2 फरवरी को निजी कंपनी को रोपवे के लिए प्रारंभिक मंजूरी दे दी गई, जबकि उनकी ओर से परियोजना की लागत करीब 350 करोड रुपए बताई गई। जिसमें वन क्षेत्र का भारी दोहन होने की भी संभावना है। इसके अलावा याचिकाकर्ता की ओर से परियोजना की लागत केवल 80 करोड रुपए की बताई गई है और वन भूमि का कम से कम दोहन की भी जानकारी दी गई। इसके बावजूद भी उस कंपनी को रोपवे के लिए प्रारंभिक मंजूरी दे दी गई। याचिका में कहा गया कि इस लागत से रोपवे बनने पर आमजन के लिए टिकट भी अधिक राशि का वसूल किया जाएगा और वन भूमि का भी अधिक दोहन होगा। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने प्रारंभिक मंजूरी के आदेश पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

अम्बेडकर डीबीटी वाउचर योजना बनी विद्यार्थियों का सशक्त संबल

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित अम्बेडकर डीबीटी वाउचर योजना प्रदेश के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों (बालकों) के लिए एक सशक्त सहारा बनकर उभर रही है। विगत ढाई वर्षों में 11 करोड रूपये से अधिक व्यय कर 7314 छात्रों को योजना के तहत लाभान्वित किया जा चुका है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने बताया कि विभाग की इस महत्वाकांक्षी योजना के माध्यम से उन छात्रों (बालकों) को आर्थिक सहयोग प्रदान किया जा रहा है, जो उच्च शिक्षा के लिए अपने गृह स्थान से दूर रहकर जिला मुख्यालयों पर स्थित राजकीय महाविद्यालयों में अकादमिक पाठयक्रमों में अध्ययन कर रहे हैं, तथा किराये का मकान लेकर अथवा पेईंग गेस्ट के रूप में रह रहे हैं। पूर्णतः राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित इस योजना के अंतर्गत स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय) के विद्यार्थियों को आवास, भोजन एवं बिजली-पानी जैसी आवश्यक सुविधाओं के लिए 2000 प्रतिमाह (अधिकतम 10 माह) की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इससे छात्रों (बालकों) को प्रति वर्ष 20 हजार तक का प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है, जो उनकी शिक्षा यात्रा को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राज्य सरकार द्वारा योजना के तहत 5000 विद्यार्थियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसमें अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए 1500-1500, अन्य पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग के लिए 750-750 तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 500 छात्रों को शामिल किया है।

बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। प्रतापनगर पुलिस ने वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए वर्ष 2023 से फरार चल रहे दो हजार रुपए के इनामी बदमाश संदीप उर्फ सन्या को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं।

नकली सोने की ईंट बेचने वाले मेवात गैंग के दो शातिर गिरफ्तार

जयपुर। कानोता थाना पुलिस ने नकली सोने की ईंट बेचकर लोगों से ठगी करने वाले मेवात क्षेत्र के एक शातिर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 500 ग्राम वजनी पीली धातु की नकली सोने की ईंट, दो मोबाइल फोन, दो फर्जी सिम कार्ड तथा वारदात में प्रयुक्त काले रंग की लग्जरी स्कॉर्पियो गाड़ी बरामद की है। दोनों आरोपी कई अन्य मामलों में भी वांछित बताए जा रहे हैं।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि कानोता थाना पुलिस ने नकली सोने की ईंट बेचकर लोगों से ठगी करने वाले मेवात क्षेत्र के एक शातिर बदमाश रासीद उर्फ भूरा (33) पुत्र हारूण निवासी गांव जाज्मका, थाना कैथवाड़ा जिला डीग तथा जाकिर हुसैन (42) पुत्र नूर मोहम्मद निवासी अकबरपुर मेव, थाना सीकरी जिला डीग को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार रासीद उर्फ भूरा के खिलाफ पूर्व में अलवर जिले के नौगांवा थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज है और वह जेल भी जा चुका है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे मेवात क्षेत्र के रहने वाले हैं और सीधे-साधे तथा संपन्न लोगों को निशाना बनाकर ठगी करते थे। आरोपी पहले कम कीमत में सोना बेचने का झांसा देते और विश्वास जीतने के लिए असली सोने का छोटा टुकड़ा जांच के लिए देते थे। बाद में सुनसान स्थान पर बुलाकर नकली सोने की ईंट थमा लाखों रुपए लेकर फरार हो जाते थे। कानोता थानाधिकारी मुनीन्द्र सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि जयंती नगर, आगरा रोड क्षेत्र में स्कॉर्पियो सवार दो व्यक्ति नकली सोने की ईंट बेचकर लोगों को ठगने की फिराक में घूम रहे हैं। सूचना पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंघल के निर्देशन में विशेष टीम ने कार्रवाई की।

सीवर लाइनों की सफाई के लिए क्या अपनाई जा सकती है रोबोटिक तकनीक?

झोटवाड़ा में दो श्रमिकों की मौत से जुड़े मामले में हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा

■ राज्य सरकार की ओर से अदालत में बताया गया कि झोटवाड़ा में दो श्रमिकों की मौत के बाद संबंधित ठेकेदार का ठेका निरस्त कर दिया गया है। मृतकों के परिजनों को 15 लाख रु. की आर्थिक सहायता, संविदा पर नौकरी और डेयरी बूथ आवंटित करने का निर्णय लिया है।

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने झोटवाड़ा इलाके में सफाई के दौरान दो श्रमिकों की मौत से जुडे मामले में राज्य सरकार से पूछा है कि क्या सीवर लाइनों की सफाई के लिए रोबोटिक तकनीक अपनाई जा सकती है। जस्टिस पीएस भाटी और जस्टिस विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ ने यह आदेश स्नेहांश फाउंडेशन की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में निगम आयुक्त ओम कसेरा, झोटवाडा जोन उपायुक्त मनीषा यादव और संबंधित ठेकेदार सहित अन्य अधिकारी पेश हुए। वहीं राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि संबंधित ठेकेदार का ठेका निरस्त कर दिया गया है। वहीं मृतकों के परिजनों को पन्द्रह लाख रुपए की आर्थिक सहायता, संविदा पर नौकरी और डेयरी बूथ आवंटित करने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान अदालत के सामने आया की कई जगहों पर रोबोटिक तकनीक से सफाई कार्य किया जा रहा है। इस पर अदालत ने इस बिंदु पर राज्य सरकार से जवाब पेश करने को कहा है।

जनहित याचिका में अधिवक्ता पहल सक्सैना ने बताया कि प्रदेश में हाथ से मैला ढोने वालों के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013 के प्रावधानों की अवहेलना की जा रही है। जयपुर और जोधपुर जैसे बड़े शहरों में सरकार इस अधिनियम के प्रावधान लागू करने में विफल रही है। जिसके चलते हाथ से मैला ढोने और सीवर की सफाई के दौरान दुखद घटनाएं हुई हैं। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि गत 17 अप्रैल को सीवर की सफाई के लिए दो मजदूर को चैंबर में उतारा गया। जिससे दम घुटने से उनकी मौत हो गई, जबकि मैनहोल की सफाई मशीनों से करने का प्रावधान है। सीवर सफाई का कार्य नगर निगम के अधिकारियों के निर्देश और मार्गदर्शन में होता है। ऐसे में ऐसी घटनाओं के लिए वे जिम्मेदार है।

सार-समाचार

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोह 11 को

जयपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर 11 मई को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से जयपुर स्थित बिरला इस्टीटयूट ऑफ सांइटिफिक रिसर्च के ऑडिटोरियम में एक दिवसीय राज्य स्तरीय समारोह होगा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की शासन सचिव डॉ. आरुषि मलिक ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा होंगे। विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा तथा मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास भी समारोह में शामिल रहेंगे। डॉ. आरुषि मलिक ने सभी शिक्षण संस्थान, नवप्रवर्तक, स्टार्टअप्स एवं आमजन को इस आयोजन में सक्रिय सहभागिता हेतु सादर आमंत्रित किया है। ज्ञात रहे कि 11 मई, 1998 को पोखरण में ऑपरेशन शक्ति के तहत परमाणु परीक्षण किए थे। इसी की स्मृति में प्रतिवर्ष 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस भारत की वैज्ञानिक क्षमता, आत्मनिर्भरता एवं नवाचार आधारित विकास के संकल्प का प्रतीक है। समारोह में कार्यशील वैज्ञानिक एवं तकनीकी मॉडल व"सतत भविष्य हेतु प्रौद्योगिकी" विषय पर चित्रकला प्रतियोगिताएं होंगी,नवप्रवर्तको एवं विजेताओं का सम्मान होगा तथा नवाचार एवं तकनीकी प्रदर्शनी लगेगी। इस प्रदर्शनी में इसरो, डीआरडीओ,आईआईटी, जोधपुर, एमएनआईटी, जयपुर, बिट्स पिलानी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान भी भाग ले रहे हैं।

जयपुर में जुटेंगे देश के मनोरोग विशेषज्ञ

जयपुर। इंडियन एसोसिएशन ऑफ सौशियल साईकेट्री की मिड टर्म सीएमई 2026 का आयोजन 9-10 मई को राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर झालाना में जयपुर में होगा। सीएमई में भारत के विभिन्न प्रान्तों से करीब 200 से ज्यादा मनोरोग विशेषज्ञ शिरकत करेंगे। सीएमई का उद्घाटन शनिवार, दोपहर 2 बजे मुख्य अतिथि एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी करेंगे। गेस्ट ऑफ ऑनर राजस्थान हॉस्पिटल एवं स्वास्थ्य कल्याण ग्रुप के चेयरमैन और एसएमएस मेडिकल कॉलेज मनोरोग विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. शिव गौतम होंगे। आयोजन समिति के चेयरमैन डॉ. ललित बत्रा और सचिव आरएचएल साइकेट्रिक सेन्टर के चेयरमैन डॉ. राघव शाह ने बताया कि "आज के बदलते सामाजिक परिदृष्य का लोगो के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव विषय पर आयोजित सीएमई के उद्घाटन समारोह के पश्चात दिनभर चलने वाले तकनीकी सत्रों में मोबाइल फोन के बढते प्रयोग और बच्चों, युवाओं और अन्य वर्ग के लोगो में इससे होने वाली मानसिक बीमारी तथा बिखरते पारिवारिक ढांचे को लेकर विशेष चर्चा की जायेगी। सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीजीआई चंढीगढ के पूर्व मनोरोग विभागाध्यक्ष डॉ. देवाशीष बसु और वरिष्ठ साइकेट्रिस्ट डॉ. नितिन गुप्ता तथा एम्स नई दिल्ली के पूर्व विभागाध्यक्ष मनोरोग विभाग डॉ. राकेश चड्ढा विशेष स्पीकर होंगे। आयोजन समिति की ओर से डॉ. संजय जैन पूर्व विभागाध्यक्ष मनोरोग, एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर तथा वरिष्ठ मेडिकल ऑफिसर डॉ. सुनिल शर्मा सहित अनेक चिकित्सक वर्कशॉप में सक्रिय भूमिका निभायेंगे।

50 हजार गौवंश का टीकाकरण किया

जयपुर। पशुपालन, गोपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत का जन्मदिवस गौसेवा दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर प्रदेश के सभी पंजीकृत और अपंजीकृत गौशालाओं में बुधवार को एक दिवसीय पशु चिकित्सा और बांझपन निवारण शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों का उद्देश्य गौवंश के स्वास्थ्य संरक्षण और दुग्ध उत्पादन क्षमता बढ़ाने के साथ साथ पशुपालकों को विभागीय सेवाओं का लाभ एक स्थान पर उपलब्ध कराना था। इस अवसर पर प्रदेश के 41 जिलों में एक हजार से अधिक शिविरों का आयोजन हुआ जिसमें बड़ी संख्या में पशुपालकों ने भी भाग लिया। पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ सुरेशचंद मीना ने बताया कि शिविरों के दौरान चिकित्सकों ने गौवंश का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक उपचार करने के साथ साथ औषधियों का वितरण किया साथ ही बांझपन से प्रभावित गौवंशों की जांच कर उन्हें उपचार और कृत्रिम गर्भाधान संबंधी सेवाएं तथा उचित परामर्श भी उपलब्ध करवाया। मीना ने बताया कि इसके अतिरिक्त पशुओं को संक्रामक रोगों से सुरक्षित रखने के लिए 54 हजार से अधिक पशुओं का एफ एम डी टीकाकरण एवं एक हजार से अधिक पशुओं का बधियाकरण किया गया। पशुओं के स्वास्थ्य संवर्द्धन के लिए 27 हजार से अधिक पशुओं की डस्टिंग तथा 30 हजार से अधिक पशुओं को डोजिंग सेवाएं भी प्रदान की गईं। शिविरों में पशुपालकों को पशुओं के संतुलित आहार, स्वच्छता प्रबंधन आदि विषयों पर भी विस्तार से जानकारी दी गई।

सुरों की महफिल में गूंजे सदाबहार नग्मे

जयपुर। आज जाने की जिद ना करो.., रस्म-ए-उल्फत को निभाएं, कभी कभी मेरे दिल में.. जैसे सदाबहार नग्मों से समां में सुरमई रंग घुल गए। मौका था सृजन द स्पार्क जयपुर चैप्टर की ओर से आयोजित प्रथम इंटरचैप्टर 'मेलोडी मास्टर्स' कार्यक्रम का। जयपुर क्लब में आयोजित इस कार्यक्रम में सृजन द स्पार्क के देश व्यापी 12 चैप्टर्स में से दिल्ली, जोधपुर, उदयपुर और जयपुर चैप्टर्स से आए जाने-माने गीतकारों ने अपनी शानदार संगीतमय प्रस्तुतियां दीं। सभी प्रतिभागियों ने नए-पुराने मधुर गीतों के जरिए पूरे वातावरण को संगीत से सरोबार कर दिया। कार्यक्रम के दौरान संस्था के चीफ पैट्रन पूर्व आईपीएस प्रसन्न खमेसरा ने सृजन द स्पार्क की नई कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। इसमें चेयरमैन राजेश नवलखा, अध्यक्ष सम्प्रति सिंघवी, सचिव राजीव सिंघवी, आईपीपी सुरेश डड्ढा, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट राजीव बांगड़, वाइस प्रेसिडेंट राजेश काबरा, संयुक्त सचिव संजीव जैन, कोषाध्यक्ष संदीप नवलखा तथा हेड प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर राजीव नागोरी सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्यों ने शपथ ग्रहण की।

डीआरटी जयपुर की विशेष लोक अदालत में 550 से अधिक मामलों का निस्तारण

करीब 300 करोड़ रु. से ज्यादा की वसूली का रास्ता साफ

ऋण वसूली अधिकरण की ओर से लालकोठी स्थित कार्यालय में विशेष लोक अदालत आयोजित हुई।

जयपुर। ऋण वसूली अधिकरण (डीआरटी) जयपुर द्वारा शुक्रवार को लाल कोठी स्थित कार्यालय परिसर में आयोजित विशेष लोक अदालत में बड़ी सफलता हासिल की गई। लोक अदालत में विभिन्न बैंकों और एनबीएफसी संस्थानों से जुड़े 550 से अधिक मामलों का निस्तारण किया गया, जिससे करीब 300 करोड़ रुपए से अधिक की वसूली संभव हो सकेगी।

पीठासीन अधिकारी विमल गुप्ता ने बताया कि इस विशेष लोक अदालत के लिए करीब 3 हजार मामलों को सूचीबद्ध किया गया था। इनमें से बड़ी संख्या में मामलों का आपसी सहमति और समझौते के जरिए समाधान किया गया। उन्होंने इस सफलता का श्रेय डीआरटी बार काउंसिल जयपुर, पैनल में शामिल न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं, बैंक अधिकारियों और पक्षकारों के सहयोग को दिया। लोक अदालत की प्रक्रिया को प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए तीन अलग-अलग बेंच गठित की गई थीं। प्रथम बेंच की अध्यक्षता पीठासीन अधिकारी विमल गुप्ता ने की, जिसमें तनिषा खुबचंदनानी और ओ.पी. मिश्रा सदस्य रहे। द्वितीय बेंच में पूर्व पीठासीन अधिकारी मदनानी के साथ विक्रम जैन और निधि बिस्सा शामिल रहे। वहीं तृतीय बेंच की अध्यक्षता सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश हरिंदर सिंह ने की, जिसमें सी.पी. शर्मा और अदिति स्वामी सदस्य रहे। सुबह 10 बजे शुरू हुई सुनवाई देर शाम तक चली। इस दौरान पक्षकारों और बैंकों के बीच समझौते के माध्यम से लंबित प्रकरणों का निस्तारण किया। विमल गुप्ता ने डीआरटी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता कीर्ति कपूर, महासचिव राजकुमार, संयोजक अनिल शर्मा सहित अधिवक्ताओं, बैंक अधिकारियों और सहयोगी पक्षकारों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि यह दूसरी लोक अदालत थी। इससे पहले आयोजित पहली लोक अदालत में 290 से अधिक मामलों का निस्तारण हुआ था और लगभग 250 करोड़ रुपए की वसूली संभव हुई थी।

हवामहल के सामने युवती को टक्कर मारने वाला टैक्सी ड्राईवर गिरफ्तार

जयपुर। पुलिस थाना माणक चौक ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हवामहल के सामने एक युवती को लापरवाही से टक्कर मार कर घायल करने वाले टैक्सी चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने हादसे में प्रयुक्त टैक्सी कार को भी बरामद कर लिया है।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि एक युवक ने थाने पर एक रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि 5 मई की रात जब वह अपने मित्रों के साथ हवा महल घूमने आया था, तब वापस लौटते समय एक टैक्सी कार के चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और प्रार्थी की महिला मित्र को गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद आरोपी चालक घायल की मदद करने या पुलिस को सूचना देने के बजाय मौके से फरार हो गया। जांच में सामने आया कि हादसे के दिन टैक्सी चालक हवा महल के सामने से गुजर रहा था। वह हवा महल के सामने फोटो लेने के लिए कुछ दूरी पर गाड़ी रोककर टैक्सी को बैक साइड (पीछे) में चला कर ला रहा था। इसी दौरान उसने लापरवाही बरतते हुए पीछे आ रही स्कूटी को टक्कर मार दी। इस मामले में गठित विशेष टीम ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और आसूचना संकलित की।

बाघिन "भक्ति" के दोनों शावक स्वस्थ

जयपुर (कासं)। नाहरगढ़ जैविक उद्यान की टाइगर सफारी में बाघिन 'भक्ति' से जन्मे दोनों बाघ शावक स्वस्थ हैं। वन विभाग और वन्यजीव चिकित्सकों की टीम द्वारा उनकी विशेष निगरानी की जा रही है। शावकों का जन्म 18 अप्रैल को हुआ था।

वन विभाग के अनुसार बाघिन भक्ति को वर्ष 2024 में वन्यजीव एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत पुणे जू से नाहरगढ़ जैविक उद्यान लाया गया था। वहीं नर बाघ को वर्ष 2024 में नागपुर चिड़ियाघर से लाकर दोनों की जोड़ी गई थी। अधिकारियों ने बताया कि जन्म के बाद बाघिन भक्ति का व्यवहार असामान्य पाया गया। वह शावकों को दूध नहीं पिला रही थी और उनकी स्थिति भी नाजुक बनी हुई थी। इसे देखते हुए पांच बत्ती स्थित पशु चिकित्सा पॉलीक्लिनिक द्वारा गठित मेडिकल बोर्ड की अनुशंसा पर दोनों शावकों को वन्यजीव चिकित्सालय की नियोनेटल केयर यूनिट में शिफ्ट किया गया, जहां उन्हें गहन चिकित्सा निगरानी और हैंड रियरिंग के तहत रखा गया है। वन्यजीव चिकित्सकों के अनुसार दोनों शावकों ने अब आंखें खोल ली हैं तथा उनकी गतिविधियां सामान्य पाई गई हैं।

शावकों के विभिन्न चिकित्सा परीक्षण भी कराए गए, जिनकी रिपोर्ट सामान्य आई है। नियोनेटल केयर यूनिट में शिफ्ट किए जाने के बाद दोनों शावकों के वजन में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। उनकी डाइट भी धीरे-धीरे बढ़ाई जा रही है तथा प्रतिदिन स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है।

चिकित्सकों द्वारा शावकों को आवश्यक विटामिन, मिनरल्स और अन्य दवाइयां दी जा रही हैं। साथ ही उनकी दैनिक गतिविधियों की सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से 24 घंटे निगरानी की जा रही है।

World Fair Trade Day 2026

Observed on May 9, World Fair Trade Day highlights the importance of ethical sourcing, fair wages, and sustainable production across global supply chains. The day encourages consumers to support products that prioritise workers' rights, environmental protection, and transparency. From coffee and cocoa to handicrafts and clothing, fair trade ensures that producers receive equitable compensation and safe working conditions. It also promotes gender equality and community development in vulnerable regions. By choosing fair trade goods, individuals play a small but meaningful role in building a more inclusive and responsible global economy.

#HANS HOLBEIN

"No pleasure without sorrow"

You can see the water level that fills it, these stems that are distorted by refraction, and exactly what is at stake if the container were to break

This is one of the most mind-bending, symbolically charged portraits you have ever seen in your life. And if you are 99.99 percent of people, you would have likely missed this phrase on the wall. It essentially translates to "No pleasure without sorrow" and it is the personal motto of this young gentleman named George Gisze.

An extremely successful medieval merchant, who spent nearly 12 years in London, managing a lucrative trading post, and he was the man in demand. The letters scattered across the composition, pinned to the wall, dangling from straps and falling from his hands, all of which are rendered in the modern equivalent of 4K, are perfectly legible and point to exactly how busy this young man was. And he wasn't just busy, but internationally engaged from all corners of Europe.

The Turkish carpet that covers the table, which is so exquisitely painted that you can see each and every one of its fibre, not only suggests his immense wealth and success, but nods to the fact that George was a participant in global trade. And yet, there is so much more. This is one of those paintings where every single detail is trying to tell you something and if you can break your eyes free from trying to read these words, or from trying to feel this rug, you might stumble on this Venetian Glass vase, a container that houses a collection of pink carnations.

In the visual culture of northern Europe, these had specific association with marriage, which in this case, was true. George was leaving London and returning to Germany to be married. This symbol says that he was spoken for. But that is not all that is housed in the glass container, because there are also what appear to be sprigs of Rosemary, and when com-

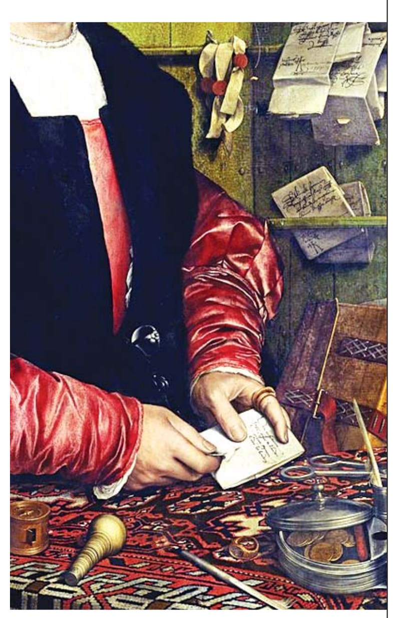

bined with flowers that point to his betrothal, George tells us that he is faithful and committed.

And while again, the expensive glassware might seem to nod to his material successes, it also points to something far more important because Hans Holbein masterfully paints this glass as clear. A motif that means that you can see the water level that fills it, these stems that are distorted by refraction, and exactly what is at stake if the container were to break.

Hans Holbein and his subject are telling us that life is a matter of balance. It is delicate and hangs at the edge of a thread and while all the material worldly successes are indeed a good thing, all good things fade away. These flowers will die. This glass will shatter. These letters that prove connection so too prove a great distance, all of these things are the rewards for his efforts but he hasn't forgotten the struggles that have gotten him here. The values instilled by trials and errors, the practicality of wooden walls and shears, to juxtapose the opulence of gold coins and silver trays, and alas in life, there is no pleasure without sorrow.

The Mystery of the Frozen Wolf Pup and the Woolly Rhino

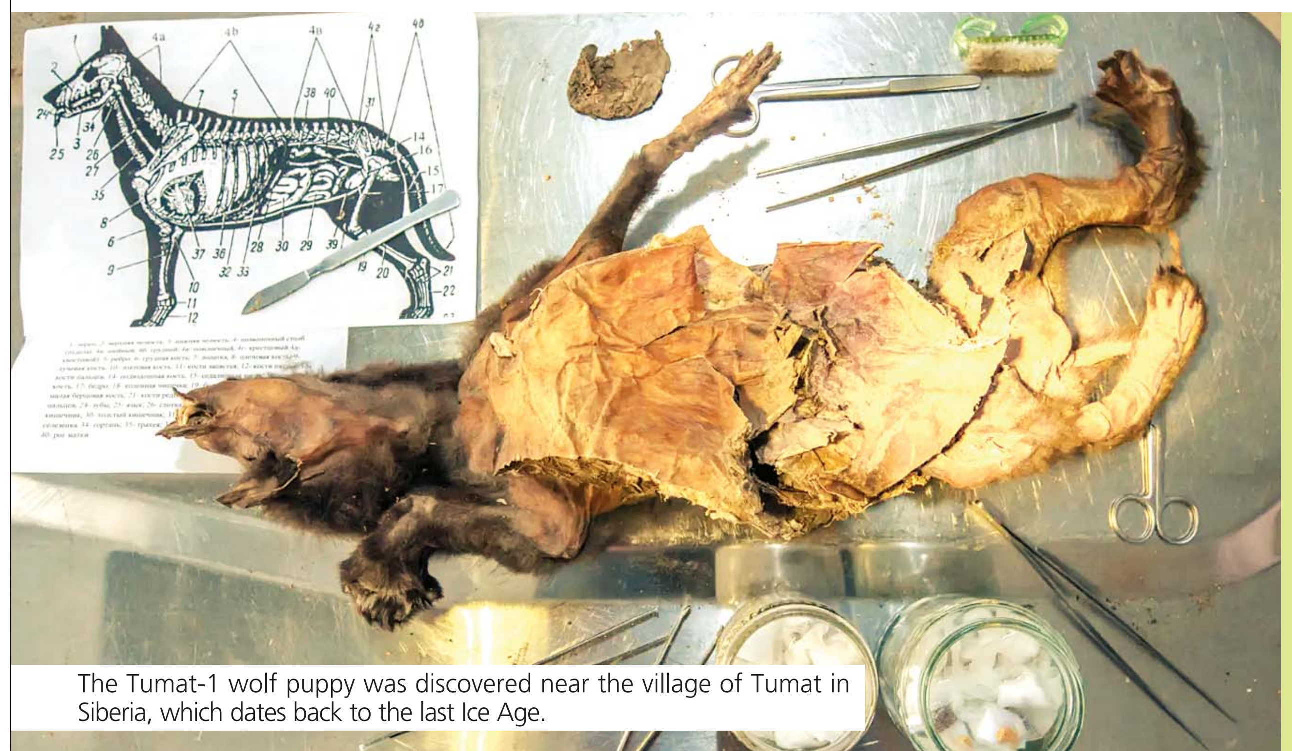

The Tumat-1 wolf puppy was discovered near the village of Tumat in Siberia, which dates back to the last Ice Age.

"Our results show that the woolly rhinos had a viable population for 15,000 years after the first humans arrived in northeastern Siberia, which suggests that climate warming rather than human hunting caused the extinction," coauthor Love Dalén, professor of Evolutionary Genomics at the Centre for Palaeogenetics, said in a statement.

One of the wolf cub siblings uncovered near Tumat.

● Verna Mohon

On the vast expanse of the Siberian steppe 14,000 years ago, a 2-month-old wolf pup gobbled down some woolly rhinoceros flesh. Moments later, its underground den collapsed, killing the pup and its sister.

The wolf's stomach contents, frozen in permafrost along with its corpse, have allowed scientists to sequence the DNA of one of the last known woolly rhinos, a horned ice giant that lived alongside mammoths. Now, the findings from the wolf's last meal are revealing clues about why the woolly rhino went extinct.

The research, which was published in the scientific journal *Genome Biology and Evolution*, represents the first time that scientists have been able to sequence the entire genome, the whole genetic code, of an animal found in the stomach of another animal, according to coauthor Camilo Chacón-Duque, a bioinformatician at the SciLifeLab Ancient DNA Unit at Uppsala University in Sweden.

"We were very excited because there are very little fossils from around this time when the woolly rhinoceros went extinct," said Chacón-Duque, who was previously a researcher at the Centre for Palaeogenetics at the University of Stockholm, where the research was conducted.

> Chacón-Duque said hair on the woolly rhino tissue was still intact, suggesting that the pup had barely begun digesting its meal before it died. "From the morphological analysis, it seems to be clear that they were just buried alive. They just died in an instant, and that's how it got to be preserved," he said. "I think there was not enough time for the digestive system to really penetrate the tissues."

Still covered in fur, the mummified wolf pup was found entombed in permafrost near the village of Tumat in 2011. An autopsy later uncovered a small fragment of preserved tissue in its stomach. Scientists were able to retrieve DNA from the tissue, which was 14,000 years old, and DNA sequencing revealed it was a species of woolly rhinoceros known as Coelodonta antiquitatis.

Chacón-Duque said hair on the woolly rhino tissue was still intact, suggesting that the pup had barely begun digesting its meal before it died. "From the morphological analysis, it seems to be clear that they were just buried alive. They just died in an instant, and that's how it got to be preserved," he said. "I think there was not enough time for the digestive system to really penetrate the tissues."

Woolly rhino tissue from stomach.

#WILDLY TRUE

Woolly rhino by Mammoth Museum of North Eastern Federal University, Yakutsk, Russia.

The wolf cub's sister was subsequently found in 2015, and neither showed signs of being attacked or injured. A study published last year noted they likely died when their underground den collapsed as a result of a landslide. That study suggested that wolves would have been able to hunt juvenile woolly rhinos. Adult woolly rhinos would have been similar in size to the largest living rhinoceros species.

With its long hair, the woolly rhino adapted to cold conditions and lived across northern Eurasia during the last ice age. Its range gradually contracted eastward starting 35,000 years ago, the study said, but it persisted in northeastern Siberia and had been assumed to have gone extinct sometime after 18,400 years ago.

While woolly rhino fossils are relatively common in the fossil record, few remains have been found from the estimated time of its extinction, and none have yielded genetic information, making the wolf's stomach contents valuable to researchers.

Chacón-Duque said that it was difficult to map the genome from the woolly rhino's DNA sample because the presence of wolf DNA in the stomach complicated the analyses. For example, both the wolf and rhinoceros were equally old, so they could not use patterns of degradation as a tool to identify the ancient DNA. Instead, Chacón-Duque and his colleagues used the woolly rhino's closest living relative, the Sumatran rhino, as a guide.

Once they had sequenced the sample, they compared the genome with two other genomes sequenced from woolly rhino fossils found preserved in the Siberian permafrost, dated to 18,000 years ago and 49,000 years ago, respectively.

The permafrost preserves ancient DNA particularly well, and scientists have recovered DNA molecules dating back 2 million years from the planet's northernmost reaches.

The three genomes allowed the researchers to examine how the species' genetic diversity, such as levels of inbreeding and the number of harmful mutations, changed through time during the last ice age.

The study found no signs of genetic deterioration as the species approached extinction, suggesting that the woolly rhinoceros probably maintained a stable and relatively large population until just before the species disappeared.

Its extinction must have happened relatively quickly, the researchers concluded, probably as the result of global warming at the conclusion of the last ice age, which ended around 11,000 years ago.

"Our results show that the woolly rhinos had a viable population for 15,000 years after the first humans arrived in northeastern Siberia, which suggests that climate warming rather than human hunting caused the extinction," coauthor Love Dalén, professor of Evolutionary Genomics at the Centre for Palaeogenetics, said in a statement.

> Scientists also made another surprising discovery: the DNA from the woolly rhino found in the wolf's stomach was remarkably well-preserved and healthy. This gave researchers hope that further exploration of permafrost may yield even more complete and undisturbed DNA from ancient creatures. It could be the key to unlocking more about the genetic makeup of extinct species...

Previously, the two wolf pups had been thought to be early domesticated dogs or tamed wolves. However, the 2025 study said that there was no evidence the two animals had come into contact with humans.

The DNA analysis suggests that the woolly rhino population was healthy and not dying out due to inbreeding or poor genetics. This strengthens the theory that rapid environmental shifts at the end of the last Ice Age, rather than genetic collapse, led to their extinction.

Frozen in Time

The true cause of the wolf's death remains a mystery. Some speculate that it may have died due to illness, or perhaps, it fell victim to another predator. Regardless, the preservation of its body was nothing short of miraculous. The permafrost acted as a time capsule, preserving this wolf pup in a way that would have been impossible under normal circumstances.

The Healthy DNA of the Woolly Rhino

Scientists also made another surprising discovery: the DNA from the woolly rhino found in the wolf's stomach was remarkably well-preserved and healthy. This gave researchers hope that further exploration of permafrost may yield even more complete and undisturbed DNA from ancient creatures. It could be the key to unlocking more about the genetic makeup of extinct species, offering scientists new insights into the flora and fauna that once dominated the planet.

Though this discovery raises more questions than answers, it also opens up exciting possibilities. The link between the wolf and the woolly rhino offers a rare glimpse into the complexities of ancient ecosystems, how different species interacted, competed, and lived side by side in a world that no longer exists. And for the first time, thanks to the permafrost, we can peer directly into the lives of these extinct creatures, preserving their stories through science and genetic research.

rajeshsharma1049@gmail.com

Illustration of a woolly rhinoceros.

#DARSHANAM ART GALLERY

Art, Community, and a Sense of Gratitude

The exhibition served as a bridge between Jaipur's vibrant artistic heritage and contemporary creativity

A magnificent confluence of Tribal, Contemporary, and Traditional art was witnessed, where not just Jaipur but the diverse hues of India were showcased on canvas. The occasion was a special art exhibition organized on Saturday by ICA and Darshanam Art Gallery, located in C-Scheme.

On this occasion, internationally acclaimed American art historian and collector Mitchell S. Crites, along with social entrepreneur Sadhana Garg, graced the event as chief guests. Renowned art curator Vijendra Bansal, Abhinav Bansal from the gallery, Thakur Dushyant Singh Nayla, Thakur Hamendra Singh Beda, artist Vidyasagar Upadhyay, and several prominent art lovers, artists, and distinguished guests from the city were also present.

The exhibition served as a bridge between Jaipur's vibrant artistic heritage and contemporary creativity. It featured exceptional works by renowned artists from across India and abroad. These included Padma Shri awardee Bhuri Bai, Chintan Upadhyay, and master artist Riyazuddin, along with several eminent artists such as Ankit Patel, Gaurishankar Soni, Wolf (Ritu and Surya), Kalu Ram Panchal, Manish Sharma, Meenu Srivastava, Nagdas, Nandan Ghiya, Nannu Singh, Prabhati Lal Saini, Raja Babu Sharma, Ravi Thakur, Sheikh Usman Tirandaz, Shishir Bhatt, Sumit Sen, Suneet Ghildiyal, Vicky Babu, Vidyasagar Upadhyay, Vinay Sharma, Yunus Khimani, Baldev Mandavi, Lado Bai, Krishnanand Jha, Prakash Jogi, Mahanama Devi, Pisadu Ram Mandavi, Tanjima Kar Sekh, Pushpa Kumari, Teju Ben Jogi, Sudhayadas S, and Sumantra Sengupta.

The event was organized as a new and visionary initiative dedicated to art, community, and gratitude in the city. It was a tribute to Jaipur's cultural soul and to the artists who continuously shape and enrich its heritage.

THE WALL

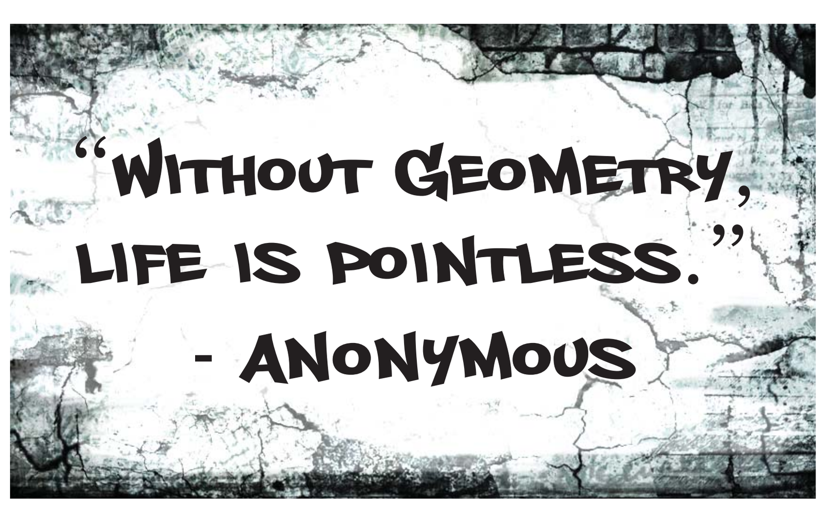

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

संक्षिप्त

'जनगणना अभियान में छात्राएं सहभागिता निभाएं'

वजीरपुर। राजकीय कन्या महाविद्यालय में ''जनगणना- 2027 अभियान में विद्यार्थियों की सहभागिता'' विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ। नोडल अधिकारी प्रो.रमेश बैरवा ने जनगणना अभियान को सफल बनाने में युवा विशेषकर छात्राओं को सक्रीयता से सहभागी बनने के लिए प्रेरित किया। छात्राओं को जनगणना एप का उपयोग कर अपने परिवार, गांव, मौहल्ला की महिलाओं, बुजुर्गों को ऑनलाइन जानकारी भरवाने में मदद करनी चाहिए। साथ ही जिला प्रशासन की ओर से राजकीय कन्या महाविद्यालय वजीरपुर में 1 मई से 9 मई तक जारी जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए महाविद्यालय की तरफ से समुचित व्यवस्था उपलब्ध करवाई जा रही है। मुख्य वक्ता भूगोल प्राध्यापक डॉ. ऋषिकेश गुर्जर ने बताया कि जनगणना 2027 भारत की पहली डिजिटल जनगणना होगी इसमें मोबाइल के माध्यम से जानकारी एकत्र की जाएगी। इससे इतनी विशाल आबादी वाले हमारे देश के आंकड़े अधिक तेजी और कुशलता से उपलब्ध हो सकेंगे। जनगणना की विस्तृत जानकारी विद्यार्थियों के कैरियर के लिए भी अत्यंत उपयोगी है। कार्यक्रम में संकाय सदस्य डॉ. संपूर्णानंद गौतम, डॉ.भूरसिंह गुर्जर, महेंद्र कुमार धोबी तथा पिंकी माली, किरण मीणा, राशि उपाध्याय, पायल सैनी, काजल कुमारी बैरवा, जमुना मीणा, संजू बैरवा, मनीषा बैरवा, वैष्णवी महावर, नीलम जाटव, चेल्सी मित्तल, उषा कुमारी जाटव, मुस्कान मीणा, प्रिया बैरवा, संजना बैरवा,पार्वती मीणा, सुमन कुमारी मीणा, काजल, अंजलि महावर सहित बड़ी संख्या में छात्राएं शामिल रही।

टूटा फेरो कवर दे रहा हादसों को न्योता

फुलेरा । कस्बे के समीपवर्ती गांव काचरोदा में जयपुर-फुलेरा रेलमार्ग पर स्थित रेलवे समपार फाटक संख्या 249 के पास बने अंडरपास संख्या 34184 के सामने नाले पर लगाया गया फेरो कवर इन दिनों पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है। फेरो कवर पर लगे लोहे के पाइपों की वेल्डिंग टूट जाने से कई स्थानों से पाइप उखड़ गए हैं, जिससे यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों और राहगीरों के लिए हादसे का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग गांव के लोगों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्र के वाहनों की आवाजाही का प्रमुख रास्ता है। फेरो कवर टूटने के कारण रात के समय दुर्घटना की आशंका और अधिक बढ़ जाती है। कई बार दोपहिया वाहन चालक असंतुलित होकर गिर चुके हैं, लेकिन अब तक संबंधित विभाग द्वारा कोई सुधार कार्य नहीं कराया गया है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि समस्या की जानकारी कई बार जिम्मेदार अधिकारियों को दी जा चुकी है, इसके बावजूद विभाग मौन बना हुआ है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही फेरो कवर की मरम्मत नहीं करवाई गई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने रेलवे एवं प्रशासन से मांग की है कि आमजन की सुरक्षा को देखते हुए क्षतिग्रस्त फेरो कवर को शीघ्र दुरुस्त कराया जाए, ताकि संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

'मीराबाई ने गृहस्थ जीवन में भजन भी किया'

राजगढ़। नगरपालिका क्षेत्र के थाना राजाजी में चल रहे सात दिवसीय संत प्रवचन कार्यक्रम मैं शुक्रवार को भारी संख्या में महिला पुरुषों का जन सैलाबउमड़ा। कार्यक्रम के दूसरे दिन कहा कि पति पत्नी के एक दूसरे के सम्मान से भगवान प्रसन्न होते हैं एवं घर में शांति का वास होता है। उन्होंने कहा कि मीराबाई ने पतिव्रत पालन करते गृहस्थ जीवन में भजन भी किया। इसी दौरान सत्संग में आए संतों का आयोजन समिति की ओर से माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। भगवान के भजन का महिला एवं पुरुषों को समान अधिकार है किसी को विशेष दर्जा नहीं। भक्ति एवं सत्संग हर जीव कर सकता है। दौरान स्वामी घनश्याम दास ने अपने प्रवचन मे सबरी के जीवन के बारे में वर्णन करते कहा कि प्रत्येक जीव को भक्ति पर इतना विश्वास हो कि वह प्रभु को रिझाने को मजबूर कर दे। इस कार्यक्रम में आसपास के क्षेत्र के भारी संख्या में महिला पुरुषों ने सत्संग का लाभ उठाया। कमेटी के सुरेन्द्र चौधरी ने बताया कि बाहर से पधारे संतो के साथ साथ सभी भक्तों का भी रहने और भोजन प्रसादी का इंतजाम प्रवचन स्थल पर ही रखा है। उन्होंने बताया कि दस मई कोई योग गुरु बाबारामदेव के गुरु आचार्य डॉ प्रद्युमन महाराज राजगढ़ के थाना राजाजी में प्रवचन में शामिल होंगे। उन्होंने अधिक से अधिक सुधी श्रोताओं से इस कार्यक्रम का लाभ उठाने की अपील की है।

अवैध कॉलोनियों पर बीडीए का बड़ा एक्शन, 18 हेक्टेयर भूमि अतिक्रमण मुक्त

भरतपुर (निस)। भरतपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अवैध कॉलोनियों एवं अतिक्रमण के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को लगभग 18 हेक्टेयर भूमि को अतिक्रमण मुक्त

■ **करीब 250 अवैध भूखण्डों को ध्वस्त किया**

कराया गया। प्राधिकरण के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने पैराफैरी क्षेत्र में आने वाले रीको रोड से हथैनी रोड एवं आसपास के क्षेत्रों में अवैध प्लाटिंग और निर्माणों पर कार्रवाई करते हुए करीब 250 अवैध भूखण्डों को ध्वस्त किया अतिक्रमण प्रभारी अधिकारी तहसीलदार मुकेश मीणा ने बताया कि पूर्व में 31 अक्टूबर 2025 की कार्यवाही की निरन्तरता में 07 मई को ठााम नौह, नगला लोधा, बराखुर, जघीना नंबर-4 एवं भवनपुरा क्षेत्रों में जेसीबी मशीनों की सहायता से अवैध रूप से विकसित की गई 6 कॉलोनियों पर कार्रवाई की गई।

इस दौरान अवैध रूप से बनाए गए रास्तों को भी खोदकर समाप्त किया गया तथा अवैध प्लॉटिंग को पूरी तरह ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमण प्रभारी अधिकारी मौके पर मौजूद अतिक्रमणकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे नियमानुसार भू-उपयोग परिवर्तन करवाकर ही ले-आउट अनुमोदित कराएं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि बिना अनुमति विकसित की जा रही कॉलोनियों के विरुद्ध आगे भी निरंतर कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। इस दौरान मौके पर सहायक अभियंता दिनेश कुमार, कनिष्ठ अभियंता संजय मीना, भू-अभिलेख निरीक्षक ज्ञानसिंह नीमेश एवं पटवारी लोकेश शर्मा सहित प्राधिकरण का अतिक्रमण निरोधक दस्ता मौजूद रहा।

भरतपुर विकास प्राधिकरण ने अवैध कॉलोनियों व अतिक्रमण के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की।

कृषि मंत्री भागीरथ का स्वागत

टोंक। केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी जो भक्त शिरोमणि भगवान धन्ना भगत की तपोस्थली जाते समय टोंक विधानसभा के ग्राम छान में रूके। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार की किसान हितैषी योजनाओं और कृषि विकास कार्यों को लेकर मंत्री के नेतृत्व की सराहना की।

इस मौके पर केंद्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार किसानों के उत्थान और कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। मंत्री ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र सरकार व राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि तकनीक को बढ़ावा देने और ग्रामीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को और मजबूत बनाने तथा सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के हित में अनेक ऐतिहासिक योजनाएं लागू की गई हैं, जिनका लाभ देशभर के किसानों को मिल रहा है।

सार-समाचार

कथा में समुद्र मंथन का प्रसंग सुनाया

पावटा । क्षेत्र के पावटा कस्बा स्थित बाबा भूतनाथ मंदिर जोहड़ा धाम पर मंहत जयराम दास महाराज के सान्निध्य में आयोजित 21 कुण्डीय रुद्र महायज्ञ के चौथे दिन भक्तिमय माहौल बना। श्रद्धालु यज्ञ मंडप के चारों ओर परिक्रमा कर रहे थे। वही यज्ञाचार्य द्वारकेश मिश्रा के नेतृत्व में वैदिक मंत्रोचार के बीच हवन कार्य करवाया जा रहा था। वही महिला श्रद्धालु यज्ञ मंडप की परिक्रमा लगाते नजर आए। वही नौ दिवसीय शिव महापुराण कथा के चौथे दिन कथावाचक राम पाठक महाराज ने श्रद्धालुओं को शिवमहापुराण कथा के प्रवचन में नारी धर्म व गणेश जी का प्राकट्ययोत्सव का प्रसंग सुनाया। वही पांचवें दिन जालंधर वध व शालीठाम स्थापना की कथा सुनाई । वही छठे दिन कथा वाचक राम पाठक महाराज ने श्रद्धालुओं को समुद्र मंथन का प्रसंग सुनाया। उन्होंने समुद्र मंथन के पीछे का कारण, देवताओं और असुरों की आपसी सहमति और विष निकलने के बाद शिव की भूमिका, राहु-केतु का उद्गम का वर्णन किया। यह कथा शिव के नीलकंठ होने से भी जुड़ी है, जो दुर्वासा ऋषि के शाप के कारण उत्पन्न हुई थी। उन्होंने कहा कि समुद्र मंथन केवल पौराणिक कथा नहीं, बल्कि जीवन की कठिनाइयों से जूझते हुए धैर्य, सहयोग और संतुलन बनाए रखने का प्रतीक है। मंथन से निकले अमृत, विष और अन्य रत्नों का गहराई से आध्यात्मिक विश्लेषण करते हुए उन्होंने कहा कि यह प्रसंग मानव जीवन के आत्मिक मंथन का भी प्रतीक है। यह पुराण केवल धार्मिक ठांथ नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाला अमूल्य मार्गदर्शक है। वही उन्होंने पिप्पलाद अवतार का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि पिप्पलाद ने अपने जीवन में धर्म और सत्य का प्रचार किया। उन्होंने समाज को यह सिखाया कि तपस्या, ज्ञान, और भक्ति से ही संसार के कष्टों को दूर किया जा सकता है। उन्होंने धर्म का मार्ग प्रशस्त किया और शनिदेव के प्रभाव से पीड़ित लोगों को मुक्त किया। पिप्पलाद अवतार हमें सिखाता है कि भगवान अपने भक्तों की रक्षा के लिए किसी भी रूप में अवतरित हो सकते हैं। यह कथा धर्म, तप, और सत्य की शक्ति को दर्शाती है। इस दौरान भूतनाथ कमेटी संरक्षक रामवतार शर्मा, दिनेश शर्मा, मामराज स्वामी, सुशील गौड, विमल गर्ग , अध्यक्ष, विकास शर्मा, सचिव आकाश शर्मा, कोषाध्यक्ष विमल गर्ग, विजय शर्मा, हिमांशु शर्मा, तरुण शर्मा, महेद्र कुमावत, प्रदीप टाँक कार्तिक शर्मा, मोहित शर्मा, अमित बटवाल, धर्मेंद्र बटवाल, कानू शर्मा, बंटी शर्मा, दीपू जगदीशम सहित कमेटी सदस्यों ने व्यवस्थाएं संभाली व बताया कि प्रतिदिन सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक श्री रूद्र महायज्ञ व दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक शिव महापुराण कथा का प्रतिदिन वाचन किया जा रहा है। जिस पर सभी धर्म प्रेमी बंधुओ से प्रतिदिन कार्यक्रम में पधार कर कथा श्रवण करने की अपील की। वही नौ दिवसीय विराट संगीतमय शिव महापुराण कथा का समापन महाआरती, पूर्णाहुति व विशाल भंडारे के साथ 11 मई को बाबा भूतनाथ जोहडा धाम मंदिर में होगा।

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी पर अनियमितताओं के लगाये आरोप

भरतपुर (निस)। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी भरतपुर के संरक्षक सीताराम गुप्ता ने जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर सोसायटी को पुनः सक्रिय, पारदर्शी एवं जनहितकारी बनाने की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि रेडक्रॉस सोसायटी की स्थापना पीड़ित मानवता की सेवा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में राहत कार्यों के उद्देश्य से की गई थी, किंतु वर्तमान समय में भरतपुर इकाई अपने मूल उद्देश्यों से भटकती हुई प्रतीत हो रही है। प्राकृतिक आपदाओं एवं आपातकालीन घटनाओं के समय सोसायटी की सक्रिय भूमिका दिखाई नहीं देने से आमजन में इसकी कार्यप्रणाली को लेकर प्रश्नचिन्ह उत्पन्न हो रहे हैं। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि वर्तमान में सोसायटी के सचिव एवं अन्य पदाधिकारी संगठन के अध्यक्ष, वायस चेयरमेन व संरक्षक को कभी भी कार्यों, आय-व्यय एवं योजनाओं की जानकारी नही देते ! यहाँ तक की सोसायटी की बैठक भी नही होती है ! जिससे लगता है कि सोसायटी पूर्ण पारदर्शिता के साथ कार्य नहीं कर रही ! वर्तमान में सोसायटी का कार्यालय जनाना अस्पताल परिसर में है ! कार्यालय के पास सचिव का व्यापारिक प्रतिष्ठान होने के कारण व्यक्तिगत प्रभाव रहने की संभावना बनी रहती है। ऐसी स्थिति में निष्पक्ष एवं पारदर्शी कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने के लिए कार्यालय को जिला आरबीएम अस्पताल परिसर में स्थानांतरित किया जाना अधिक उपयुक्त रहेगा, जिससे प्रशासन की प्रत्यक्ष निगरानी एवं जनहितकारी संचालन सुनिश्चित हो सके। गुप्ता ने पत्र के माध्यम से सोसायटी के आय-व्यय का विस्तृत एवं निष्पक्ष ऑडिट करवाने, नियमित बैठकों का आयोजन करने तथा वार्षिक कार्ययोजना बनाकर सेवा एवं राहत कार्यों को प्रभावी रूप से संचालित करने की मांग की है। इसके अतिरिक्त वर्ष में कम से कम एक बार जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में विस्तृत बैठक आयोजित करने का सुझाव दिया गया, जिसमें अन्य सामाजिक एवं सेवा का कार्य करने वाली संस्थाओं को भी आमंत्रित किया जाए ताकि आपदा एवं राहत कार्यों में सभी का सक्रिय सहयोग को लिया जा सके। गुप्ता ने बताया कि राजस्थान के राज्यपाल महोदय के जयपुर में आयोजित वीडियो कोंफ्रेंसिंग के माध्यम से मार्गदर्शन बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि रेडक्रॉस सोसायटी के कार्यालयों को प्रशासनिक नियंत्रण एवं पारदर्शिता की दृष्टि से उपयुक्त स्थानों पर स्थानांतरित किया जाए। उसी निर्णय एवं दिशा-निर्देश की पालना मंक भरतपुर कार्यालय को भी जिला स्तरीय प्रशासनिक कार्यालयों के पास किया जाये ! पत्र में कहा है कि भरतपुर जिले में आये दिन सड़क दुर्घटना, आगजनी व प्राकृतिक आपदा जैसी घटनाएँ होती रहती हैं ! इन घटनाओं के राहत कार्यों में सोसायटी का कोई योगदान नहीं रहता ! यदि रेडक्रॉस सोसायटी सक्रिय रूप से घटनाओं में पीड़ित लोगों को राहत दिलाने का कार्य करे तो जिला प्रशासन को भी राहत कार्यों में सहयोग मिलेगा ! इन सुझावों पर समयबद्ध कार्यवाही होने से इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी पुनः अपने मूल उद्देश्यों के अनुरूप सक्रिय होकर जनसेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेगी।

सरिस्का टाइगर रिजर्व में आ रहे गांव के लोगों को जयपुर-दौसा बसाने की तैयारी

अलवर, (निसं)। बाघों के स्वच्छंद विचरण के लिए सरिस्का टाइगर रिजर्व में आ रहे गांव के लोगों को अब दूसरे जिलों में भी विस्थापित किया जाएगा। सरिस्का के 80 से अधिक परिवारों ने जयपुर व दौसा में बसने की इच्छा जाहिर की है। इसे लेकर सरिस्का विस्थापन प्रशासन ने राजस्व विभाग जयपुर को पत्र लिखकर जमीन मांगी है। इसी तरह अन्य 11 गांवों के लोगों को भी अलग-अलग जगह विस्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है। सरिस्का में 29 गांव है, जिसमें भगानी, रोट क्याला, उमरी, बाबली, पानी ढाल के ग्रामीणों को पूरी तरह विस्थापित कर दिया गया।

जल यात्रा 27 मई से

टोंक। निवाई में ईआरसीपी योजना के तहत ईसरदा बांध से नहरी तंत्र को जोड़ने की मांग को लेकर किसान महापंचायत संगठन ने 27 मई से जल यात्रा निकालेगी।

इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट के नेतृत्व में यह यात्रा किसानों को एकजुट कर खेत को पानी और फसल का उचित दाम दिलाने के लिए जन जागरण करेगी। किसान महापंचायत के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने निवाई उपखंड अधिकारी प्रीति मीणा, तहसीलदार नरेश गुर्जर, डीवाईएसपी रवि कुमार शर्मा, थानाधिकारी घासीराम मीणा, थानाधिकारी राजेंद्र प्रसाद और विकास अधिकारी नंदकिशोर शर्मा को जल यात्रा का निमंत्रण सौंपा।

उन्होंने पंचायत भवनों में रात्रि विश्राम की व्यवस्था उपलब्ध कराने की भी मांग की। ब्लॉक अध्यक्ष दशरथ सिंह चौहान ने बताया कि जल यात्रा का शुभारंभ 27 मई को ग्राम पहाडड़ी में कलश यात्रा के साथ होगा।

उसी दिन जामडोली में रात्रि चौपाल आयोजित की जाएगी। इसके बाद 28 मई को सैदरिया, 29 मई को भांवता, 30 मई को चतुर्भुजपुरा और 31 मई को ग्राम पंचायत पलेई में रात्रि चौपालों का आयोजन होगा। अभियान के दौरान सभी पंचायत मुख्यालयों पर नुक्कड सभाएं भी की जाएंगी।

देवली उप जिला अस्पताल में निशुल्क जॉचें खानापूर्ति बनी

देवली। शहर के उप जिला अस्पताल में निशुल्क जॉचे महज खानापूर्ति बनकर रह गई है। इसलिए की सरकारी अस्पताल में आने वाले मरीज निजी लैबों से जांच करवाने को मजबूर हो रहे है। इसी के चलते सरकारी अस्पताल में आने वाले मरीजों को निजी लेबो में जांच कराने पर आर्थिक मार झेलनी पड रही है । यह मामला देवली शहर के उप जिला अस्पताल का है। कि यहां सरकारी चिकित्सालय के चिकित्सक मरीजों को सरकारी अस्पताल में होने वाली निशुल्क जांचे तो लिख रहे हैं। लेकिन राजकीय चिकित्सालय की लैब पर बैठने वाले टेक्नीशिन लिखी गई की साधारण जांच को भी किसी न किसी बहाने की आड़ लेकर जांच करने से इंकार कर देते हैं। पीड़ित मरीज के अनुसार यहां लेब टेक्नीशियनो की मनमानी इस कदर बढ़ गई है कि। मरीज की निशुल्क जांच कौन सी करनी है या कौन सी नहीं करनी है ,सरकारी लेब टेक्निशियनों द्वारा यह निर्णय खुद लिया जा रहा हैं। लैब टेक्नीशियनो की ऐसी ही हटधर्मिता का मामला शुक्रवार को सामने आया है। मामला यह है कि देवली उपखंड के सावंतगढ ग्राम पंचायत का एक 70 वर्षीय किसान राधा किशन अपने बिगड़े स्वास्थ्य का परामर्श लेने देवली शहर के उप जिला अस्पताल पहुंचा जहां वृद्ध किसान राधा किशन ने चिकित्सालय में मौजूद चिकित्सक से परामर्श लिया।

इस पर चिकित्सक ने राधा किशन को चिकित्सालय में होने वाली निशुल्क अन्य जांचों के साथ सी, बी, सी, की सामान्य जांच पर्ची पर लिख दी। इस दौरान वृद्ध किसान राधा किशन राजकीय लेब पहुंचा और अपने स्वास्थ्य की सी, बी, सी जांच करने के लिए ब्लड सैंपल दे दिए। इसके पश्चात दोपहर एक बजे मरीज राधा किशन जांच रिपोर्ट लेने पहुंचा और जांच रिपोर्ट मांगी तो सरकारी लैब पर बैठे टेक्नीशियन ने उक्त मरीज को सी, बी, सी की जांच सरकारी लेब उपलब्ध नहीं होने की बात कह डाली, इस पर 70 वर्षीय पीड़ित किसान उल्टे पांव वापस अपने गांव लौट गया। लैब टेक्नीशियन की इस मनमानी पर राधा किसन ने बताया कि वह 10 किलोमीटर दूर सावंतगढ़ गांव से अपनी बीमारी का इलाज कराने राजकीय उप जिला अस्पताल आये यहां चिकित्सक ने उन्हें कुछ जांच करवाने के लिए कहा पीडित ने यह भी बताया कि चिकित्सक ने सभी जांच निशुल्क योजना के अंतर्गत लिखी थी। ऐसे में अन्य जांचे राजकीय चिकित्सालय की लेब मै हो गई लेकिन सी,बी,सी की जांच मशीन खराब होने का हवाला देकर उक्त जांच करने से इनकार कर दिया। उल्लेखनीय है कि देवली शहर के उप जिला अस्पताल में चिकित्सा विभाग ने एक सो 17 जांचे निशुल्क उपलब्ध करवाई हुई है। लेकिन निशुल्क जांचों के मामले में यहां स्थिति बिल्कुल विपरीत बनी हुई है। ऐसे मैं आपको बता दें कि अस्पताल में होने वाली निशुल्क एक सो 17 जांचों में से अगर कोई जांच किसी कारण वंश, अस्पताल की लैब में नहीं हो पा रही है । तो इसके लिए चिकित्सालय प्रभारी ने वाउचर के माध्यम से उक्त वंचित जांच करवाने की व्यवस्था बनाई हुई है। ऐसे मै राजकीय लैब पर जांच करने वाले टेक्नीशियन की मनमानी ऐसे सामने आई कि कार्यरत टेक्नीशियन ने उक्त किसान या अन्य मरीजों की सी,बी,सी जांच को वाउचर के माध्यम से नही करवाई। ऐसे में चिकित्सालय प्रभारी की बनाई गई इस सुविधा का लाभ उप जिला अस्पताल में आने वाले पीड़ित मरीजों को नहीं मिल पा रहा है।

अपराधी पर 50 हजार रूपये का इनाम घोषित

भरतपुर (निस)। महानिरीक्षक पुलिस भरतपुर रेंज कैलाश चन्द्र विश्नोई ने आदेश जारी कर कुख्यात इनामी हिस्ट्रीशीटर अपराधी शरबन उर्फ श्रवण उर्फ विहारी पुत्र साकीकामत निवासी बैंका बछोनी थाना मधुवनी विहार हाल नगला बालचंद थाना एत्माउद्दौला जिला आगरा, उत्तरप्रदेश पर 50 हजार रूपये का नकद इनाम घोषित किया है।

उन्होंने बताया कि अपराधी शरबन फरार चल रहा है, जो जिला पुलिस के भरसक प्रयासों के बावजूद भी गिरफ्तार नहीं हो रहा है। उन्होंने बताया कि अपराधी पुलिस थाना बयाना जिला भरतपुर में वांछित चल रहा है अपराधी के विरूद्ध उत्तरप्रदेश के मलपुरा पुलिस थाना आगरा में एक प्रकरण दर्ज है। उन्होंने बताया कि राजस्थान पुलिस नियम 1965 की धारा 4.18 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर उक्त हिस्ट्रीशीटर अपराधी को बन्दी बनाने या बन्दी करवाने या बन्दीकरण का विरोध किये जाने पर विधिसंगत आवश्यक शक्ति का प्रयोग कर, बन्दी बनायेगा या बन्दी बनाने के लिये सही सूचना देगा या बन्दी करवायेगा, उसको महानिरीक्षक पुलिस रेंज भरतपुर द्वारा 50 हजार रूपये का नकद पारितोषिक प्रदान किया जावेगा।

किराये से बैंक खाता खरीदकर 2,46,300 रूपये का साइबर फ्रॉड का आरोपी गिरफ्तार

■ **अभियान के तहत बैंक ऑफ बडोदा जोबनेर मे खुलवाये गये खातै की डिटेल सर्च की तो उक्त खाते के खिलाफ केरला, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, गुजरात आदि में साइबर फोड की 9 शिकायतें दर्ज होना पाया**

सांभरझील, (निसं)। जोबनेर पुलिस ने साइबर फ्रॉड करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि इस प्रकार के फ्रॉड करने वाले अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाया जाकर कार्रवाई को अंजाम दिया गया। अभियान के तहत बैंक ऑफ बडोदा जोबनेर मे खुलवाये गये खातै की डिटेल सर्च की तो उक्त खाते के खिलाफ केरला, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडू, पश्चिम बंगाल व तेलगांना में साइबर फोड की कुल 9 शिकायतें दर्ज होना व फ्रॉड की कुल राशि 2,46,300 रूपये जमा होना पायी गई। बैंक खाता दीपक चौधरी पुत्र रामस्वरुप ओला जाति जाट निवासी राजपूतों का मोहल्ला पचार थाना कालवाड जिला जयपुर के द्वारा खुलवाया जाना पाया गया। साईबर क्राईम शिकायतों व प्राप्त किये गये बैंक रिकार्ड के अनुसार दीपक चौधरी के द्वारा अपने अन्य साथी अपराधियों के साथ मिलकर षड्यन्त्र रचकर बैंक खाता खुलवाकर तथा कम्प्यूटर जनित यंत्रो का प्रयोग करते हुए भारत के 9 राज्यों में कुल 2,46,300 रुपये जमा करवाकर धोखाधडी करना पाया गया है। जांच रिपोर्ट से अभियुक्त दीपक चौधरी व अन्य के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर आरोपी को पूर्व में गिरफ्तार किया गया था।

आरोपी से पूछताछ की तो उसने बताया की मैने मेरा बैंक खाता किराये से देवेन्द्र कुमार चाहर पुत्र कुम्भाराम जाति जाट निवासी चाहरो की ढाणी पीपराली पुलिस थाना मारोठ जिला डीडवाना कुचामन को दे रखा है। प्रकरण में वांछित आरोपी देवेन्द्र कुमार चाहर की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा आसूचना संकलन व तकनीकी सहायता द्वारा अथक प्रयास करते हुए वांछित आरोपी देवेन्द्र कुमार चाहर को डीडवाना कुचामन से डिटेन कर बाद अनुसंधान गिरफ्तार किया गया है। अनुसंधान में पाया गया है की आरोपीगण फर्जी टेलीठााम आईडी से मैसेज करके पीडितों को कंपनी में पैसे इनवेस्ट करके 30 प्रतिशत मुनाफे का झांसा देकर बैंक खाते में साइबर फ्रॉड की राशि डलवाते हैं।

शराब ठेका खोलने की तैयारी, विरोध में उतरे कॉलोनी के लोग

■ **लोग दुकान के आगे धरना देकर बैठे हैं, इनमें महिलाएं भी शामिल हैं लोगों की मांग है कि शराब की दुकान नहीं खुले**

अलवर, (निसं)। अलवर शहर में भगत सिंह सर्किल के पास रोड नंबर दो पर दूध की दुकान को बंद कर उसकी जगह शराब की दुकान खोलने की तैयारी है। कॉलोनी के लोगों को पता चला तो वे शराब का ठेका खुलने से पहले ही विरोध में उतर आए।

लोग दुकान के आगे धरना देकर बैठे हैं, इनमें महिलाएं भी शामिल हैं। लोगों की एक ही मांग है कि यहां शराब की दुकान नहीं खुले। रोजाना उनकी बहन-बेटियां यहां से निकलती हैं। शराब बिकने लगेगी तो उनको लज्जित होना पड़ेगा। इस मामले में वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने आश्वासन दिया है कि ठेका नहीं खुलने दिया जाएगा।

स्थानीय निवासी ने बताया कि छह मई को सुबह 10 बजे यहां शराब शिफ्ट हो रही थी। पता चलते ही महिलाएं और पुरुष विरोध में आ गए। उसके बाद से धरना प्रदर्शन हो रहा है। दूध बचेने वाले की दुकान है। उसने अधिक पैसे के लालच में शराब विक्रेताओं को दुकान बेच दी है।

पहले भी यहां कई बार शराब का ठेका खोलने की कोशिश की गई थी, लेकिन हमने शराब का ठेका नहीं खोलने दिया। अब हमने वन राज्य मंत्री संजय शर्मा से इसकी शिकायत की है। उसके बाद आबकारी अधिकारी ने आश्वासन दिया है कि ठेका नहीं खोलने दिया जाएगा। हमारे छोटे-छोटे बच्चे स्कूल जाते हैं। बालिकाएं भी यहां से निकलती हैं। शराब बिकेगी सबको डर लगेगा। स्कूल का बस स्टॉप भी यहीं है। बुजुर्ग महिला ने कहा कि माहौल बिगड़ेगा, शराबी बच्चियों को परेशान करेंगे, आसपास में शराबी घुस जाएंगे।

बच्चों से भरी स्कूल बस फंसी कीचड में

बस पलटने से 40 बच्चों की जान खतरे में पड़ गई ।

टोंक। सदर थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 22 तारण गांव में स्कूली बच्चों से भरी एक बस गड्ढे और कीचड़ में फंस गई। बस के पलटने जैसे हालात बन गए, जिससे करीब 40 बच्चों की जान खतरे में पड़ गई, हालांकि चालक की सूझबूझ से बडा हादसा टल गया। ड्राइवर ने तुरंत बस को नियंत्रित कर वहीं रोक दिया और धीरे-धीरे बच्चों को कीचड से सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद बच्चों को दूसरे वाहन से बच्चों को भेजा गया। घटना ने एक बार फिर नगर परिषद और प्रशासन की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर पानी भरा रहता है और जगह-जगह गड्ढों में आए दिन वाहन फंसते रहते हैं। कई बार बाइक सवार गिर चुके हैं और चौपहिया वाहन भी कीचड में फंस जाते हैं। इसके बाद स्थानीय ग्रामीणो ने जिला कलेक्टर टीना डाबी से मांग की है कि गांव की इस समस्या का स्थायी समाधान किया जाए। लोगों ने कहा कि पानी निकासी और नालियों के निर्माण के बिना हालात नहीं सुधर सकते।

श्रम कानूनों पर चर्चा की

भिवाड़ी। आज भिवाड़ी में आरआईपीएस 2024 और श्रम कानूनों पर सत्र का आयोजन किया गया। यह सत्र नए श्रम कानूनों को व्यावहारिक व्यावसायिक दृष्टिकोण से समझने का एक उपयुक्त अवसर है।

सरलीकरण के नीतिगत उद्देश्य से परे, उद्योग के लिए असली सवाल यह है कि ये बदलाव जमीनी स्तर पर, विशेष रूप से संविदा श्रमिकों, वेतन संरचनाओं, अनुपालन लागतों और व्यापक परिचालन योजना पर कैसे प्रभाव डालेंगे।

यह बात खैतान एंड कंपनी, नई दिल्ली के रोजगार एवं श्रम कानून विभाग के साझेदार अभिनव रस्तोगी ने कही। वे आज भिवाड़ी में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) राजस्थान और भिवाड़ी निर्माता संघ द्वारा आयोजित आरआईपीएस 2024 सत्र में बोल रहे थे। अभिनव रस्तोगी ने यह भी कहा कि व्यवसायों को अब स्पष्टता और शीघ्र तैयारी की आवश्यकता है।

कृषि के साथ बागवानी आधारित खेती आज की आवश्यकता-डॉ. विजय वीर

भरतपुर (निस)। राजस्थान की कृषि और बागवानी न केवल किसानों की आजीविका का आधार हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती की रीढ भी हैं। विशेष रूप से भरतपुर अंचल में राईदूसरसों, गेहूं, बाजरा तथा विविध बागवानी फसलें हजारों किसान परिवारों की आय और रोजगार का प्रमुख स्त्रोत बनी हुई हैं। बदलते कृषि परिदृश्य में प्राकृतिक खेती के साथ कम लागत में अधिक, गुणवत्तापूर्ण और टिकाऊ उत्पादन प्राप्त करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।यह बात भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. विजय वीर सिंह ने 07-08 मई 2026 तक आयोजित दो दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि आज के दौर में कृषि को लाभकारी बनाने के लिए वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाना अनिवार्य हो गया है। मिट्टी परीक्षण आधारित पोषण प्रबंधन, उन्नत किस्मों का चयन, समय पर बुवाई, कीटदूरोग एवं खरपतवार प्रबंधन जैसी वैज्ञानिक तकनीकों से उत्पादन और गुणवत्ता-दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। उन्होंने किसानों से कृषि के साथ बागवानी तथा अन्य सहायक कृषि गतिविधियों को अपनाकर आय के अतिरिक्त स्त्रोत विकसित करने का भी आव्हान किया।

कार्यक्रम के प्रशिक्षण समन्वयक एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों को कृषि एवं बागवानी फसलों की वैज्ञानिक उत्पादन तकनीकों, फसल प्रबंधन, मिट्टी स्वास्थ्य संरक्षण तथा आधुनिक कृषि पद्धितयों की व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराना था। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन, बेहतर गुणवत्ता तथा टिकाऊ खेती के व्यावहारिक उपायों से भी अवगत कराया गया। जल संसाधन विकास एवं भू-संरक्षण विभाग द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने किसानों को उन्नत शस्य क्रियाओं, राईदूसरसों की उन्नत किस्मों, मृदा परीक्षण, बागवानी फसल प्रबंधन, जैविक खेती तथा एकीकृत कृषि प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी। किसानों ने संस्थान की कृषि मशीनरी, तेल एवं बीज प्रसंस्करण इकाइयों, संठाहालय तथा प्रक्षेत्र फार्म का भ्रमण कर तकनीकों को नजदीक से समझा। इस कार्यक्रम में 35 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया तथा समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मोहनलाल दोतानियाने किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर पोषक तत्व प्रबंधन अपनाने की सलाह दी, जबकिडॉ. ललित कृष्ण मीना ने जिंक, बोरॉन और सल्फर जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों की महत्ता समझाई।वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सुजितने बताया कि संतुलित उर्वरक प्रबंधन विशेष रूप से तिलहनी फसलों में तेल की मात्रा और गुणवत्ता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। कार्यक्रम में 100 से अधिक किसानों ने भाग लिया तथा रामसिंह, राकेश गोयल एवं राधाचरण का सहयोग सराहनीय रहा।

सीकर के जाजोद में सड़कों पर घूम-घूमकर लोगों से मिले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों के साथ चाय पी और यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान किया

सीकर/जयपुर। सीकर के जाजोद गांव में गुरुवार को देर तक रात्रि चौपाल लगाने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को सूरज निकलते ही फिर लोगों के बीच पहुंच गए। लोग घरों से निकले तो उन्होंने सड़क पर मुख्यमंत्री को गांव में टहलते हुए पाया। गांव की गलियों में सहजता के साथ भ्रमण करते हुए मुख्यमंत्री ने बुजुर्गों, महिलाओं, किसानों, पशुपालकों, फल एवं सब्जी विक्रेताओं तथा युवाओं से संवाद किया और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान गांव में स्थित श्री गोपीनाथ जी मंदिर एवं शिव मंदिर में दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने बच्चों को दुलारते हुए उनकी पढ़ाई-लिखाई के बारे में जानकारी ली तथा उन्हें चॉकलेट वितरित की।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों के साथ चाय पी और यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान कर डिजिटल ट्रांजेक्शन को भी प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव का जीवन प्रकृति के निकट, शुद्धता, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि शहरों की ओर पलायन की परिपाटी बदले और गांव आत्मनिर्भर विकास के सशक्त केंद्र बनें। मुख्यमंत्री ने किसानों से स्थानीय फसलों, कृषि उत्पादों एवं खेती की पारंपरिक पद्धितयों के बारे में जानकारी लेते हुए उन्हें आधुनिक एवं उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। ग्रामीणों के अभाव अभियोगों को गंभीरता से सुनते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व प्रकरणों के समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष बल देते हुए कहा कि आमजन को राहत पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की समस्याओं एवं मांगों पर संवेदनशीलता के साथ त्वरित निर्णय लेते हुए महत्वपूर्ण फैसले लिए। एक वीरांगना की भावनात्मक अपील पर मुख्यमंत्री ने मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए उनके भीलवाड़ा में कार्यरत पुत्र को सीकर एवं झुंझुनूं जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड, पलसाना (सीकर) में निरीक्षक पद पर प्रतिनियुक्ति देने के आदेश भी तत्काल प्रभाव से जारी करवाए। मुख्यमंत्री ने यमुना जल समझौते को प्रदेश के किसानों के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह समझौता भविष्य में जल संकट के समाधान तथा सिंचाई सुविधाओं के विस्तार में मील का पत्थर सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान असीम संभावनाओं वाला प्रदेश है तथा राज्य सरकार विरासत संरक्षण के लिए हवेलियों के जीर्णोद्धार एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर ग्रामीण खासे उत्साहित दिखाई दिए।

ग्रामीणों ने कहा कि यह पहली बार है जब किसी मुख्यमंत्री ने गांव में रात्रि विश्राम कर आमजन के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को निकटता से समझने और समाधान के प्रयास किए हैं। इस अवसर पर विधायक सुभाष मील और गोरधन वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सीकर के जाजोद गांव में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घरों में जाकर लोगों से मुलाकात की।

■ गांव की गलियों में भ्रमण करते हुये सीएम ने बुजुर्गों, महिलाओं, किसानों, पशु पालकों, सब्जी विक्रेताओं, युवाओं से संवाद किया

चिंकारा शिकार प्रकरण में दो आरोपी गिरफ्तार

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिले में आर्मी फील्ड फायरिंग रेंज पोकरण में मार्च 2026 तथा फरवरी 2024 में घटित चिंकारा शिकार प्रकरण में संभागीय मुख्य वन संरक्षक जोधपुर अनूप के आर तथा उप वन संरक्षक जैसलमेर कुमार शुभम के मार्गदर्शन में सहायक वन संरक्षक पोकरण चंद्रशेखर कौशिक तथा क्षेत्रीय वन अधिकारी छायण लक्ष्मण स्वामी के नेतृत्व में गठित वन विभाग की विशेष टीम ने उक्त चिंकारा शिकार प्रकरण में दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

उपवन संरक्षक कुमार शुभम ने बताया कि फील्ड फायरिंग रेज पोकरण में फरवरी 2024 में हुए चिंकारा शिकार प्रकरण में आरोपी राहुल उर्फ रावलराम भील निवासी रामदेवरा एवं मार्च 2026 में फील्ड फायरिंग रेंज पोकरण में घटित चिकारा शिकार प्रकरण में आरोपी डालाराम भील निवासी पोकरण को वन विभाग द्वारा गिरफ्तार कर अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पोकरण के समक्ष पेश करने पर दोनो आरोपियों को 15 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। चिंकारा शिकार के उक्त प्रकरणों में फरार अन्य आरोपियों की तलाश कर गिरफ्तार करने के लिए वन विभाग की टीम द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इन प्रकरणों में वन्य जीव अपराधियों को गिरफ्तार करने में रेज छायण के वनपाल झमकु, सहायक वनपाल जगदीश मेहडू वनरक्षक रामकिशोर जाखड़, अशोक रतनू, कविता स्वामी, मूलसिंह जोधा, मोहम्मद रमजान सहित अन्य वन कार्मिकों का विशेष योगदान रहा।

खेतड़ी : मकानों में चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

■ आरोपी से दो लाख रूपए का सामान व 90 हजार रूपए बरामद किये

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी पुलिस ने कस्बे में लगातार हो रही चोरियों का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 90 हजार रूपए बरामद किए हैं।

थानाधिकारी मोहनलाल ने बताया कि 12 जनवरी को कस्बे के वार्ड 19 निवासी शीला पांडे ने रिपोर्ट दी कि वह 11 जनवरी को सुबह साढ़े आठ बजे घर के ताला लगाकर जयपुर गई थी। शाम के समय करीब सात बजे घर पर वापस आई और मेन गेट का ताला खोलकर मकान में आकर उपर गई तब देखा दोनों कमरों के ताले टूटे हुए थे। सीसीटीवी कैमरे टूटे हुए थे। किसी अज्ञात व्यक्ति ने बैड में रखे नकद रुपये व अलमारी में रखे जेवरात चोरी कर लिये तथा कमरों में तोड़फोड़ कर डीवीआर भी चोरी कर ले गया। कस्बे में लगातार हो रही चोरियों को लेकर एसपी कावेंद्र सिंह सागर ने थानाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया तथा पुलिस टीम में पूर्व में खेतड़ी थाने में रहे कांस्टेबल राजवीर सिंह व एचसी चौखाराम को शामिल किया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने तकनीकी सहायता से आरोपी सोमवीर ऊर्फ मोटू पुत्र रोहिताश्व कुमावत निवासी वार्ड 18 चेलापुरी खेतड़ी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब दो लाख रूपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात व 90 हजार रूपये नकदी, चोरी किये गये रूपए से खरीदा हुआ कीमती मोबाइल फोन बरामद किया है। थानाधिकारी ने बताया कि चोरी की आरोपी के गहनता से पूछताछ की जा रही है। वारदात का खुलासा करने में डीएसटी टीम के कांस्टेबल राजवीर सिंह व एचसी चौखाराम की विशेष भूमिका रही। इस दौरान टीम में थानाधिकारी मोहनलाल, एचसी महेश, पवन कुमार, चौखाराम, कांस्टेबल राजवीर सिंह, अनिल कुमार आदि शामिल रहे।

Rajasthan Medical Services Corporation Ltd.
Gandhi Block, SwasthyaBhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur-302005 (Raj.)
Phone No: 0141-2228066, 2228064, Website: http://rmsc.health.rajasthan.gov.in
E-mail :edpssrmsc@rajasthan.gov.in

No. :- F-8 () RMSC/EPM/M-4/NIB-933/2025-26/RajKaj 22054142 Dated :- 07/05/2026

Corrigendum / Addendum

Corrigendum / Addendum Bid No. (NIB-933) for Item White Sharp Container (White Box) for revised technical specifications has been issued. Corrigendum / Addendum details may be visited on Procurement portal website https://sppp.rajasthan.gov.in or www.dipronline.org or https://eproc.rajasthan.gov.in or website http://rmsc.health.rajasthan.gov.in.

UBN : MSC2526GLOB00056

Executive Director (EPM) RMSCL

Raj.Samwad/C/26/2396

OFFICE OF EXECUTIVE ENGINEER, WATERSHED DEVELOPMENT & SOIL CONSERVATION, PANCHAYAT SAMITI, BARI (DISTT. DHOLPUR)

File no. 101 **NOTICE INVITING BID** Date: 05.05.2026

NIT NO 03/2026-27

NIB No. WSC2627A0181 YEAR 026-27

Bids for Construction of Percolation tank with safety wall-03 in PMKSY 2.0 Project area Block Bari Distt Dholpur total estimated value INR 23.88 lacs are invited from interested bidders up to time 06:00 PM Date 15-05-2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/)

UBN: WSC2627WSOB00299

(Prem Prakash Marmit)
EXECUTIVE ENGINEER
WATERSHED DEVELOMENT & SOIL CONSERVATION
P.S. BARI (DISTT DHOLPUR)

DIPR/C/8040/2026

अलवर : गोविंदगढ़ थाने पर पथराव के चार आरोपियों को जेल भेजा

■ गोविंदगढ़ थाने पर छह मई की रात को बुलेट बाइक जब्त करने पर आरोपियों ने हमला किया था

अलवर, (निसं)। अलवर में थानेदार सहित पुलिसकर्मियों पर पथराव करने वाले चार आरोपियों को शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपियों को 21 मई तक जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार जिले के गोविंदगढ़ थाने पर छह मई की रात को बुलेट बाइक जब्त करने पर आरोपियों ने थाने पर हमला किया था। इस हमले में गोविंदगढ़ थाना प्रभारी सहित कई कर्मचारी घायल हुए थे।

एससी/एसटी कोर्ट के सहायक लोक अभियोजक अधिकारी योगेंद्र खटाना ने बताया कि 7 मई को गोविंदगढ़ थाने के एएसआई बलबीर जाटव की ओर से मामला दर्ज कराया गया था। छह मई की रात करीब 10:15 बजे एक बुलेट मोटरसाइकिल पटाखे जैसी आवाज करते हुए गुजर रही थी। योगेंद्र खटाना ने बताया कि पुलिस ने चेकिंग के दौरान डिटेन (जब्त) कर लिया। इसी दौरान बाइक चालक के समर्थन में 50-60 लोग थाने पहुंच गए और अचानक पथराव शुरू कर दिया। इस हमले में थाने के सरकारी वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और थानाधिकारी सहित कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनकी पहचान विक्रम सिंह, सुखजीत सिंह, अर्जुन सिंह और रौनकी सिंह के रूप में हुई है, जो सभी गोविंदगढ़ के निवासी हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

युवक की मौत

कोटा, (निसं)। अनंतपुरा थाना इलाके में गलत दिशा से आ रहे ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। बाइक सवार काम खत्म करके घर की ओर जा रहा था कि इसी दौरान एक ट्रक रॉंग साईड से भामाशाह मंडी की तरफ से सीएनजी पम्प की तरफ जाते समय ट्रक चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन को चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में घायल बाइक सवार को उपचार के लिये अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अनंतपुरा थानाधिकारी रमेश कविया ने बताया कि बरड़ा बस्ती निवासी सोनू महावर (22) ड्यूटी से घर की ओर मोटरसाइकिल से जा रहा था, कि अज्ञात ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी।

टोंक में पांच लाख की अवैध शराब जब्त

टोंक, (निसं)। जिला स्पेशल टीम द्वारा दूनी थाना क्षेत्र में अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए करीब पांच लाख रुपए की अवैध शराब जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में आरोपियों के कब्जे से खरीद-फरोख्त के पांच लाख 24400 रुपए रुपए भी जब्त किए हैं।

जानकारी के अनुसार दूनी थाना क्षेत्र में जिला स्पेशल टीम ने एक दुकान में छापा मारकर दुकान से 45 पेटी अवैध शराब व बोलेरो कार, नगदी आदि माल को दूनी थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। टीम ने इस दौरान कार्रवाई कर गुरुवार रात्रि को दूनी थाना क्षेत्र में स्थित एनएच-52 पर संथली के पास एक दुकान पर छापामार वहां खड़ी बोलेरो गाड़ी से 15 पेटी अंग्रेजी शराब, साथ ही चालक की दुकान से 30 पेटी अंग्रेजी व देसी शराब जब्त की है। इस प्रकार आरोपियों के कब्जे से 45 पेटी अवैध अंग्रेजी व देशी शराब की जब्त की गई है, जिसकी बाजार कीमत लगभग पांच लाख रुपए है। कार्रवाई में आरोपी सुरेश पुत्र देवकरण गुर्जर निवासी संथली और सांवरलाल पुत्र गोवर्धन गुर्जर निवासी बेनपा थाना दूनी को डिटेन कर दूनी थाने के सुपुर्द कर दिया है।

OFFICE OF PROJECT MANAGER CUM SUPERINTENDING ENGINEER WATERSHED DEVELOPMENT & SOIL CONSERVATION, DHOLPUR

File no. 240 **NOTICE INVITING BID** Date: 05-05-2026

NIT NO: 01/2026-27

NIB No. WSC2627A0183 YEAR 2026-27

Bids for Construction of Retaining wall-3, Talab renovation-6, Anicut renovation-1, Ped-2 (01 Package) of total estimated value INR 121.21 lacs under PMKSY 2.0 Block Baseri Distt. Dholpur are invited from interested bidders up to time 06:00 PM Date 15-05-2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/)

UBN:- WSC2627WSOB00301

(Lakhan singh Meena)
SE CUM PROJECT MANAGER
WATERSHED DEVELOPMENT & SOIL CONSERVATION DHOLPUR

DIPR/C/8064/2026

जोधपुर में शादी समारोह के स्टेज पर आग लगी, वीडियो वायरल

■ वरमाला के दौरान दूल्हा-दुल्हन ने भागकर जान बचाई

जोधपुर, (कासं)। शहर में एक शादी समारोह के दौरान वरमाला के ठीक समय स्टेज धूं-धूं कर जल उठा। पाल रोड स्थित रिसॉर्ट में हुई इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। गनीमत रही कि दूल्हा-दुल्हन और वहां मौजूद लोगों ने समय रहते सूझबूझ दिखाई, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

वायरल वीडियो के अनुसार स्टेज पर दूल्हा और दुल्हन वरमाला की रस्म के लिए खड़े थे। इस पल को और शानदार बनाने के लिए स्टेज के चारों तरफ कोल्ड फायर (क्रैकर) चलाए गए और भारी आतिशबाजी की गई। तभी कोल्ड फायर से निकली चिंगारी स्टेज पर सजावट के लिए लगाए गए आर्टिफिशियल (प्लास्टिक) फूलों और कपड़ों पर जा गिरी। इस पर प्लास्टिक के फूलों ने तुरंत आग पकड़ ली और देखते ही देखते चंद सेकंड में पूरा स्टेज आग की लपटों से घिर गया। जैसे ही स्टेज पर आग भड़की, वहां मौजूद मेहमानों और रिश्तेदारों में चीख-पुकार मच गई। आग की लपटों को अपने करीब आता देख दूल्हा और दुल्हन ने तुरंत स्टेज से नीचे की तरफ भागकर अपनी जान बचाई। अचानक लगी इस आग से मैरिज गार्डन में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। हालांकि, वहां मौजूद लोगों ने अग्निशमन उपकरणों व पानी की मदद से आग पर काबू पा लिया।

प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों में बीटेक के लिए प्रवेश 13 मई से

■ जेईई मेन्स वालों को पहले मौका, ऑनलाइन रिपोर्टिंग से घर बैठे ही सीट कन्फर्म होगी

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश के सरकारी और निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों में बीटेक प्रथम वर्ष सत्र 2026-27 के प्रवेश 13 मई से शुरू होंगे। तकनीकी शिक्षा विभाग ने सेंट्रलाइज्ड एडमिशन प्रोसेस का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इंजीनियरिंग कॉलेज बीकानेर (ईसीबी) सहित राज्य के सभी इंजीनियरिंग संस्थानों में इस वर्ष भी प्रवेश केंद्रीकृत, ऑनलाइन और मेरिट आधारित प्रक्रिया के तहत होंगे। इससे विद्यार्थियों को पारदर्शी तरीके से पसंदीदा कॉलेज और ब्रांच में प्रवेश का अवसर मिलेगा। ईसीबी में आठ ब्रांचों में करीब 600 सीटों पर प्रवेश दिए जाएंगे, जबकि यूसीईटी में लगभग 480 सीटें उपलब्ध रहेंगी।

ईसीबी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नवीन शर्मा ने बताया कि सेंटर फॉर इलेक्ट्रॉनिक गवर्नेंस, जयपुर द्वारा संचालित यह प्रक्रिया विद्यार्थियों को सरल और तकनीक आधारित प्रवेश सुविधा प्रदान करेगी। प्रवेश प्रक्रिया से जुड़ी विस्तृत जानकारी आधिकारिक वेबसाइटों पर उपलब्ध करवाई गई है। 13 मई से शुरू होने वाली आवेदन प्रक्रिया में अभ्यर्थियों को जीएसटी समेत 885 रुपए जमा करवाकर ओटीपी आधारित ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन शुल्क जमा करवाने की अंतिम तिथि 10 जून निर्धारित की गई है, जबकि आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 12 जून रहेगी। अभ्यर्थी 26 जून तक कॉलेज और ब्रांच विकल्प भरकर लॉक कर सकेंगे।

प्रवेश के लिए सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के 12वीं में न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक तथा आरक्षित वर्ग के लिए 40 प्रतिशत अंक होना आवश्यक है। साथ ही अभ्यर्थियों ने विज्ञान वर्ग में गणित, फिजिक्स, कंप्यूटर साइंस, बायोलॉजी, एग्रीकल्चर, बिजनेस स्टडीज, बायोटेक्नोलॉजी या एंटरप्रेन्योरशिप जैसे विषयों के संयोजन के साथ अध्ययन किया होना चाहिए।

डॉ. संजीव जैन, प्राचार्य, ईसीबा का कहना है प्रवेश प्रक्रिया के दौरान विद्यार्थियों की सहायता के लिए इंजीनियरिंग कॉलेज बीकानेर में विशेष हेल्पडेस्क शुरू की गई है। यहां विद्यार्थियों को ऑनलाइन आवेदन, ब्रांच चयन, पात्रता, काउंसलिंग प्रक्रिया, तकनीकी पाठ्यक्रमों और करियर संभावनाओं से जुड़ी जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड मालपुरा

क्रमांकः 193 दिनांकः 6/5/2026

निविदा सूचना संख्याः 01 / 2026-27 खण्ड मालपुरा

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड मालपुरा में सडक/भवन निर्माण हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "ए" एवं "एए", "बी", "सी", "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No.:- PWD2627A0347
1. PWD2627WSRC01530, 2. PWD2627WSRC01531, 3. PWD2627WSRC01532
4. PWD2627WSRC01533, 5. PWD2627WSRC01536, 6. PWD2627WSRC01537
7. PWD2627WSRC01539, 8. PWD2627WSRC01542, 9. PWD2627WSRC01547

DIPR/C/8087/2026 अधिशासी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड मालपुरा

Estate Officer
Rajasthan University of Veterinary and Animal Science (Jobner)

क्रमांक :- EO/RUVAS/2026-27/35 दिनांक :- 05/05/2026

ई-निविदा सूचना संख्या 02/2026-27

राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, जोबनेर की ओर से विश्वविद्यालय में विभिन्न स्थानों पर निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में, इस विश्वविद्यालय में एवं अन्य विश्वविद्यालयों में, राज्य सरकार एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों तथा केन्द्र सरकार व केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों, जो कि राज्य सरकार के उपयुक्त श्रेणी के समकक्ष हो, पंजीकृत संवेदकों से ई-टेन्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ऑन लाईन निविदा प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विरण वेबसाईट www.dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp, www.ruvasjaipur.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा आवेदन डाउनलोड़ करने की तारीख	05.05.2026 सांय 5.00 बजे से
निविदा जमा कराने की तारीख	29.05.2026 सांय 5.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	30.05.2026 प्रातः 11.00 बजे से

UBN No. : RVJ2627WSOB00004

राज.संवाद/सी/26/2382 सम्पदा अधिकारी

संपत्ति के फर्जी दस्तावेज दिखाकर 12 लाख की ठगी

अजमेर, (निसं)। अलवर गेट थाना क्षेत्र में संपत्ति के फर्जी दस्तावेज दिखाकर 12 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने आरोपी युवक पर विश्वास में लेकर नकली कागजात के आधार पर रकम हड़पने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अलवर गेट थाना क्षेत्र स्थित सेंट जोसेफ स्कूल आनंदपुरी निवासी नवल सिंह ने अलवर गेट थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया गया कि एक युवक ने उसे संपत्ति बेचने का झांसा दिया। आरोपी ने खुद को संपत्ति का मालिक बताते हुए संबंधित जमीन और मकान के दस्तावेज दिखाए। दस्तावेज देखने के बाद नवल सिंह ने उस पर भरोसा कर लिया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी ने संपत्ति का सौदा तय कर उससे अलग-अलग किश्तों में करीब 12 लाख रुपए ले लिए। बाद में जब दस्तावेजों की जांच करवाई गई तो वे फर्जी निकले। इसके बाद पीड़ित को अपने साथ हुई ठगी का पता चला।

अलवर गेट थाना एएसआई भूपेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़ित की रिपोर्ट पर धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। दस्तावेजों की सत्यता की भी जांच करवाई जा रही है तथा आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है।

पावटा : लग्न-टीका कार्यक्रम में रस मलाई खाने से करीब 50 लोगों की तबियत बिगड़ी

बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को उल्टी-दस्त की शिकायत हुई

पावटा, (निसं)। भाभरु क्षेत्र के मालियों की ढाणी, गैसकान में शुक्रवार को दोपहर में आयोजित एक लग्न-टीका कार्यक्रम उस समय अफरा-तफरी में बदल गया, जब भोजन के साथ मिठाई के नाम पर परोसी गई रस मलाई खाने के बाद अचानक लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। देखते ही देखते बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को उल्टी-दस्त की शिकायत होने लगी, जिससे समारोह स्थल पर हड़कंप मच गया। स्थिति गंभीर होने पर परिजनों ने तुरंत मरीजों को आंतेला सीएचसी और बाद में शाहपुरा राजकीय उपजिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां एक साथ बड़ी संख्या में मरीज आने से अस्पताल के वार्ड भर गए।

जानकारी के अनुसार करीब 50 से अधिक लोग फूड पॉइजनिंग की चपेट में आए हैं। हालांकि चिकित्सकों की तत्परता से सभी मरीजों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही भाजपा युवा नेता उपेन यादव देर रात शाहपुरा अस्पताल पहुंचे और मरीजों व उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने बच्चों का हालचाल जाना और परिजनों को ढांढस बंधाते हुए भरोसा दिलाया कि इलाज में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। यादव ने अस्पताल के पीएमओ डॉ. विनोद योगी एवं चिकित्सा स्टाफ से चर्चा कर सभी मरीजों के समुचित उपचार के निर्देश दिए। वे करीब दो घंटे तक अस्पताल में मौजूद रहकर मरीजों की स्थिति की जानकारी लेते रहे।

अस्पताल प्रशासन ने भी अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए इमरजेंसी व्यवस्था मजबूत की। मरीजों के परिजनों ने चिकित्सा टीम और सहयोग में जुटे लोगों की सराहना करते हुए राहत जताई कि समय रहते उपचार मिलने से बड़ा हादसा टल गया। वहीं क्षेत्रवासियों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और किसी भी परेशानी में तुरंत चिकित्सकीय सहायता लेने की अपील की गई है। वहीं असपताल में आये लोगों को चिकित्सकों ने भर्ती कर उपचार शुरु किया।

■ भाभरु क्षेत्र के मालियों की ढाणी, गैसकान में लग्न-टीका कार्यक्रम में भोजन के साथ मिठाई के नाम पर परोसी गई थी रस मलाई

लोगों की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कर चिकित्सकों ने उपचार शुरु किया।

नाबालिग से छेड़छाड़ के दोषी को सजा सुनाई

कोटा, (निसं)। नाबालिग से छेड़छाड़ के करीब दो साल पुराने मामले में पॉक्सो क्रम-3 न्यायालय ने सुनवाई करते हुए पकड़े गये आरोपी को दोषी मानते हुए 3 साल की सजा सुनाई। साथ ही 5 हजार के अर्थदंड से दंडित किया।

विशिष्ट लोक अभियोजक महेश चांदवानी ने बताया कि 25 मार्च 2024 को नाबालिग 15 वर्षीय पीड़िता ने शहर के एक थाने में रिपोर्ट दी। पीड़िता ने रिपोर्ट में कहा कि घर से सब्जी लेने गई थी, सब्जी की दुकान बंद होने पर पैदल घर की ओर आ रही थी। रास्ते में एक परिचित बाइक लेकर मिला जिसने बाइक से घर छोड़ने के लिये कहा और उसको बाइक पर बैठा लिया। रिपोर्ट में कहा कि वह उसे उसके घर की जगह अपने घर पर ले गया, जहां गलत हरकत करते हुए छेड़छाड़ करने लगा। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर कार्यवाही करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मामले में अनुसंधान करते हुए आरोपी के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया, मामले में 10 गवाहों के बयान दर्ज कराये गये।

■ पुलिस ने मामले में आरोपी के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश कर 10 गवाहों के बयान दर्ज कराये

कार्यालय नगर परिषद्, झुन्झुनू (राज.)

क्रमांक :-स्टोर / 2026-27 / 1833 दिनांक :- 07.05.2026

निविदा सूचना संख्या 01/2026-2027
(NIB Code- DLB2627A1474)
कुल राशि - 12.80 लाख

नगर परिषद झुन्झुनूं की और से कार्य हेतु सक्षम श्रेणी के पंजीकृत संवेदको से मोहरबंद निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 15.05.2026 दोपहर 1.00 बजे तक निविदा शुल्क जमा करवाकर इस कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। पूर्णतया भरी हुई निविदाए दिनांक 15.05.2026 को सांय 2.00 बजे तक वापिस प्राप्त की जाकर उसी तिथि को सांय 3.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेगी। उक्त निविदा के सम्बन्ध में अधिक जानकारी राजस्थान लोक उपापन पोर्टल (http://sppp.raj.nic.in) देखी जा सकती है। कार्य दिवस में कार्यालय मे भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

राज.संवाद / सी / 26 / 2358 आयुक्त नगरपरिषद, झुन्झुनूं

AJMER VIDYUT VITRAN NIGAM LIMITED
Corporate Identification Number (CIN) - U40109RJ2000SGC016482
Registerd Office : Vidyut Bhawan, Panchsheel Nagar, Makarwali Road, Ajmer-305004
Office of The Superintending Engineer (Civil)
Email-secivilavvnl@gmail.com ; http://energy.rajasthan.gov.in/avvnl

No. : AVVNL/SE/CIVIL/AJM/FC: D : 217 Date :- 04/05/2026

निविदा सूचना संख्या 01 (2026-27)

केन्द्र / राज्य सरकार के विभागों में 'ए' व 'एए' श्रेणी तथा अ.वि.वि.नि.लि. के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत, अनुभवी तथा माल एवं सेवाकर विभाग से पंजीकृत निविदाकारों से अधिशाषी अभियंता (सिविल / सिविल-QC), अजमेर / उदयपुर / सीकर / चितौड़गढ़ के अधीन सिविल कार्यों के लिए निविदाऐं UBN No. AVV2627WSOB00005 to AVV2627WSOB00008 आमन्त्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धित समस्त विवरणए वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in व http://energy.rajasthan.gov.in/avvnl पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/26/2363 अधीक्षण अभियन्ता (सिविल)

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

क्रमांक :- लेखा/भ.वि.प्रा./2026-27/5387 - 98 दिनांक :- 05/05/2026

ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 09/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भरतपुर विकास प्राधिकरण में उपयुक्त श्रेणी एवं विभिन्न विभागों में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से कुल 02 कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

उक्त कार्यो का विस्तृत विवरण, निविदा शर्ते, अनुमानित लागत राशि, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in https://bhda.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in portal पर देखा जा सकता है।

निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in portal का अवलोकन करें।

UBN विवरणः- WAQ2627WSOB00033, WAQ2627WSOB00034

राज.संवाद/सी/26/2373 अधिशाषी अभियन्ता

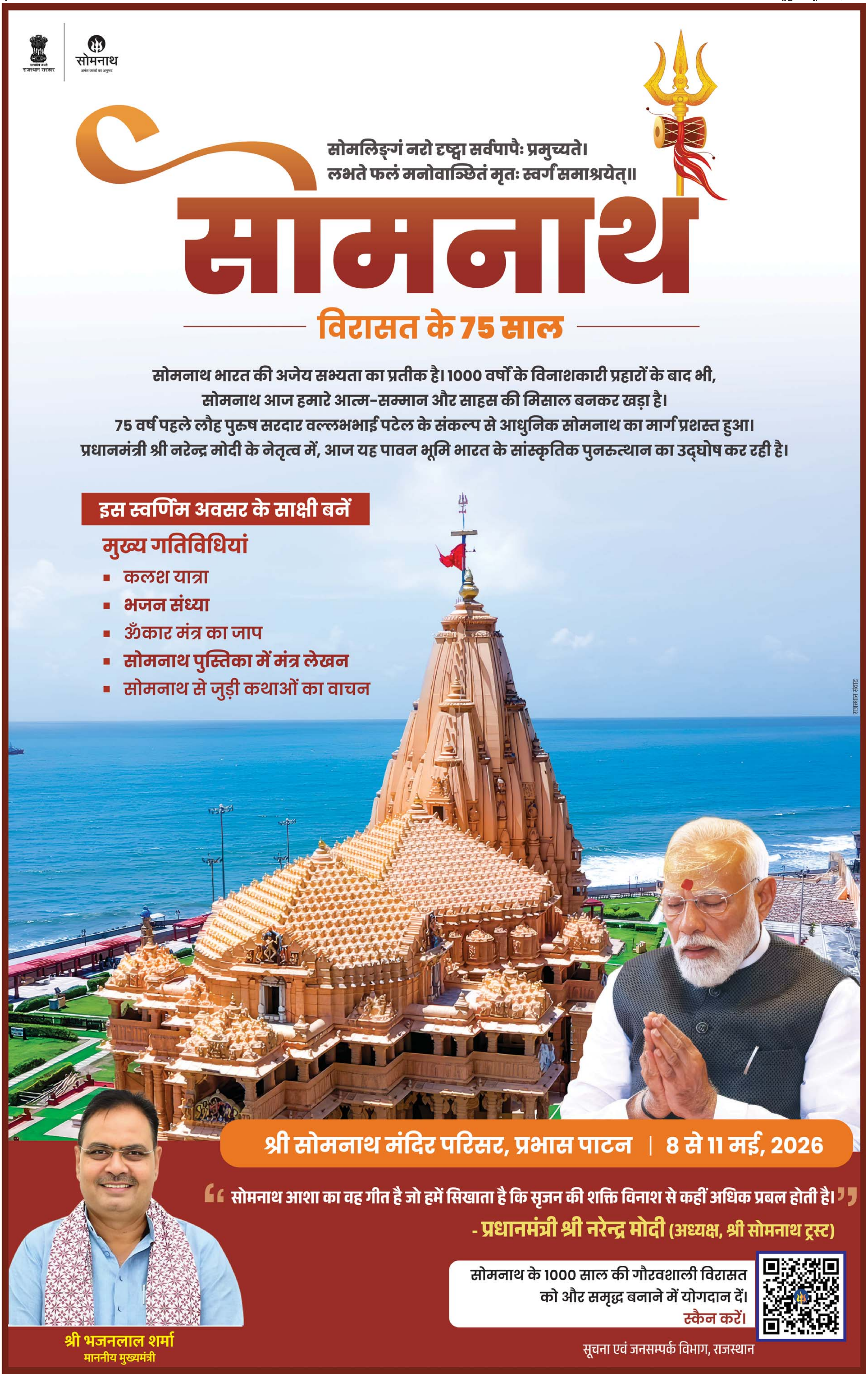
सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार
सोमनाथ
अनंत ऊर्जा का अनुभव
सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते।
लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतः स्वर्गं समाश्रयेत्॥
सोमनाथ
विरासत के 75 साल
सोमनाथ भारत की अजेय सभ्यता का प्रतीक है। 1000 वर्षों के विनाशकारी प्रहारों के बाद भी,
सोमनाथ आज हमारे आत्म-सम्मान और साहस की मिसाल बनकर खड़ा है।
75 वर्ष पहले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के संकल्प से आधुनिक सोमनाथ का मार्ग प्रशस्त हुआ।
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, आज यह पावन भूमि भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान का उद्घोष कर रही है।
इस स्वर्णिम अवसर के साक्षी बनें
मुख्य गतिविधियां
▪ कलश यात्रा
▪ भजन संध्या
▪ ॐकार मंत्र का जाप
▪ सोमनाथ पुस्तिका में मंत्र लेखन
▪ सोमनाथ से जुड़ी कथाओं का वाचन
श्री सोमनाथ मंदिर परिसर, प्रभास पाटन | 8 से 11 मई, 2026
“सोमनाथ आशा का वह गीत है जो हमें सिखाता है कि सृजन की शक्ति विनाश से कहीं अधिक प्रबल होती है।”
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी (अध्यक्ष, श्री सोमनाथ ट्रस्ट)
सोमनाथ के 1000 साल की गौरवशाली विरासत
को और समृद्ध बनाने में योगदान दें।
स्कैन करें।
श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान
राजस्थान संवाद

यह मुद्दा केवल पैसे का नहीं बल्कि सम्मान का है। उनके अनुसार खिलाड़ी खेल को जितना देते हैं, उसके मुकाबले उन्हें उतना सम्मान और लाभ नहीं मिल रहा है। - यानिक सिनर

विश्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी, फ्रेंच ओपन में इनामी राशि को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो

दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने गुरुवार को सऊदी प्रो लीग में अपना 100वां गोल दागकर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली। रोनाल्डो के गोल की बदौलत अल-नस्र ने अल-शबाब को 4-2 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष पर अपनी बढ़त मजबूत कर ली। 41 वर्षीय रोनाल्डो ने मैच के 75वें मिनट में सादियो माने के क्रॉस पर शानदार फिनिश करते हुए यह खास मुकाम हासिल किया। यह उनके पेशेवर करियर का 971वां गोल भी रहा। मौजूदा सत्र में रोनाल्डो अब तक 26 लीग गोल कर चुके हैं।

क्या आप जानते हैं ?... ओलंपिक में व्यक्तिगत रिकॉर्ड : नेविल डिसूजा (1956 ओलंपिक में एक मैच में 4 गोल, किसी भारतीय का सबसे बड़ा रिकॉर्ड)।

बीसीसीआई एनसीए अंडर-16 ट्रेनिंग कैंप जयपुर में होगा

जयपुर 8 मई। बीसीसीआई के सत्र 2025-26 की राष्ट्रीय अंडर 16 क्रिकेट प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले विभिन्न राज्यों के युवा खिलाड़ियों के एनसीए द्वारा आयोजित होने वाले ट्रेनिंग कैंप का आयोजन आरसीए अकादमी, सवाई मान सिंह स्टेडियम में आगामी तारीख 11 मई से 6 जून 2026 के दौरान किया जाएगा। एनसीए ट्रेनिंग कैंप में राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों के युवा खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। स्वर्णव श्रीहित गुरु दास, अथर्विक ईश्वरन, सुकृता जे, के भानु हर्षा, पैला श्याम दिनेश, हार्दिक शर्मा, अनाया नेगी, त्रिनाभ शुक्ला, अभिषेक राजपूत, शिवम मंत्री, ऋषभ सदके, श्रेयस फडतारे, अद्वैत भट, युवराज सिंह, त्रिपर्ण सामंत, आशुतोष कुमार नाइक, कृष पटेल, अर्नव घोडगांवकर, आलोक कुमार, निर्मिक योगेश चारडे, महर्षि प्रीतेशभाई वाघेला, आर्यन त्यागी, विराज माहेश्वरी, पंकज भाटी, शोभन सिंह भाटी। हर्षद खादीवाले बैटिंग कोच, शिव शंकर पॉल बॉलिंग कोच, मंदार साने बॉलिंग कोच, एस. विगनेश फील्डिंग कोच, अभिजीत सिंह सायल फिजियोथेरेपिस्ट, वीरमणि फिजियोथेरेपिस्ट, पूर्णेंदु शेखर जेना स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच, भवनेश कुमार स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच, अजिंक्य विनोद सावले परफॉर्मेंस एनालिस्ट।

मैत्री क्लब ने संस्कार एकेडमी को चार विकेट से हराया

जयपुर, 8 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग में आज खेले गए पूल बी के मैच में मैत्री क्लब ने संस्कार एकेडमी को 4 विकेट से हराया। जी आर ग्राउंड पर संस्कार एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आरव कुमार के 111 रन (106 गेंद, 15 चौके व एक छक्का), पारस के 20 रन व खुशवंत सिंह के 13 रनो से 43 ओवर में 191 रन बनाए। मैत्री क्लब के लिए हसन खान ने 50 पर 3, मौलिक झरवाल ने 43 पर 2, अरशद, नीतीराज व वरदान ने एक एक विकेट लिया। जवाबी पारी में मैत्री क्लब ने रामदीप के 20 रन, आयुष आमेरिया के 30 रन, वरदान शर्मा के 94 रन व क्षितिज के 23 रनो से 33.3 ओवर में 6 विकेट पर 192 रन बनाकर मैच जीत लिया। संस्कार एकेडमी के लिए कार्तिक माहेश्वरी ने 34 पर 2, पुलकित माथुर ने 31 पर 2 व प्रणव शर्मा ने 26 पर एक विकेट लिया।

आदित्य टांक की गेंदबाजी से मान क्लब 233 पर सिमटी, खूबेब की फिफ्टी

जयपुर, 8 मई जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एम रूंगटा ट्रॉफी के अंतर्गत आज से खेले गए तीन दिवसीय मैच के पहले दिन टीम सी (मान क्लब) ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए लोकेश सैनी के 22 रन, मोहित भगतानी के 20 रन, आदित्य झाला के 23 रन, मोहम्मद खूबेब के 71 रन, चिराग शर्मा के 20 रन व रिहान अली के नाबाद 20 रनो से 60.5 ओवर में 233 रन बनाकर आउट हुई। टीम ए के लिए रमेश शर्मा ने 47 पर 2, आदित्य टांक ने 33 पर 3, मेहुल पारीक, शुभम शर्मा, मिहित अग्रवाल व तोषित भाटिया ने एक-एक विकेट लिया। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक टीम ए ने 19 ओवर में 2 विकेट पर 53 रन बना लिए थे।

आईपीएल 2026 पर 'हनी ट्रैप' का साया, बीसीसीआई का बड़ा एक्शन

आईपीएल में अब नहीं चलेगी मनमानी, खिलाड़ियों पर लगेगी लगाम : शुक्ला

नई दिल्ली, 8 मई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने शुक्रवार को कहा कि शीर्ष क्रिकेट निकाय इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान खिलाड़ियों के लिए नए एक्सेस कंट्रोल नियम लागू कर रहा है, जिसका उद्देश्य अनुशासन को मजबूत करना और टूर्नामेंट प्रोटोकॉल का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करना है।

लखनऊ में पत्रकारों से बात करते हुए शुक्ला ने कहा कि आईपीएल के नए नियम खिलाड़ियों की पहुंच को सीमित करेंगे और होटलों, टीम बसों और अन्य प्रतिबंधित क्षेत्रों में क्रिकेटरों के साथ अनधिकृत बैठकों को रोकेंगे। यह कदम पारदर्शिता में सुधार लाने और टूर्नामेंट के दौरान समग्र सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया है। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष ने कहा कि बीसीसीआई नए नियम बना रहा है। खिलाड़ियों की पहुंच नियंत्रित की जाएगी; आईपीएल की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अनधिकृत लोगों को खिलाड़ियों से मिलने की अनुमति नहीं दी जाएगी, न तो होटलों में और न ही बसों में। उनकी यह टिप्पणी बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि मौजूदा सीजन में खिलाड़ियों, टीम अधिकारियों और अनधिकृत व्यक्तियों से जुड़ी कई अनियमितताओं के मद्देनजर बोर्ड सभी आईपीएल फ्रेंचाइजी को सख्त सलाह जारी करेगा।

सैकिया ने खुलासा किया कि बीसीसीआई ने स्थापित भ्रष्टाचार-विरोधी और सुरक्षा प्रोटोकॉल के कई उल्लंघन देखे हैं, जिनमें अनधिकृत व्यक्तियों का टीम सदस्यों के साथ आना, टीम होटलों में प्रवेश करना और खिलाड़ियों या अधिकारियों के कमरों में घुसना शामिल है। उन्होंने फ्रेंचाइजी मालिकों और अधिकारियों द्वारा खिलाड़ियों से प्रतिबंधित क्षेत्रों में बातचीत करने पर भी चिंता व्यक्त की, जहां आईपीएल नियमों के तहत इस तरह की पहुंच की अनुमति नहीं है। मामले को गंभीर बताते हुए, सैकिया ने कहा कि बीसीसीआई और आईपीएल शासी निकाय टूर्नामेंट प्रोटोकॉल के अनुपालन को मजबूत करने के लिए एक औपचारिक सलाह जारी करेंगे।

उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में किसी भी उल्लंघन पर बोर्ड द्वारा कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने आईपीएल में खिलाड़ियों के लिए नए एक्सेस कंट्रोल नियम लागू करने की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य अनुशासन और पारदर्शिता को बढ़ाना है; इन नियमों के तहत होटलों और टीम बसों में अनधिकृत व्यक्तियों को क्रिकेटरों से मिलने की अनुमति नहीं होगी।

भारतीय टीम में होगा बड़ा बदलाव!

सूर्यकुमार की जगह श्रेयस को बनाया जा सकता है कप्तान ?

नई दिल्ली, 8 मई। भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) नेतृत्व में बदलाव की तलाश में है और सूर्यकुमार यादव को भारत के टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान के पद से हटाकर श्रेयस अय्यर को उनकी जगह कप्तान बनाया जा सकता है। यह उल्लेखनीय है कि सूर्यकुमार यादव पहले से ही 35 वर्ष के हैं और हाल ही में उन्होंने भारत को टी20 विश्व कप जिताया था। वहीं, श्रेयस अय्यर अपने चरम पर हैं और इस प्रारूप में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, जिनमें पंजाब किंग्स को आईपीएल 2025 के फाइनल तक पहुंचाना और कोलकाता नाइट राइडर्स को 2024 में तीसरा आईपीएल खिताब दिलाना शामिल है। एक रिपोर्ट के अनुसार, चयनकर्ता सूर्यकुमार यादव के खराब प्रदर्शन से तंग आ चुके हैं और टीम में कुछ नए खिलाड़ियों को शामिल करना चाहते हैं। यह दिलचस्प है कि भारतीय टीम जल्द ही आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलेगी, जिसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच होंगे। इस सीरीज में श्रेयस अय्यर टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम की कमान संभाल सकते हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के मामले में भारतीय टीम का शेड्यूल काफी व्यस्त है। 2028 में होने वाले टी20 विश्व कप और लॉस एंजिल्स ओलंपिक को देखते हुए, भारतीय टीम लगातार तीसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जीतने के लिए अपनी टीम में बड़े बदलाव कर सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सूर्यकुमार यादव का बल्ले से खराब प्रदर्शन भारत के अगले टी20 कप्तान के रूप में उनकी भूमिका में बदलाव का एक प्रमुख कारण हो सकता है। उन्होंने टी20 विश्व कप में नौ पारियों में 242 रन बनाए, जिनमें से 84 रन उन्होंने अमेरिका के खिलाफ बनाए थे। भारतीय कप्तान मौजूदा आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) 2026 में मुंबई इंडियंस के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं, जहां पांच बार की चैंपियन टीम अंक तालिका में नौवें स्थान पर है।

कोलकाता ने दिल्ली को 8 विकेट से हरा लगातार चौथा मैच जीता

एलन का शतक

नई दिल्ली, 8 मई। कोलकाता नाइट राइडर्स ने शुक्रवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराया। दिल्ली कैपिटल्स की टीम पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 142 रन ही बना सकी। इसके जवाब में कोलकाता नाइट राइडर्स ने फिन एलन की दमदार शतकीय पारी की बदौलत 34 गेंद शेष रहते मैच अपने नाम किया। कोलकाता ने 14.2 ओवर में दो विकेट पर 147 रन बनाए। दिल्ली कैपिटल्स की टीम शुक्रवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 142 रन ही बना सकी। दिल्ली के लिए आशुतोष शर्मा ने सर्वाधिक 39 रन बनाए। इसके जवाब में कोलकाता की शुरुआत खराब रही। टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे रन आउट हुए।

अंगकृष रघुवंशी एक रन ही बना पाए। इसके बाद फिन एलन और कैमरन ग्रीन ने विकेट नहीं गिरने दिया। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 64 गेंद में 116 रन की साझेदारी हुई। फिन ने 47 गेंद में नाबाद 100 रन और ग्रीन ने 27 गेंद में 33 रन बनाए। दिल्ली कैपिटल्स को केएल राहुल और पथुम निसांका ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी हुई। सलामी बल्लेबाज केएल राहुल 14 गेंद में 23 रन बनाकर आउट हुए। कार्तिक त्यागी ने उन्हें आउट किया। नितीश राणा 8 रन बनाकर ग्रीन का शिकार बने। समीर रिजवी 7 गेंद में तीन रन ही बना सके। ट्रिस्टन स्टब्स 4 गेंद में दो रन बनाकर आउट हुए।

एलन-ग्रीन में शतकीय साझेदारी

143 रन का टारगेट चेज कर रही कोलकाता ने 31 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। कप्तान अजिंक्य रहाणे 13 और अंगकृष रघुवंशी एक रन बनाकर आउट हुए थे। ऐसे में फिन एलन ने कैमरन ग्रीन के साथ शतकीय साझेदारी करके टीम को जीत दिला दी। 11वें ओवर में कोलकाता के फिन एलन ने फिफ्टी पूरी की। उन्होंने मिचेल स्टार्क की पहली बॉल पर छक्का लगाया। इसी छक्के से उनकी फिफ्टी पूरी हुई। इतना ही नहीं, कैमरन ग्रीन के साथ अर्धशतकीय साझेदारी भी हुई।

पाथुम निसांका ने फिफ्टी लगाई

ओपनर पाथुम निसांका ने 29 बॉल पर 50 रन की पारी खेली। जबकि आशुतोष शर्मा ने 39 रन का योगदान दिया। केएल राहुल ने 23 रन बनाए। कोलकाता की ओर से अनुकूल रॉय और कार्तिक त्यागी ने 2-2 विकेट झटके। वैभव अरोड़ा, सुनील नरेन और कैमरन ग्रीन को एक-एक विकेट मिला। एक बैटर रनआउट हुआ।

ग्रीन के छक्के से कोलकाता 100 पार

12वें ओवर में कोलकाता ने 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया। कैमरन ग्रीन ने कुलदीप यादव की तीसरी बॉल छक्का लगाकर टीम को ट्रिपल डिजिट तक पहुंचाया। फिन एलन ने ओवर की पहली बॉल पर छक्का लगाया।

राजस्थान रॉयल के नए मालिक लक्ष्मी निवास मित्तल ने बेटे के साथ एसएमएस स्टेडियम पर टीम को अभ्यास करते देखा।

मैग्नस कार्लसन ने अर्जुन एरिगैसी को हराकर 'टेपे सिगेमैन एंड कंपनी शतरंज टूर्नामेंट 2026' का खिताब जीता

माल्मो, 8 मई। विश्व नंबर-1 शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने गुरुवार को भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी को सडन डेथ प्लेऑफ में हराकर 'टेपे सिगेमैन एंड कंपनी शतरंज टूर्नामेंट 2026' का खिताब अपने नाम कर लिया। मुख्य टूर्नामेंट में अपराजित रहने वाले अर्जुन एरिगैसी ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन खिताबी मुकाबले में उन्हें मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा। टाईब्रेकर की दोनों बाजियों में दोनों खिलाड़ियों ने एक-एक जीत दर्ज की, जिसके बाद मुकाबला सडन डेथ तक पहुंचा, जहां कार्लसन ने बाजी मार ली।

// आईपीएल 2026 //

पर्पल कैप की रेस में तीसरे स्थान पर पहुंचे प्रिंस यादव

नई दिल्ली, 8 मई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में प्रिंस यादव ने शानदार गेंदबाजी से पर्पल कैप की दौड़ को और रोमांचक बना दिया है। 16 विकेट के साथ प्रिंस अब पर्पल कैप तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके बराबर विकेट कगिसो रबाडा और ईशान मलिंगा के भी हैं, लेकिन बेहतर इकॉनमी रेट के कारण प्रिंस उनसे आगे हैं। प्रिंस की इकॉनमी 8.08 है, जबकि रबाडा की 9.23 और मलिंगा की 9.44 रही है। पर्पल कैप की रेस में फिलहाल भुवनेश्वर कुमार और अंशुल कंबोज संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। दोनों के नाम 17-17 विकेट दर्ज हैं। हालांकि लखनऊ के खिलाफ मुकाबले में भुवनेश्वर कोई विकेट नहीं ले सके।

ऑरेंज कैप तालिका में ज्यादा बदलाव नहीं

ऑरेंज कैप की रेस में कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिला। विराट कोहली बिना खाता खोले आउट होने के कारण 379 रन के साथ नौवें स्थान पर बने हुए हैं। वहीं मिचेल मार्श ने शानदार शतक लगाकर लंबी छलांग लगाई। उन्होंने 56 गेंदों में 111 रन की पारी खेली, जिसके बाद उनके कुल रन 367 हो गए और वह 12वें स्थान पर पहुंच गए। ऑरेंज कैप की सूची में फिलहाल हेनरिक क्लासेन 494 रन के साथ शीर्ष पर हैं। उनके बाद अभिषेक शर्मा 475 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इसके अलावा केएल राहुल 445 रन के साथ तीसरे, ईशान किशन 409 रन के साथ चौथे और वैभव सूर्यवंशी 404 रन के साथ पांचवें स्थान पर मौजूद हैं।

मोहम्मद शमी की टिप्स से मिला कोहली का विकेट : प्रिंस यादव

नई दिल्ली, 8 मई। प्रिंस यादव ने कहा कि विराट कोहली को दो गेंदों पर शून्य पर आउट करना एक खास पल था, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि व्यक्तिगत उपलब्धि से कहीं ज्यादा मायने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) पर जीत रखती है। आरसीबी के रन-चेज के दौरान, प्रिंस ने शुरुआती झटके में ही कोहली को सस्ते में आउट कर दिया, जिससे एलएसजी ने गुरुवार रात लखनऊ में खेले गए हाई-स्कोरिंग इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मुकाबले में रोमांचक नौ रन की जीत दर्ज की।

उस बहुमूल्य विकेट पर विचार करते हुए, युवा तेज गेंदबाज ने कहा कि मैच का परिणाम कहीं अधिक संतोषजनक था। प्रिंस ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि विकेट लेने के बाद मुझे अच्छा लगा, लेकिन मेरी सबसे बड़ी खुशी मैच जीतने में है। अगर मैंने विकेट लिया होता और हम हार जाते, तो शायद इतना महत्व नहीं होता, लेकिन मेरे लिए सबसे अच्छी बात यह है कि मेरी टीम जीती। टीम के लिए मैच जीतना मेरे लिए ज्यादा महत्वपूर्ण था। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने एलएसजी के गेंदबाजी कोच भरत अरुण और अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के साथ अपनी बातचीत के बारे में भी बताया और कहा कि उनसे हुई चर्चाएं सकारात्मक और मददगार रहीं। प्रिंस ने कहा कि मेरी उनसे लगातार बातचीत होती रहती है; दरअसल, मोहम्मद शमी भी वहीं हैं। तो सब कुछ ठीक चल रहा है, हमारी अच्छी और सकारात्मक चर्चाएँ हो रही हैं, और हमारा पूरा ध्यान सिर्फ इस बात पर है कि हम क्या और कैसे करना है।

एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप 2026

भारत ने लेबनान को 4-0 से रौंदा, क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के करीब

सूझोउ (चीन), 8 मई। एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप 2026 में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लेबनान को 4-0 से करारी शिकस्त दी और क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बेहद मजबूत कर लिया। शुक्रवार को खेले गए ग्रुप मुकाबले में भारतीय टीम ने दोनों हाफ में दो-दो गोल दागकर एकतरफा जीत दर्ज की।

भारत की ओर से प्रीतिका बर्मन ने दो गोल किए, जबकि अल्वा देवी सेनजाम और जोया ने एक-एक गोल दागा। इस शानदार जीत के साथ भारतीय टीम का गोल अंतर +1 हो गया है, जो ग्रुप सी की अन्य टीमों फिलीपींस (-13) और चीनी ताइपे (-14) से काफी बेहतर है। अब भारत की क्वार्टर फाइनल की उम्मीदें फिलीपींस और चीनी ताइपे के मुकाबले पर टिकी हैं। यदि इनमें से कोई भी टीम 12 या उससे अधिक गोल के बड़े अंतर से जीत दर्ज नहीं करती है, तो भारत पहली बार एशियन कप के अंतिम-8 में जगह बना लेगा।

मैच में भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। प्रीतिका बर्मन ने सातवें मिनट में गोल कर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद 36वें मिनट में अल्वा देवी सेनजाम ने गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ में भी भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा जारी रहा। 72वें मिनट में जोया ने तीसरा गोल दागा, जबकि प्रीतिका बर्मन ने 85वें मिनट में अपना दूसरा और टीम का चौथा गोल कर जीत पर मुहर लगा दी। यदि भारतीय टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंचती है तो उसका सामना 11 मई को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए चीन से होगा।

एस्टन विला ने नॉटिंघम फॉरेस्ट को रौंदकर यूरोपा लीग फाइनल में बनाई जगह

बर्मिंघम, 8 मई। एस्टन विला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को नॉटिंघम फॉरेस्ट को 4-0 से हराकर यूरोपा लीग के फाइनल में प्रवेश कर लिया। दो चरणों के सेमीफाइनल में एस्टन विला ने कुल 4-1 से जीत दर्ज की। अब फाइनल में एस्टन विला का सामना फ्राइबर्ग से 20 मई को इस्तांबुल में होगा। फ्राइबर्ग ने दूसरे सेमीफाइनल में ब्रागा को 3-1 से हराकर कुल 4-3 से मुकाबला अपने नाम किया। पहले चरण में 0-1 से पिछड़ने के बाद कोच उनाई एमरी की टीम ने घरेलू मैदान विला पार्क में आक्रामक शुरुआत की। मैच के 36वें मिनट में ओली वॉटकिंस ने एमिलियानो बुएंदिया के शानदार मूव के बाद आसान गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ के 58वें मिनट में एमिलियानो बुएंदिया ने पेनल्टी पर गोल दागकर बढ़त दोगुनी कर दी। नॉटिंघम के खिलाड़ी निकोला मिलेंकोविच द्वारा पाउ टोरेस की जर्सी खींचने पर रेफरी ने पेनल्टी दी थी।

फीफा विश्व कप 2030 तक ब्राजील के कोच बने रहेंगे कार्लो एंसेलोटी

साओ पाउलो, 8 मई। ब्राजील फुटबॉल टीम के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी को 2030 फीफा विश्व कप तक पद पर बनाए रखने की तैयारी पूरी हो चुकी है। ब्राजील फुटबॉल महासंघ (सीबीएफ) ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी।

इटली के दिग्गज कोच कार्लो एंसेलोटी ने पिछले वर्ष ब्राजील टीम की कमान संभाली थी। उनके मार्गदर्शन में पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील ने 2026 फीफा विश्व कप के लिए सफलतापूर्वक क्वालीफाई किया, जिसकी मेजबानी अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको संयुक्त रूप से करेंगे। 66 वर्षीय एंसेलोटी इससे पहले रियल मैड्रिड, एसी मिलान और चेल्सी जैसे बड़े क्लबों को कोचिंग दे चुके हैं। उनके मौजूदा अनुबंध को बढ़ाने को लेकर पिछले कई महीनों से सीबीएफ के साथ बातचीत चल रही थी। सीबीएफ अध्यक्ष समीर शाउद ने फोटेलिजा में आयोजित फुटप्रो एक्सपो सम्मेलन में कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि विश्व कप से पहले एंसेलोटी के नए अनुबंध की आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि सीबीएफ और एंसेलोटी के कानूनी सलाहकार नए अनुबंध की शर्तों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। एंसेलोटी भी कई बार यह संकेत दे चुके हैं कि वह 2026 विश्व कप के बाद भी ब्राजील टीम के साथ बने रहना चाहते हैं। ब्राजील को 18 मई को रियो डी जनेरियो में विश्व कप के लिए अपनी अंतिम टीम की घोषणा करेंगे।

आईपीएल अंकतालिका में मचेगा घमासान, रॉयल्स से आगे निकलने पर गुजरात टाइटंस की नजर

नई दिल्ली, 8 मई। आत्मविश्वास से ओतप्रोत गुजरात टाइटन्स शनिवार को यहां राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखकर अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश करेगा। राजस्थान रॉयल्स और गुजरात की टीम की स्थिति लगभग समान है। इन दोनों ने अब तक 10 मैचों में छह जीत और चार हार दर्ज की हैं। रॉयल्स बेहतर नेट रन रेट (0.510) के कारण गुजरात से आगे है। गुजरात टाइटन्स ने हालांकि लगातार तीन जीत हासिल की हैं और वह शीर्ष चार में जगह बनाने की कोशिश कर रहा है। रॉयल्स को अपने पिछले पांच मैचों में से तीन मैच में हार का सामना करना पड़ा है। रॉयल्स ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने पिछले मैच में कप्तान रियान पराग के 90 रन की मदद से छह विकेट पर 225 रन बनाए थे लेकिन उसके गेंदबाज इस स्कोर का बचाव नहीं कर पाए थे। यह लगातार दूसरा मौका था जब रॉयल्स 220 से अधिक के स्कोर का बचाव नहीं कर पाया। राजस्थान रॉयल्स हालांकि वैभव सूर्यवंशी (404 रन), यशस्वी जायसवाल (312) और यहां तक कि ध्रुव जुरेल (290) जैसे शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के कारण काफी मजबूत है, लेकिन उसका मध्य और निचले क्रम के बल्लेबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। इन बल्लेबाजों में केवल डोनोवन फरेरा (229) ही 150 या उससे अधिक रन बना पाए हैं। जुरेल रॉयल्स की बल्लेबाजी का महत्वपूर्ण अंग है लेकिन वह अपेक्षित तेजी से रन नहीं बन पा रहे हैं। जुरेल ने अपनी पिछली तीन पारियों में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 30 गेंदों में 42 रन, 20 गेंदों में 16 रन और 30 गेंदों में 42 रन बनाए हैं। इन आंकड़ों को देखकर स्पष्ट हो जाता है कि सुधार की गुंजाइश है क्योंकि टूर्नामेंट में यह साफ हो गया कि कोई भी स्कोर सुरक्षित नहीं है। आईपीएल का मौजूदा सत्र गेंदबाजों के लिए अच्छा नहीं रहा है और ऐसे में रॉयल्स को विशेष कर बीच के ओवरों में अपनी गेंदबाजी की समस्याओं को दूर करना होगा। गुजरात टाइटंस की टीम इस बात से खुश होगी कि उसने सही समय पर लय हासिल कर ली है। कप्तान शुभमन गिल (378 रन) के प्रदर्शन में निरंतरता है और वह इसे बरकरार रखने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। साई सुदर्शन (385) भी अपनी फॉर्म का पूरा फायदा उठाना चाहेंगे।

नजमुल हुसैन शांतो के शतक से बांग्लादेश मजबूत, पहले टेस्ट के पहले दिन पाक पर बनाया दबाव

मीरपुर, 8 मई। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के शुरुआती दिन शुक्रवार को शानदार बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 301 रन बनाकर मुकाबले में मजबूत पकड़ बना ली। कप्तान नजमुल हुसैन शांतो के बेहतरीन शतक और मोमिनुल हक के 91 रन की बदौलत मेजबान टीम ने पाकिस्तान के गेंदबाजों को पूरे दिन संघर्ष करने पर मजबूर कर दिया।

शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। मीरपुर की पिच पर सामान्य से अधिक घास होने के कारण दोनों टीमों ने तीन-तीन तेज गेंदबाजों को मौका दिया। पाकिस्तान को शुरुआती सफलता भी मिली। शाहीन शाह अफरीदी ने महमूदुल हसन जॉय को आउट किया, जबकि हसन अली ने शादमान इस्लाम को पवेलियन भेज दिया। बांग्लादेश ने महज 31 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे और टीम दबाव में दिखाई दे रही थी।

इसके बाद कप्तान नजमुल हुसैन शांतो और मोमिनुल हक ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने धैर्य के साथ बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान के गेंदबाजों की धार कुंद कर दी। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 170 रन की अहम साझेदारी हुई। मोमिनुल हक को पारी के दौरान जीवनदान भी मिला, जब स्लिप में सलमान आगा और पदार्पण कर रहे अब्दुल्ला फ़ज़ल के बीच से उनका कैच निकल गया।

जैसे-जैसे पिच बल्लेबाजी के लिए आसान होती गई, दोनों खिलाड़ियों ने रन गति बढ़ाई। शांतो ने आक्रामक अंदाज अपनाते हुए शानदार कवर ड्राइव लगाए और सलमान आगा की गेंद पर दिन का पहला छक्का भी जड़ा।

हैदराबाद में 200 करोड़ रूपए के फूड पार्क, सीड एवं फूड प्रोसेसिंग के एमओयू

मुख्यमंत्री भजनलाल ने हैदराबाद में ग्राम-2026 के तहत इन्वेस्टर्स मीट को संबोधित किया

हैदराबाद/जयपुर, 8 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर एग्रीटेक एवं फूड प्रोसेसिंग के सुनहरे अवसरों की भूमि बन चुका है। कृषि पैदावार में विविधता के कारण राजस्थान में प्रसंस्करण उद्योग, कोल्ड चेन, स्पाइस पार्क एवं कृषि आधारित उद्योगों में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। इसी दिशा में राज्य सरकार प्रदेश को कृषि आधारित उद्योगों और वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स का वैश्विक केन्द्र बनाने की दिशा में कार्य कर रही है।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार राजस्थान प्रदेश को कृषि आधारित उद्योगों और वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स का वैश्विक केन्द्र बनाने की दिशा में प्रयासरत है।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को हैदराबाद में ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 के तहत आयोजित इन्वेस्टर्स मीट को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को हैदराबाद में ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 के तहत आयोजित इन्वेस्टर्स मीट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 'पधारो म्हारो देस' का आ ान करते हुए, निवेशकों, एग्री-टेक स्टार्टअप्स और विशेषज्ञों को राजस्थान में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि हैदराबाद आज देश का प्रमुख आईटी और एग्री इनोवेशन हब बन चुका है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद का लैब टू लैंड मॉडल राजस्थान के लिए प्रेरणादायी है और राज्य सरकार इसे और अधिक मजबूती से लागू करना चाहती है।

इन्वेस्टर्स मीट में राजस्थान के विभिन्न स्थानों पर फूड पार्क, सीड प्रोसेसिंग, फूड प्रोसेसिंग के विकास के लिए 200 करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न एमओयू का आदान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में वन-टू-वन बिजनेस मीटिंग्स एवं निवेशकों, उद्योग जगत और एग्रीटेक विशेषज्ञों के साथ संवाद' किया गया।

इस अवसर पर पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग एवं वाणिज्य शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी मंजू राजपाल, आईसीआरआईएसएटी के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक, फिक्की नेशनल एग्रीकल्चर कमेटी के सह-अध्यक्ष सुब्रतो गीस सहित, कृषि विभाग, राजस्थान फाउंडेशन के हैदराबाद चैप्टर के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्टार्टअप्स उद्यमी एवं निवेशक उपस्थित थे।

बाइक हाइवे पर खड़े ट्रक में घुसी, पति-पत्नी व तीन बच्चों की मौत

बुलंदशहर, 08 मई। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में शुक्रवार को एनएच-34 पर हुए एक हादसे में ट्रक से टकरा कर बाइक सवार माता- पिता और तीन बच्चों व सहित, कुल पांच लोगों की मौत हो गयी। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस टीम पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। हादसे का शिकार हुआ परिवार वैष्णो देवी धाम के दर्शन कर लौटा था और रिश्तेदार के घर रुकने के बाद आज अपने गांव लौट रहा था।

जानकारी के अनुसार, बुलंदशहर में खुर्जा की तरफ से उत्तम सिंह बाइक से पत्नी और तीन बच्चों के साथ बुलंदशहर नगर के धमेड़ा अड्डा की तरफ अपने घर आ रहे थे। देहात कोतवाली में एनएच-34 पर भंसौली कट के पास बाइक सड़क के किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर ही पांचों की मौत हो गई। मृतकों में उत्तम, उनकी पत्नी उर्मिला, बेटा निशांत, बेटी दिशा और मासूम अनायरा शामिल हैं। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

आरपीएससी ने एसआई भर्ती परीक्षा 2021 रद्द की

सितंबर 2026 में नई परीक्षा होगी, जिसमें केवल वे शामिल होंगे जिन्होंने पिछली परीक्षा दी थी

अजमेर, 8 मई (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने राज्य सरकार के कड़े रुख और सिफारिश के बाद एक बड़ा फैसला लिया है। लंबे समय से विवादों और धांधली के आरोपों से घिरी सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा-2021 को आयोग ने आधिकारिक तौर पर रद्द कर दिया है। प्रदेश के लाखों युवाओं की मांग को ध्यान में रखते हुए अब यह परीक्षा पूरी पारदर्शिता के साथ नए सिरे से आयोजित की जाएगी।

आयोग के अनुसार, नई परीक्षा के सितंबर 2026 में आयोजित होने की प्रबल संभावना है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि इस बार कोई नए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इस री-एग्ज़ाम में केवल 3 लाख 83 हजार 097 अभ्यर्थी ही बैठ सकेंगे। यह मौका सिर्फ उन युवाओं को मिलेगा, जो 13 से 15 सितंबर 2021 के बीच आयोजित हुई लिखित परीक्षा के दोनों प्रश्न पत्रों में भौतिक रूप से उपस्थित हुए थे। यदि किसी अभ्यर्थी ने 2021 में फॉर्म भरा था लेकिन परीक्षा नहीं दी थी, या सिर्फ एक ही पेपर दिया था, तो उसे अब इस नई परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं मिलेगी। चूंकि परीक्षा लगभग 5 साल के अंतराल के बाद दोबारा हो रही है, इसलिए आयोग ने अभ्यर्थियों को अपने आवेदन पत्रों में आवश्यक सुधार करने का अवसर दिया है।

- **राजस्थान लोक सेवा आयोग 16 मई से पोर्टल पर आवेदन संशोधन की प्रक्रिया शुरु करेगा।**

आगामी 16 मई से पोर्टल पर आवेदन संशोधन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। अभ्यर्थी अपने दस्तावेजों, पते या अन्य आवश्यक विवरणों में इस दौरान सुधार कर सकेंगे।

आयोग ने सभी पात्र अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे समय सीमा के भीतर अपने फॉर्म अपडेट कर लें, ताकि बाद में एडमिट कार्ड जारी करने या चयन प्रक्रिया में कोई तकनीकी अड़चन न आए।

गौरतलब है कि एसआई भर्ती 2021 परीक्षा के आयोजन के बाद से ही इसके पेपर लीक होने व इसमें और डमी कैंडिडेट बिठाने जैसे गंभीर आरोप लगते रहे थे। मामला राज्य सरकार और पुलिस के संज्ञान में आने के बाद कई गिरफ्तारियां भी हुई थीं।

ज्ञातव्य है कि एक लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी एसआई भर्ती परीक्षा रद्द करने का फैसला दिया था। उसी के तहत राज्य सरकार ने राज्य लोकसेवा आयोग से एसआई भर्ती परीक्षा -2021 रद्द करने की सिफारिश की। इसके बाद आयोग ने परीक्षा रद्द करने की घोषणा की है।

नासिक टीसीएस धर्मान्तरण मामले की मुख्य आरोपी निदा खान गिरफ्तार

कोर्ट ने निदा खान को 4 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

नासिक, 08 मई। महाराष्ट्र के नासिक के बहुचर्चित टीसीएस धर्मांतरण मामले में मुख्य संदिग्ध आरोपी निदा खान को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पिछले एक महीने से पुलिस को चकमा दे रही निदा खान को नासिक और छत्रपति संभाजीनगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में छत्रपति संभाजीनगर से गिरफ्तार किया गया। शुक्रवार को उसे नासिक रोड न्यायालय में पेश किया गया, जहां अदालत ने उसे चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद, निदा खान फरार हो गई थी। विशेष जांच दल (एसआईटी) को सूचना मिली थी कि वह छत्रपति संभाजीनगर के नारेगांव इलाके में छिपी हुई है। इसके बाद नासिक पुलिस आयुक्त संदीप कर्णिक ने छत्रपति संभाजीनगर के पुलिस आयुक्त प्रवीण पवार से संपर्क कर संयुक्त अभियान शुरू किया।

- **पता चला है कि छत्रपति संभाजीनगर के नगर सेवक मतीन माजिद पटेल ने निदा खान को शरण दे रखी थी, पटेल को भी आरोपी बनाया गया है।**

जांच में सामने आया कि स्थानीय नगरसेवक मतीन माजिद पटेल ने निदा खान को शरण दी थी। सादे कपड़ों में 20 से अधिक पुलिसकर्मी दो दिनों से इलाके पर नजर बनाए हुए थे। अंततः बिना नंबर वाले वाहनों की मदद से बेहद गोपनीय तरीके से निदा खान को हिरासत में लिया गया।

फरारी के दौरान निदा खान ने नासिक, भिवंडी, मुंब्रा और छत्रपति संभाजीनगर सहित कई स्थानों की यात्रा की। पुलिस के अनुसार, उसने तकनीकी निगरानी से बचने की कोशिश की, लेकिन डिजिटल ट्रैकिंग के जरिए पुलिस उसके करीब पहुंच गई।

जांच एजेंसियों को उसके मोबाइल फोन से अहम डिजिटल सबूत मिलने की संभावना है। बताया जा रहा है कि मोबाइल में पीड़िता को धर्मांतरण के लिए उकसाने वाले कथित वीडियो और संदेश मौजूद हैं। डेटा रिकवर होने के बाद कई चौंकाने वाले खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए नासिक रोड अदालत में सुनवाई 'इन कैमरा' तरीके से की गई। अदालत परिसर के बाहर भारी पुलिस बंदोबस्त तैनात किया गया था।

सरकारी पक्ष की ओर से विशेष सरकारी वकील अजय मिसर ने पुलिस हिरासत की मांग की, जबकि बचाव पक्ष के वकील राहुल कासलीवाल और बाबा सैयद ने निदा खान के गर्भवती होने का हवाला देते हुए जमानत की मांग की। हालांकि अदालत ने यह दलील खारिज करते हुए पुलिस हिरासत मंजूर कर ली। मुख्य आरोपी निदा खान को शरण देने वाले नगरसेवक मतीन पटेल को भी इस मामले में आरोपी बनाया गया है। पुलिस आयुक्त संदीप कर्णिक ने कहा, जांच में बाधा डालने या आरोपियतों की मदद करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

रेजिडेंसियल स्कूल में निर्माण के लिये 800 साल पुराना मंदिर तोड़ा

हैदराबाद, 08 मई। तेलंगाना के वारंगल जिले में एक यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल के निर्माण के लिए 800 साल पुराने काकतीय कालीन शिव मंदिर को बुलडोजर से ढ हा दिया गया, जिससे आक्रोश और कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है। खानपुर मंडल के अशोक नगर में हुई इस घटना पर राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण (एनएचए) में शिकायत के बाद केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय और पुरातत्व विभाग ने मामला दर्ज कर लिया है।

- **राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण में शिकायत के बाद संस्कृति मंत्रालय व पुरातत्व विभाग ने मामला दर्ज किया।**

वकील इम्मनेनी रामा राव ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि काकतीय शासक गणपति देव (1199-1262 ईस्वी) के शासनकाल के इस शिव मंदिर को खानापुर मंडल में यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल के निर्माण के लिए भारी मशीनों से नष्ट कर दिया गया। शिकायत में कहा गया कि अधिकारियों ने तेलंगाना हेरिटेज एक्ट के तहत अनिवार्य विरासत संरक्षण समिति का गठन नहीं किया। कार्यकर्ताओं का तर्क है कि मंदिर को ध्वस्त करने के बजाय उसे किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जा सकता था।

रिपोर्टों के अनुसार मंदिर के गर्भगृह को खोदा गया था, जिससे यह संदेह पैदा हो गया है कि ठेकेदार ने नीचे दबे कथित खजाने की तलाश में इसे नष्ट किया होगा। हालांकि जिला प्रशासन ने इन आरोपों का खंडन किय। वारंगल जिला कलेक्टर कार्यालय के अनुसार छह मई को किए गए संयुक्त निरीक्षण में पाया गया कि जमीन पर भारी झाड़ियां और पेड़ उगे हुए थे।

बिहार में बिजली गिरने से 7 की मौत

पटना, 08 मई। बिहार के विभिन्न जिलों में शुक्रवार देर शाम आये आंधी-तूफान और आकाशीय बिजली गिरने से सात लोगों की मौत हो गई।

राज्य में आकाशीय बिजली गिरने से भोजपुर में 01, पटना में 01, समस्तीपुर में 01 और पूर्वी चंपारण में 01 तथा आंधी-तूफान/तेज वर्षा से पेड़ गिरने के कारण दबकर पटना में 02 एवं वैशाली में 01 व्यक्ति की मृत्यु पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

अजीबो-गरीब तर्क ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन के प्रति भारी और व्यापक समर्थन है, जिन्होंने पिछले पांच सालों में लेफ्ट फ्रंट सरकार के खिलाफ संघर्ष का लगातार नेतृत्व किया।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा, "सतीशन के लिए पूर्ण समर्थन है, और अगर नेतृत्व के.सी. वेणुगोपाल को मुख्यमंत्री बनाता है, तो इतनी बड़ी फूट और मजबूत मतभेदों के बीच वे पार्टी, सरकार और राज्य नहीं चला पाएंगे।"

सभी प्रमुख हितधारकों, जिनमें वी.डी. सतीशन, रमेश चेन्नीथला, वेणुगोपाल और अन्य शामिल हैं, को दिल्ली बुलाया गया है और कल एक बैठक आयोजित की जाएगी, ताकि इस मुद्दे पर चर्चा हो और पूरी प्रक्रिया में समझदारी लाई जा सके।

वेणुगोपाल ने मुख्यमंत्री बनने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी है। पिछले 9 वर्षों से वे संगठन के प्रभारी एआईसीसी महासचिव रहे हैं और राहुल गांधी के करीबी माने जाते हैं।

जो लोग वेणुगोपाल को मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं, उनका कहना है कि आने वाले साल में उत्तर प्रदेश चुनाव और 2029 के आम चुनाव की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए पार्टी को संगठन प्रभारी के रुप में हिंदी भाषी क्षेत्र के हिंदी बोलने वाले व्यक्ति की जरूरत है, ताकि यह साबित किया जा सके कि संगठन को कुर्सी पर नया नेतृत्व चाहिए और केरल को के.सी. वेणुगोपाल की जरुरत है।

सियासी खींचतान जारी है और पार्टी का केरल संगठन और एआईसीसी इस मुद्दे पर पूरी तरह विभाजित हैं।

पार्टी की एकता बिखरी हुई है और आज केरल कांग्रेस गंभीर रूप से विभाजित है।

अरुणाचल प्रदेश में भूकंप

इटानगर, 08 मई। अरुणाचल प्रदेश के पापुम पारे जिला में शुक्रवार को दोपहर बाद मध्यम तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किये गये। भूकंप के चलते कहीं से किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

- **किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं।**

भारतीय सिस्मोलॉजी केन्द्र के अनुसार, अरुणाचल में 04 बजकर 05 मिनट 52 सेकेंड पर भूकंप का झटका महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.6 मापी गई।

भूकंप का केन्द्र पापुम पारे जिला में जमीन के अंदर 05 किलोमीटर नीचे स्थित था। भूकंप का एपीक सेंटर 27.390 उत्तरी अक्षांश तथा 93.853 पूर्वी देशांत्तर पर स्थित था।

'अनिल अंबानी की कंपनियों के बैंकिंग फ्रॉड की गहन जांच हो'

सुप्रीम कोर्ट ने एक जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की

नई दिल्ली, 08 मई। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि अनिल धीरूभाई अंबानी समूह (एडीएजी) और उसकी कंपनियों से जुड़े कथित बड़े पैमाने पर बैंकिंग धोखाधड़ी के मामले में एक गहन जांच की जरूरत है। यह मामला तब सामने आया, जब केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बताया कि सात मामलों में अनुमानित कुल नुकसान लगभग 27,337 करोड़ रुपये है।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ, पूर्व नौकरशाह ई.ए.एस. शर्मा द्वारा दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई कर रही थी। इस याचिका में अनिल अंबानी के नेतृत्व वाली एडीएजी फर्मों द्वारा 40,000 करोड़ रुपये से अधिक के कथित ऋण धोखाधड़ी में अदालत की निगरानी वाली जांच की मांग की गई थी।

- **सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि जब तक जांच एजेंसी अनिल अंबानी की गिरफ्तारी की मांग नहीं करती वह इसका आदेश नहीं दे पाएगी।**

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) दोनों ने इसे 27,000 करोड़ रुपये का घोटाला बताया है। अनिल अंबानी को इसका किंगपिन कहा है, लेकिन अभी तक उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया है।

पीठ ने इस बात पर गौर किया कि शीर्ष अदालत ने बार-बार कहा है कि जब तक जांच एजेंसी की ओर से गिरफ्तारी की मांग नहीं की जाएगी, वह इसका निर्देश देने में संकोच करेगी। पीठ ने कहा कि जांच को सनसनीखेज बनाने के बजाय, ध्यान जांच और प्रासंगिक सामग्री के संग्रह पर होना चाहिए। पीठ ने यह भी कहा कि किसी मामले में हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता जांच एजेंसी के विवेक पर छोड़ दी जानी चाहिए।

जांच एजेंसियों की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड के खिलाफ एसबीआई द्वारा दर्ज शिकायतों पर दो प्राथमिकी दर्ज की गई थीं। उन्होंने कहा, "कुल नौ प्राथमिकी दर्ज की गई हैं, जिनमें से सात जांच के अधीन हैं और दो में आरोप पत्र दायर किए जा चुके हैं। सात मामलों में, कुल 27,337 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।"

मेहता ने बताया कि त्वरित जांच के लिए कई जांच अधिकारियों की कई टीमें बनाई गई थीं, और जिन सात मामलों में जांच चल रही थी, उनमें 14 स्थानों पर तलाशी ली गई थी। उन्होंने कहा कि 31 लुक-आउट सर्कुलर जारी किए गए हैं और इन मामलों में लगभग 3,960 दस्तावेज एकत्र किए गए हैं। मेहता ने यह भी बताया कि इन मामलों में अब तक दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है, और उन्होंने इन सात मामलों में आरोप पत्र दायर करने के लिए एक अस्थायी समय-सीमा भी दी।

अनिल अंबानी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सवाल उठाया कि जब संबंधित अदालत ने अभी तक आरोप पत्र पर संज्ञान नहीं लिया है, तो याचिकाकर्ता को एक आरोप पत्र की प्रति कैसे मिल सकती है।

आकाशवाणी ने 90 वर्ष पूरा होने पर मैराथन आयोजित किया

नई दिल्ली, 08 मई। आकाशवाणी के 90 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में शुक्रवार को यहां आकाशवाणी मुख्यालय से मैराथन का आयोजन किया गया। इसको प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) गौरव द्विवेदी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसमें 500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य राष्ट्रीय प्रसारक के साथ एकजुटता दिखाते हुए फिट इंडिया की भावना को बढ़ ावा देना था। लगभग 3.5 किलोमीटर लंबी ये मैराथन आकाशवाणी भवन से शुरू होकर कृषि भवन, रेल भवन तथा आरबीआई भवन से होते हुए वापस आकाशवाणी भवन पर समाप्त हुई। इस आयोजन में आकाशवाणी के कर्मचारियों के साथ-साथ भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) जैसे अर्धसैनिक बलों के जवानों ने भी दौड़ लगाकर फिट इंडिया की भावना को प्रदर्शित किया।

'हमारे 300 से अधिक कार्यकर्ता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिए आयोग स्थापित करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

ममता बनर्जी की पिछली सरकार के कुछ कार्यों की जांच के लिए भी एक आयोग स्थापित किया जा रहा है।

पूरी तरह से जांच शुरू हो गई है और शुभेन्दु अधिकारी के व्यक्तिगत सहायक के हत्यारों की तलाश शुरू हो गई है, जिनकी हत्या एक दिन पहले राजनीतिक कारणों से की गई थी।

नए मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल सहयोगियों द्वारा कल कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और कम से कम बीस भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की उपस्थिति में शपथ ली जाएगी।

दुर्भाग्यवश, अपनी असभ्यता जारी रखते हुए, पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस समारोह में भाग नहीं लेंगी। इससे पहले सभी सेवानिवृत्त मुख्यमंत्री अगले मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होते रहे हैं।

वैसे, अपने सोशल मीडिया हैंडल पर, ममता बनर्जी "पूर्व" शब्द जोड़ने क बजाय अब भी खुद को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में प्रस्तुत कर रही हैं।

शुभेन्दु को मुख्यमंत्री के रूप में घोषित करने की घोषणा केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज शाम कोलकाता में की, जब नव निर्वाचित विधायकों का एक सम्मेलन संपन्न हुआ। भाजपा संसदीय बोर्ड ने अमित शाह को विधायकों की बैठकों की अध्यक्षता करने और नेता व मुख्यमंत्री चुनने का कार्य सौंपा था।

गृह मंत्री ने सदन के नेता और मुख्यमंत्री के लिए प्रस्तावित नाम आमंत्रित किया था, जिस पर नव निर्वाचित विधायकों ने एकमत होकर शुभेन्दु अधिकारी का नाम ज़ोर से पुकारा। जब अमित शाह ने मुख्यमंत्री पद के नाम की घोषणा की, तब विधायकों ने कोई अन्य वैकल्पिक नाम नहीं दिया।

लेकिन शुभेन्दु की इस शानदार जीत पर एक दुख की छाया भी थी, क्योंकि उनके युवा कार्यकारी सहायक, जो भारतीय वायुसेना के पूर्व कर्मचारी थे, की एक दिन पहले राजनीतिक हत्या कर दी गई थी। भावुक अधिकारी ने सार्वजनिक रूप से शोक व्यक्त किया कि उनके पी.ए. को भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र (ममता बनर्जी के गढ़) में उनकी जीत का मूल्य चुकाना पड़ा।

मौजूदा हालात में कोई और विकल्प अकल्पनीय होता। अधिकारी ने 2021 से लगातार सत्ता में रही तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ लंबी और कठिन लड़ाई लड़ी थी।

इस मोड़ पर शुभेन्दु को छोड़कर किसी अन्य उम्मीदवार को चुनने से पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी असंतोष और निराशा पैदा होती, जो बंगाल में पार्टी के पहले कदम को ही बाधित कर सकता था। पार्टी कार्यकर्ताओं को सत्ताधारी दल द्वारा लगातार और बेरहम तरीके से प्रताड़ित किया गया। भाजपा का दावा है कि पार्टी के कम से कम 300 ग्राउंड-लेवल कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया गया और मारा गया, जबकि कई अन्य को प्रताड़ना और हत्या से बचने के लिए अपने घर छोड़ने पड़े।

शुभेन्दु ने ही पार्टी के कार्यकर्ताओं को एकजुट रखा और जहां भी पार्टी संकट में थी, वे स्वयं वहाँ पहुंचे। शुभेन्दु स्वयं हमेशा खतरे में रहे।

पार्टी अब नई शुरुआत और राज्य के लोगों की उम्मीदों की दहलीज़ पर है।

विजय आज शपथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करने की सहमति दी।

शुक्रवार को चेन्नई में बातचीत हुई, जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने व्यक्तिगत रूप से वीसीके प्रमुख थोल थिरुमावलवन से बात कर टीवीके नेतृत्व वाले गठबंधन के समर्थन को सुनिश्चित किया।

इसके तुरंत बाद, सीपीआई कार्य समिति और सीपीएम की राज्य नेतृत्व टीम ने भी विजय का समर्थन किया, जिससे अगले सरकार बनाने को लेकर अनिश्चितता समाप्त होने की संभावना बढ़ गई।

राज्यपाल और विजय ने बुधवार और गुरुवार को भी मुलाकात की थी। दोनों बार अरलेकर ने विजय के सरकार बनाने के दावे को खारिज कर दिया, यह तर्क देते हुए कि टीवीके नेता के पास विधानसभा में आवश्यक समर्थन नहीं है।

लोक भवन ने बाद में एक बयान जारी कर कहा कि "सरकार बनाने के लिए आवश्यक बहुमत का समर्थन" स्थापित नहीं हुआ है।

इस निर्णय के बाद टीवीके कार्यकर्ताओं ने राज भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, जबकि कांग्रेस ने राज्यभर में राज्यपाल और केन्द्र की भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन की घोषणा की।

गुरुवार को अरलेकर के निर्णय के जवाब में, कांग्रेस नेता गिरीश चौडणकर ने कहा कि राज्यपाल को सबसे बड़ी पार्टी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करना ही चाहिए। उन्होंने मीडिया से कहा कि बहुमत का परीक्षण केवल विधानसभा के पटल पर किया जा सकता है।

उन्होंने भाजपा एवं आरएसएस पर अप्रत्यक्ष प्रभाव डालने का प्रयास करने का भी आरोप लगाया, जबकि भाजपा के पास विधानसभा में केवल एक विधायक है।

तमिलनाडु कांग्रेस के अध्यक्ष के. सेल्वापेरुंथगई ने 8 मई को सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन की अपील की, आरोप लगाते हुए कि राज्यपाल संविधान के खिलाफ काम कर रहे हैं और टीवीके को सरकार बनाने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं।

बाद में, विजय ने सीपीआई राज्य मुख्यालय का दौरा कर नेताओं को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्कूल जाते समय मुख्यमंत्री से एक बार फिर मिलीं और अपनी मांग दोहराई, तो मुख्यमंत्री ने मुस्कुराते हुए बताया कि जाजोद के स्कूल में विज्ञान संकाय शुरू हो चुका है। राज्य सरकार की ओर से आदेश जारी कर दिए गए हैं। अब इस विद्यालय में आप गणित एवं जीव विज्ञान दोनों में से अपनी रुचि अनुसार विषय चुनकर इसी साल से पढ़ाई कर सकती हैं। मुख्यमंत्री के मुंह से खुशखबरी सुनकर बच्चियों के चेहरे खिल उठे। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया। उनका कहना था कि उन्हें यकीन ही नहीं हो पा रहा कि उनकी मांग इतनी जल्दी पूरी होगी।

ममता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजनीतिक संदेश भी माना जा सकता है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस की ओर से इस मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

टीवीके के सभी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पार्टी कोर्ट जाने की योजना बना रही है।

द्रमुक ने शुक्रवार को एक बैठक की, जिसमें चार प्रस्ताव पारित किए गए, जिनमें से एक प्रस्ताव पार्टी प्रमुख एमके स्टालिन को "आपातकालीन निर्णय लेने" का अधिकार देता है। प्रस्ताव के बारे में द्रमुक ने कहा, "हमारा मुख्य उद्देश्य है कि एक और चुनाव को टाला जाए, एक स्थिर सरकार बनाई जाए और साम्प्रदायिक ताकतों को कोई मौका न दिया जाए।"

बहुमत की कमी को "जटिल संकट" बताते हुए, द्रमुक ने अपने सभी विधायकों से कहा है कि वे 10 मई तक चेन्नई में रहें।

हालांकि, द्रमुक के शीर्ष सूत्रों ने पुष्टि की कि एक योजना पर विचार किया जा रहा है, जिसमें ई. पलानीस्वामी मुख्यमंत्री बन सकते हैं और द्रमुक बाहर से समर्थन देगा।

द्रमुक के कुछ युवा नेताओं, विशेषकर उदयनिधि स्टालिन के शिविर को डर है कि विजय सत्ता में आने के बाद एम.जी. रामचंद्रन की तरह हो जाएंगे और उन्हें हटाना लगभग असंभव होगा। विख्यात एमजीआर ने जीवन भर द्रमुक को सत्ता से बाहर रखा था।

पार्टी के पुराने नेता, जिनमें एमके स्टालिन शामिल हैं, अभी भी पूरी तरह आश्वस्त नहीं हैं। सूत्रों के अनुसार, वे इस प्रयोग पर जनता की प्रतिक्रिया को लेकर चिंतित हैं, क्योंकि यह दो पार्टियों का साझा प्रयास है, जो दशकों से आमने-सामने रही हैं, और उन्हें भारी विरोध का डर है।

अन्नाद्रमुक ने भी इसी तरह का कदम उठाया है, जिसने अपने विधायकों से कहा है कि वे प्रतीक्षा करें और देखें। पार्टी के एक हिस्से को टीवीके के साथ गठबंधन की जल्दी है, लेकिन पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने इसे पूरी तरह खारिज कर दिया है।

टीवीके ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खराब है, जिसने 23 विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस को हराया। अय्यर ने कहा, कांग्रेस ने पांच सीटें जीतीं, उसने ये सीटें अपने दम पर नहीं, बल्कि पूरी तरह से द्रमुक के साथ अपनी दशकों पुरानी कनिष्ठ साझेदारी के बल पर जीतीं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908